- लोकसभा में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी वाला विधेयक पारित
- 7

- दो दशकों में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता तय करेगी वृद्धि की रफ्तार : सीईए
- 10

- द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगे इजराइल और भारत
- 11

- बोली समाप्त होने के बाद भी मैं आंसू नहीं रोक पा रहा था : कार्तिक शर्मा
- 12

आज का मौसम

22.0° अधिकतम तापमान

11.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.51

सूर्यास्त 05.20

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष चतुर्दशी, 04:59 उपरांत अमावस्या विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 18 दिसंबर 2025, वर्ष 35, अंक 319, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

चांदी की चमक ने बनाया नया रिकॉर्ड, भाव दो लाख के पार

नई दिल्ली, एजेंसी

- घरेलू-वैश्विक मांग के कारण आया 7,300 रुपये का उछाल

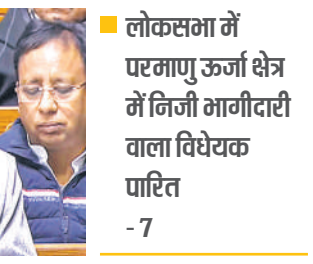

घरेलू और वैश्विक बाजारों में मांग मजबूत होने से चांदी के भाव में बुधवार को 7,300 रुपये का उछाल आया और यह पहली बार दो लाख रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी का भाव बुधवार को 2,05,800 रुपये किलोग्राम रहा।

स्थानीय सर्राफा बाजार में सोने की कीमत भी 600 रुपये चढ़कर सभी करों सहित 1,36,500 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई जो मंगलवार को 1,35,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोने की कीमत 18.59 अमेरिकी डॉलर यानी 0.43% बढ़कर 4,321.06 अमेरिकी डॉलर औंस हो गई। इसके अलावा, हाजिर चांदी ने विदेशी बाजार में पहली बार 66 डॉलर प्रति औंस का आंकड़ा पार कर लिया। चांदी में 2.77 अमेरिकी डॉलर यानी 4.35 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 66.52 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई।

कोहरा : एक्सप्रेस-वे पर अधिकतम गति सीमा घटाने की तैयारी

मुख्यमंत्री ने जारी किए कड़े निर्देश, यमुना एक्सप्रेस वे हादसे के बाद शुरू किए गए कई एहतियाती उपाय

राज्य ब्यूरो लखनऊ/एजेंसी

- सभी एक्सप्रेस वे पर 120 के बजाय 80 किमी घंटे हो सकती है अधिकतम गति

यमुना एक्सप्रेस वे समेत कई सड़कों पर मंगलवार को घने कोहरे में भीषण दुर्घटनाएं होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को हादसे रोकने के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं। राजमार्ग अधिकारियों ने इसके बाद एक्सप्रेसवे और राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है।

उप्र एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीईआईडीए) ने सरकार को सभी एक्सप्रेस वे पर कोहरा रहने तक अधिकतम गति 120 से घटाकर 80 किमी घंटा करने का प्रस्ताव भी भेजने की बात कही है। मुख्यमंत्री ने प्रशासन, पुलिस और नगर निकायों के अधिकारियों को आगाह किया है कि जनजीवन, यातायात और निराश्रितों की सुरक्षा में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सड़कों, हाईवे से लेकर एक्सप्रेस-वे तक सुरक्षा इंतजाम चाकचौबंद रखे जाएं। साथ ही, एक्सप्रेस-वे पर पेट्रोलिंग बढ़ाने, ब्लैक स्पॉट पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने, टीमें तैनात करने, क्रेन और एम्बुलेंस को उपलब्ध रखने का निर्देश दिया है।

रेड अलर्ट: 20 तक घना कोहरा

लखनऊ। प्रदेश में 17 से 20 दिसंबर के बीच घने से अत्यंत घने कोहरे और सर्दी को लेकर चेतावनी जारी की गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार पश्चिमी भारत और आसपास में बने एंटी-साइक्लोन तथा ऊपरी वायुमंडल में सक्रिय पश्चिमी जेट स्ट्रीम के प्रभाव से कोहरे की तीव्रता बढ़ी है। विभाग ने बरेली, लखीमपुर खीरी, मुरादाबाद, रामपुर, पीलीभीत, शाहजहांपुर, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, सीतापुर, बाराबंकी, बिजनौर सहित कई जिलों में अत्यंत घना कोहरा और सर्दी की अत्यधिक आशंका जताई है।

मथुरा हादसा : 15 हुई मृतक संख्या

मथुरा। यमुना एक्सप्रेसवे पर मंगलवार तड़के हुए भीषण हादसे में घायल हुए और लोगों की मृत्यु के बाद मृतकों की कुल संख्या 13 से बढ़कर 15 हो गई है। इसके साथ झुलसे शवों में से दो और की पहचान हुई है। बाकी की पहचान के लिए डीएनए जांच की जा रही है। पोस्टमॉर्टम करने वाले चिकित्सकों के एक पैनल के अनुसार पुलिस मुर्दाघर में 10 मृतकों के सिर, दो के धड़ और एक लगभग साबुत शव लेकर आई थी, जबकि बाकी बैग में सिर्फ छोटे, बुरी तरह जले हुए अवशेष थे। चिकित्सकों ने बताया कि सभी शवों के पोस्टमार्टम और डीएनए जांच की प्रक्रिया जारी है।

वाहन चालकों के लिए जारी की गई गाइडलाइन

- धुंध के दौरान वाहन की गति निर्धारित सीमा से कम रखें।
- फॉग लाइट का प्रयोग करें, लो बीम पर हेडलाइट रखें।
- इमरजेंसी इंडिकेटर्स को घने कोहरे के वक्त चालू रखें।
- सड़क पर आगे चल रहे वाहनों से पर्याप्त दूरी बनाए रहें।
- एक्सप्रेस-वे पर बार-बार लेन न बदलें, ओवरटेकिंग न करें।
- रिस्क न लें, वाहनों के पीछे रिफ्लेक्टर टेप जरूर लगवाएं।

ब्रीफ न्यूज

सुबह नौ बजे से खुलेंगे 12वीं तक के सभी स्कूल

लखनऊ। घने कोहरे व शीतलहर को देखते हुए लखनऊ के जिलाधिकारी विशाख ने समस्त बोर्ड की 12वीं तक के सभी स्कूलों को सुबह नौ बजे से खोलने का आदेश जारी किया है। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को इस आदेश का अनुपालन कराने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि आदेश का उल्लंघन करने वाले विद्यालयों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सबरीमला: पूर्व प्रशासनिक अधिकारी गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम। सबरीमला स्थित भगवान अयप्पा मंदिर से सोना गायब होने के मामले की जांच कर रहे एसआईटी ने बुधवार को टीडीबी के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी एस श्रीकुमार को गिरफ्तार कर लिया। श्रीकुमार की गिरफ्तारी केरल हाईकोर्ट की ओर से उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के दो सप्ताह बाद हुई है। हाईकोर्ट ने कहा था कि उन पर लगे आरोप साबित हो चुके हैं।

इंडिगो संकट: याचिका पर सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को उस याचिका पर सुनवाई से इन्कार कर दिया जिसमें केंद्र और इंडिगो विमानन कंपनी को उन सभी यात्रियों को पूरे टिकट मूल्य का चार गुना मुआवजा देने का निर्देश दिए जाने का अनुरोध किया गया था।

दिल्ली में बंद किए जाएं नौ टोल प्लाजा गैर बीएस- 6 वाहनों पर करें कार्रवाई

प्रदूषण पर सुप्रीम निर्देश, 5वीं तक के स्कूल नहीं खुलेंगे, श्रमिकों को देना होगा मुआवजा

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के गंभीर स्तर पर चिंता जताते हुए बुधवार को एनएचएआई और एमसीडी से कहा कि वे राष्ट्रीय राजधानी की सीमा पर स्थित नौ टोल प्लाजा को अस्थाई रूप से बंद करने या शिफ्ट करने पर विचार करें ताकि शहर में यातायात भीड़ में कमी लाई जा सके। शीर्ष कोर्ट ने पांचवीं तक के छात्रों के लिए स्कूल बंद करने के दिल्ली सरकार के निर्देश में दखल देने से इन्कार कर दिया, साथ ही प्रदूषण के कारण बेरोजगार हुए मजदूरों के लिए मुआवजा सीधे उनके खातों में ट्रांसफर करने का निर्देश दिया।

सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इसके साथ 12 अगस्त के अपने अंतरिम आदेश में संशोधन करते हुए उन पुराने वाहनों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की अनुमति दे दी, जो बीएस-6 उत्सर्जन मानकों को पूरा नहीं करते हैं। पुराने आदेश में 10 साल से ज्यादा पुराने डीजल और 15 साल से ज्यादा पुराने पेट्रोल वाहनों के मालिकों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई पर पूर्णतः रोक लगा दी गई थी। पीठ ने दिल्ली के प्रवेश बिंदुओं पर स्थित नौ टोल प्लाजा को अस्थाई रूप से बंद करने या शिफ्ट करने के संबंध में एमसीडी से एक हफ्ते के भीतर निर्णय लेने को कहा ताकि यातायात प्रवाह सुचारु रखने के साथ उत्सर्जन में कमी लाई जा सके। साथ ही, सिर्फ प्रोटोकॉल बनाने के बजाय मौजूदा उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करने की जरूरत पर भी जोर दिया। सीजेआई ने कहा, निवारक उपाय पहले से हैं, लेकिन उनका कार्यान्वयन कमजोर रहा है।

कोर्ट ने प्रदूषण संबंधी प्रतिबंधों से रोजी-रोटी पर पड़ने वाले प्रभाव को देखते हुए दिल्ली सरकार को निर्देश दिया कि वह प्रतिबंधों के कारण बेरोजगार हुए निर्माण श्रमिकों का तत्काल सत्यापन करे और यह सुनिश्चित करे कि वित्तीय सहायता सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की जाए।

दूसरे राज्यों के गैर-बीएस-6 वाहनों के प्रवेश पर भी रोक

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने गुरुवार से 'नो पीयूसी, नो फ्यूल' (प्रदूषण सर्टिफिकेट नहीं तो ईंधन नहीं) नीति को सख्ती से लागू करने के साथ राष्ट्रीय राजधानी में बाहरी राज्यों के उन वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाएगी जो उत्सर्जन संबंधी बीएस-6 मानकों के अनुरूप नहीं हैं। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा के साथ एक बैठक में मौजूद पुलिस अधिकारियों ने बताया कि निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए सीमा बिंदुओं सहित 126 चौकियों पर 580 पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे, जिन्हें 37 प्रखर वैन का सहयोग मिलेगा। परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीमें भी पेट्रोल पंपों और सीमा चौकियों पर तैनात रहेंगी। उधर, केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी राष्ट्रीय राजधानी में निर्माण और विध्वंस कार्यों पर पूरी तरह रोक लगाने के निर्देश जारी किए हैं।

मजदूरों को मिलेगा 10-10 हजार रुपये का मुआवजा

दिल्ली के श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि प्रदूषण से निपटने से संबंधित चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के तीसरे और चौथे चरण से प्रभावित निर्माण मजदूरों को 10-10 हजार रुपये मुआवजा दिया जाएगा। मंत्री ने कहा कि सरकारी तौर पर पंजीकृत श्रमिकों को ही ये लाभ मिलेंगे। इसके लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उधर, सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान पीठ ने श्रमिकों को मुआवजा देने की प्रक्रिया में किसी भी तरह की गड़बड़ी के प्रति आगाह करते हुए कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए कि श्रमिकों के खातों में अंतरित राशि गायब हो जाए या किसी अन्य खाते में चली जाए।

आज से 50 फीसदी कर्मचारी घर से करेंगे काम

दिल्ली के श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में सभी सरकारी और निजी संस्थानों के लिए गुरुवार से 50 प्रतिशत 'वर्क-फ्रॉम-होम' सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए। ये निर्देश अस्पतालों, अग्निशमन सेवा, जेल प्रशासन, निजी परिवहन, बिजली और पानी विभागों, आपदा प्रबंधन और पर्यावरण विभाग सहित जरूरी सेवाओं पर लागू नहीं होगा। इससे पहले, दिल्ली सरकार ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन समिति (सीएक्यूएम) की सिफारिश पर नौवीं और ग्यारहवीं तक के छात्रों के लिए शहर भर के स्कूलों को 'हाइब्रिड मोड' में बदलने और पांचवीं तक के छात्रों के लिए पूरी तरह ऑनलाइन पढ़ाई की भी घोषणा की थी।

यदि अतीत में उलझी रहेगी तो आगे नहीं बढ़ेगी दुनिया : मोदी

अदीस अबाबा, एजेंसी

- प्रधानमंत्री मोदी ने इथियोपियाई संसद के संयुक्त सत्र को किया संबोधित
- कहा- दोनों देश शांति, सुरक्षा, कनेक्टिविटी के मामले में प्राकृतिक साझीदार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को इथियोपियाई संसद को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और इथियोपिया क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और कनेक्टिविटी के मामले में प्राकृतिक साझीदार हैं। मोदी ने जोर दिया कि दोनों देश एक ऐसी दुनिया के लिए कार्यरत हैं जो अधिक न्यायपूर्ण, अधिक समानता मूलक और अधिक शांतिपूर्ण हो। उन्होंने कहा, अगर वैश्विक प्रणालियां अतीत में उलझी रहेंगी तो दुनिया आगे नहीं बढ़ सकती। मोदी अपनी पहली द्विपक्षीय यात्रा पर मंगलवार को इथियोपिया पहुंचे थे। इथियोपिया विश्व की 18वीं संसद है जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने संबोधित किया।

मोदी ने इथियोपियाई संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा, शेरों की भूमि इथियोपिया में आकर उन्हें बहुत खुशी हो रही है। उन्हें यहां घर जैसा महसूस हो रहा है क्योंकि उनका गृह राज्य गुजरात भी शेरों की भूमि है। प्रधानमंत्री ने कहा, इथियोपिया अफ्रीका के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र और भारत हिंद महासागर के केंद्र में स्थित है। हम क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और कनेक्टिविटी में प्राकृतिक साझीदार हैं। प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान सांसदों ने 50 से अधिक बार तालियां बजाईं। मोदी ने कहा, इस वर्ष की शुरुआत में रक्षा सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर के साथ आपसी सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और मजबूत हुई है। यह समझौता घनिष्ठ सैन्य सहयोग पर केंद्रित है। इसमें साइबर सुरक्षा, रक्षा उद्योगों, संयुक्त अनुसंधान और क्षमता निर्माण में सहयोग शामिल है।

भारतीय कंपनियां इथियोपिया में सबसे बड़ी निवेशक

मोदी ने कहा कि भारतीय कंपनियां इथियोपिया में सबसे बड़े निवेशकों में शामिल हैं। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में पांच अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है और 75,000 से ज्यादा रोजगार सृजित किए हैं। उन्होंने इथियोपिया के विकास में हजारों भारतीय शिक्षकों के योगदान का भी जिक्र किया। उन्होंने घोषणा की कि भारत और इथियोपिया ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि विकासशील देशों के रूप में, भारत और इथियोपिया एक-दूसरे से बहुत कुछ सीख सकते हैं और एक-दूसरे को बहुत कुछ दे सकते हैं।

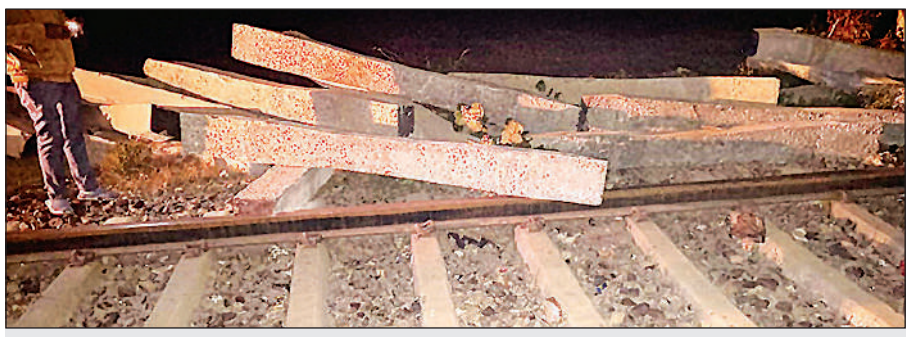

उन्नाव में पटरी पर सीमेंटेड स्लीपर रखने से हड़कंप, 27 मिनट खड़ी रही तेजस

शुक्लागंज (उन्नाव)। कानपुर-लखनऊ रेल मार्ग पर बुधवार रात नौ बजे मगरवारा स्टेशन के पास डाउन लाइन पर किसी अराजक तत्व ने सीमेंटेड स्लीपर रख दिया। इसी दौरान नई दिल्ली से लखनऊ की ओर जा रही तेजस एक्सप्रेस गंगाघाट रेलवे स्टेशन पहुंची। कंट्रोल से सूचना मिलने के बाद स्टेशन मास्टर ने एहतियातन ट्रेन को आगे बढ़ने का सिग्नल नहीं दिया और तेजस को डाउन की लूप लाइन पर रोक दिया गया। अचानक ट्रेन रुकने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही मगरवारा स्टेशन पर जीआरपी, आरपीएफ और रेलवे के अधिकारी पहुंचे। सीमेंटेड स्लीपर को तत्काल हटवाया। ट्रैक का गहन निरीक्षण किया। तब ट्रैक सुचारू हुआ।

बीमा क्षेत्र में अब शत-प्रतिशत एफडीआई

- सबका बीमा सबकी रक्षा विधेयक को मिली संसद की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। बीमा क्षेत्र में शत-प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रावधान करने वाले 'सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा कानूनों में संशोधन) विधेयक, 2025' को बुधवार को संसद की मंजूरी मिल गई। राज्यसभा ने विधेयक पर चर्चा और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के जवाब के बाद बुधवार को विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा इसे मंगलवार 16 दिसंबर को ही पारित कर चुकी थी। वित्त मंत्री ने कहा कि शत-प्रतिशत एफडीआई की अनुमति देने से विदेशी कंपनियों के लिए भारत में आना आसान होगा और उन्हें स्थानीय भागीदार खोजने की जरूरत नहीं होगी। इससे देश में बीमा कवरेज बढ़ेगा, प्रीमियम में कमी आएगी।

ये होंगे बीमा क्षेत्र में प्रमुख बदलाव

- शत-प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति देने के साथ पहली बार प्रावधान किया गया है कि एक बीमा कंपनी का गैर-बीमा कंपनी के साथ विलय किया जा सकता है या उसे बीमा तथा गैर-बीमा कंपनियों में बांटा जा सकता है। इसके लिए बीमा नियामक से अनुमति लेनी होगी।
- पांच प्रतिशत से कम के हिस्सेदारी स्थानांतरण के लिए पूर्वानुमति की जरूरत नहीं होगी। सभी बीमा कंपनियों और बिचौलियों के लिए अपने नाम में ''बीमा'' शब्द रखना अनिवार्य होगा। नियमों के उल्लंघन पर अधिकतम जुर्माना एक करोड़ रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये कर दिया गया है।
- अब बीमा कंपनियों और बिचौलियों के लिए जुर्माने के नियम एक समान कर दिए गए हैं। पहले जहां गड़बड़ी पाये जाने पर बिचौलियों का लाइसेंस सीधे रद्द कर दिया जाता था, अब लाइसेंस निलंबित करने का प्रावधान किया गया है ताकि उन्हें सुधार करने का मौका दिया जा सके।

पूर्व डीजीपी प्रशांत कुमार शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व डीजीपी प्रशांत कुमार को उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है। आयोग के माध्यम से प्रदेश में माध्यमिक और उच्च शिक्षा स्तर पर शिक्षकों की भर्ती की जानी है।

वर्ष 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी प्रशांत इसी वर्ष मई में सेवानिवृत्त हुए थे। रिटायरमेंट के बाद योगी सरकार ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। वह करीब डेढ़ साल तक प्रदेश के कार्यवाहक डीजीपी रहे और मुख्यमंत्री के सबसे भरोसेमंद अधिकारियों में उनकी गिनती होती रही है। प्रशांत कुमार मूल रूप से बिहार के सीवान जिले के निवासी हैं।

मजदूरों को कुचलते हुए झोपड़ी में घुसी कार

संवाददाता, आशियाना (लखनऊ)

- चालक कार छोड़कर फरार, पुलिस ने घायलों को पहुंचाया अस्पताल, एक मजदूर की हालत नाजुक

अमृत विचार: एलडीए कॉलोनी सेक्टर-एच में बुधवार शाम एक दर्दनाक हादसे ने मजदूरों की मामूली गृहस्थी को पलभर में तबाही में बदल दिया। शाम करीब साढ़े छह बजे आग ताप रहे तीन मजदूरों बेकाबू कार कुचलते हुए झोपड़ी में जा घुसी। हादसे के बाद वहां चीख-पुकार मच गयी। घटना की सूचना पर आशियाना पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां एक की हालत नाजुक है।

सेक्टर-एच में एक निजी कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य चल रहा है। उसी के बाहरी हिस्से में छत्तीसगढ़ के मजदूर परिवारों के साथ कच्ची झोपड़ियां बनाकर रह रहे हैं। बुधवार शाम दुकान संचालक धर्मेंद्र की झोपड़ी के पास तीन मजदूर आग जलाकर ताप रहे थे। तभी मोड़ से आई बेकाबू कार मजदूरों को कुचलते हुए झोपड़ी में जा घुसी। हादसे के बाद कार सवार वाहन छोड़कर फरार हो गए। एंबुलेंस व निजी वाहनों से घायलों को लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया। सूचना पर पहुंची आशियाना पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। हादसे में राधेश्याम साहू (35), दिलीप कुमार और जयपाल उर्फ दोकलू (35) घायल हुए हैं।

समारोह | पीएसी के स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया आह्वान

साहस-कर्तव्यनिष्ठा को अपनी पहचान बनाएं पीएसी के जवान

- सम्मान और सुविधाओं व संसाधनों निरंतर वृद्धि का दिलाया भरोसा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएसी के जवानों से अपील की कि साहस, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, व्यावसायिक दक्षता व कठिन प्रशिक्षण ही उनकी पहचान बननी चाहिए। उन्होंने सरकार की ओर से उन्हें आश्वस्त किया उनके सम्मान व सरकार के स्तर पर मिलने वाली सुविधा-संसाधन में निरंतर वृद्धि होती रहेगी।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को यूपी पीएसी के स्थापना दिवस समारोह-2025 की शुरुआत करते हुए कहा कि पीएसी बल का 78 वर्ष का इतिहास अनुशासन, शौर्य, त्याग व समर्पण का रहा है। उन्होंने पीएसी की ओर से आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन व अवलोकन किया। सीएम ने कहा कि यूपी में पीएसी बल आंतरिक सुरक्षा, कानून व्यवस्था, आपदा प्रबंधन, प्रदेश में महत्वपूर्ण त्योहारों, अतिविशिष्ट महानुभावों के आगमन, लोकतंत्र के महापर्व चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से सुनिश्चित करने के साथ संवेदनशील परिस्थितियों में अग्रिम मोर्चे पर कार्य करता है। पीएसी के अधिकारी व कार्मिक विभिन्न आयामों के माध्यम से न सिर्फ यूपी, बल्कि देश के अंदर यूपी पीएसी बल, एसएसएफ, यातायात पुलिस, प्रतिसार निरीक्षक ड्यूटी, प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षक, एटीएस व एसटीएफ कमांडो के रूप में सेवाएं प्रदान कर कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं।

समारोह में पीएसी की एक अधिकारी को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी।

पीएसी के साहसिक कारनामों का किया जिक्र

सीएम योगी ने पीएसी बल के अदम्य साहस की भी चर्चा की। बताया कि 30वीं वाहिनी पीएसी के जवानों ने 13 दिसंबर 2001 को संसद पर हुए आतंकी हमले का जवाब दिया और पांचों आतंकवादियों को मुठभेड़ में मार गिराया था। जुलाई 2005 में श्रीराम जन्मभूमि परिसर अयोध्या में आतंकी हमले के दौरान सीआरपीएफ, पीएसी और यूपी पुलिस की संयुक्त टीम ने सभी आतंकियों को मार गिराया गया था। कहा, यूपी के अंदर आत्मविश्वास का प्रमुख कारण कानून का राज है जो सुरक्षा के बेहतर माहौल में ही सुशासन की गारंटी दे सकता है।

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 18 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

वेलनेस सेंटर के लिए निविदाएं आमंत्रित

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद बागपत में अंतरराष्ट्रीय योग केंद्र एवं वेलनेस सेंटर की स्थापना की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसके लिए उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने इच्छुक निवेशकों से निविदाएं आमंत्रित की हैं। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। 1पर्यटन मंत्री ने बुधवार को बताया कि बागपत में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय योग केंद्र भारतीय योग, साधना और वेलनेस परंपरा को वैश्विक मंच प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि यह परियोजना पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर विकसित की जाएगी। यह परियोजना बागपत के हरिया खुर्द (पुरा महादेव) क्षेत्र में 70 .885 हेक्टेयर भूमि पर विकसित की जाएगी। प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने बताया कि वेलनेस सेंटर के लिए निविदा 15 दिसंबर 2025 को जारी की गई है, जबकि प्री-बिड बैठक 24 दिसंबर को वर्चुअल माध्यम से होगी। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 21 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है।

गोरखनाथ रोड पर कल नए ओवरब्रिज का लोकार्पण

अमृत विचार, लखनऊ/गोरखपुर : गोरखपुर में यातायात सुगमता के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों बड़ी सौगात मिलने जा रही है। नाथपंथ के विश्व विख्यात गोरखनाथ मंदिर और सोनौली मार्ग होते हुए नेपाल तक की कनेक्टिविटी वाले धर्मशाला-गोरखनाथ मंदिर मार्ग पर नए गोरखनाथ ओवरब्रिज का निर्माण कार्य पूरा गया है। इस नवनिर्मित ओवरब्रिज का लोकार्पण मुख्यमंत्री शुक्रवार (19 दिसंबर) को करेंगे। इसके निर्माण पर 137 .83 करोड़ रुपये की लागत आई है। कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश सेतु निगम के महाप्रबंधक मिथिलेश कुमार के अनुसार दो लेन के नए ओवरब्रिज की कुल लंबाई 600 .653 मीटर और चौड़ाई 7 .50 मीटर है। इसमें रेलवे भाग की लंबाई 76 मीटर है। गोरखनाथ मंदिर मार्ग शहर के व्यस्ततम मार्गों में से एक है। नए ओवरब्रिज पर आवागमन शुरू होते ही गोरखनाथ की तरफ आने वाले वाहनों को पुराने ओवरब्रिज पर नहीं जाना होगा।

अब तक 13.87 लाख बच्चों का टीकाकरण

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में नियमित टीकाकरण से वंचित रह गए बच्चों को पुन: टीकाकरण से जोड़ने के उद्देश्य से 1 दिसंबर से विशेष 'टीका उत्सव' अभियान शुरू किया गया है, जो पूरे दिसंबर तक चलेगा। इस अभियान का उद्देश्य जीरो डोज सहित पेंटा-1 और मीजल्स-रूबेला (एमआर) की छूटी खुराकों को समय पर पूरा करना है। राज्य प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. अजय गुप्ता ने बताया कि अभियान के तहत 1 वर्ष तक आयु वर्ग के 16 .58 लाख बच्चों के टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के शुरुआती चार सत्र दिवसों में अब तक 13 .87 लाख बच्चों का टीकाकरण किया जा चुका है। इनमें 2 .32 लाख को पेंटा-1, 2 .46 लाख को ओपीवी-1, 2 .21 लाख को एमआर-1 तथा 2 .20 लाख बच्चों को एमआर-2 का टीका लगाया गया है। डॉ. अजय ने बताया कि सभी टीकाकरण सत्रों में यू-विन पोर्टल पर पंजीकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। अधिक जानकारी के लिए नि:शुल्क टोल-फ्री हेल्पलाइन 104 पर कॉल करने या नजदीकी आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता या स्वास्थ्य उपकेंद्र से संपर्क करने की अपील की गई है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार, लखनऊ : सपा ने प्रदेश में मतदाता सूची में अनियमितताओं के आरोपों के क्रम में बुधवार को फिर राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने ज्ञापन के जरिए मैनपुरी, अयोध्या और बस्ती में मतदाता सूची की गड़बड़ियों के तत्काल सुधार और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। सपा प्रदेश अध्यक्ष ने ज्ञापन में अवगत कराया कि मैनपुरी के करहल विधानसभा क्षेत्र के कई मतदेय स्थलों पर वर्ष 2003 की मतदाता सूची गलत तरीके से अपलोड कर दी गई है। इसके कारण बीएलओ द्वारा मतदाताओं की मैपिंग नहीं हो पा रही है। साथ ही कहा कि लगातार शिकायतों के बावजूद जिला निर्वाचन अधिकारी और ईआरओ द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। ज्ञापन में कहा गया है कि इस लापरवाही के चलते वैध मतदाताओं को 'कैटेगरी-सी' में डालकर अनावश्यक नोटिस भेजे जा सकते हैं, जिससे उन्हें दस्तावेजी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। सपा ने इस मामले में जिम्मेदारी तय करते हुए दोषी अधिकारियों को दंडित करने की मांग की है। इसी तरह अयोध्या सदर विधानसभा क्षेत्र के भी मतदेय स्थल संख्या-54 पर भी वर्ष 2003 की गलत मतदाता सूची अपलोड है। वहीं, बस्ती में एएसडी सूची की बिना समुचित जांच के अपलोडिंग किए जाने की शिकायत की गई है।

आईटीआई अलीगंज में रोजगार मेला 19 को

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 15 कंपनियां देंगी 1000 से अधिक नौकरियां

अमृत विचार : प्रदेश सरकार की युवोन्मुखी नीतियों और जीरो पावर्टी अभियान को धरातल पर उतारते हुए 19 दिसंबर 2025 को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) अलीगंज में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले में विभिन्न क्षेत्रों की 15 प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी, जिनके यहां 1000 से अधिक रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी।

यह जानकारी व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि नौकरियों के लिए आईटीआई, डिप्लोमा, हाईस्कूल, इंटरमीडिएट एवं स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थी पात्र होंगे। चयनित अभ्यर्थियों को 10 हजार से 25 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन के साथ ईएसआई, पीएफ, कैंटीन और परिवहन जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

आईटीआई अलीगंज के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी एमए खान ने बताया कि कंपनियों से संबंधित सभी विवरण पहले ही जारी कर दिए गए हैं।

योगी ने परखी समारोह की तैयारी, 25 को पीएम करेंगे उद्घाटन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राष्ट्र प्रेरणा स्थल में डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी पं. दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेई की प्रतिमा का अनावरण करेंगे पीएम मोदी

अमृत विचार: राष्ट्रीय प्रेरणा के प्रतीक राष्ट्र नायकों को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेई को समर्पित राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 दिसंबर को करेंगे। इससे पहले बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्र प्रेरणा स्थल का दौरा कर समारोह की तैयरियों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने उद्घाटन समारोह के लिए हो रही तैयारियों, पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्था के बारे में संज्ञान लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। मुख्यमंत्री के निरीक्षण के दौरान एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार, लखनऊ के कमिश्नर विजय विश्वास पंत और सुरक्षा व्यवस्था देख रहे पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के निरीक्षण के दौरान एलडीए वीसी ने उद्घाटन समारोह की सभी गतिविधियों से भी अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि उद्घाटन समारोह के दिन प्रधानमंत्री सबसे पहले राष्ट्र नायकों की प्रतिमाओं का अनावरण कर, श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। इस अवसर पर राष्ट्रीयता की भावना के संचार के लिए ट्राइ कलर बैलून छोड़े जाएंगे। प्रतिमा अनावरण के बाद प्रधानमंत्री प्रेरणा स्थल में राष्ट्र नायकों को समर्पित म्युजियम का उद्घाटन करेंगे।

यहां पीएम गैलरियों और कोर्टयार्ड का अवलोकन भी करेंगे। पहली गैलरी के ओरियेंटेशन रूम में वीडियो और एवी के माध्यम से राष्ट्र नायकों के संक्षिप्त जीवन परिचय को दिखाया जाएगा।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल का दौरा कर समारोह की तैयारी का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी, साथ में अधिकारीगण।

पीएसी के जवानों के प्रदर्शन में दिखी राष्ट्रभक्ति

यूपी-पीएसी के संस्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री योगी के हाथों प्रतिभाओं को मिला सम्मान

लखनऊ : सर्वोत्तम खिलाड़ी मुख्य आरक्षी किशन कुमार मिश्र को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी, साथ में अन्य पीएसी अधिकारी।

कार्यक्रम के दौरान अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते पीएसी जवान।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: यूपीपीएसी के संस्थापना दिवस पर 35वीं वाहिनी पीएसी परिसर, महानगर में हुए समारोह में पीएसी के जवानों-खिलाड़ियों ने हैरत अंगेज प्रदर्शन कर सभी की वाहवाही लूटी। यहां खिलाड़ियों, जवानों के प्रदर्शन में अनुशासन, खेल व राष्ट्रभक्ति का अद्भुत संगम दिखा। सबसे पहले 44 खिलाड़ियों की टीम ने मलखंभ पर शानदार प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन के जरिए यातायात नियमों के प्रति भी जागरूक किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सर्वोत्तम वाहिनी, सर्वोत्तम बाढ़ राहत दल, उत्कृष्ट खिलाड़ी, बेस्ट पुलिस मॉडर्न स्कूल और शीर्ष मेधावी छात्र-छात्राओं को भी पुरस्कृत किया।

ये हुए सम्मानित

- उत्तम वाहिनी-32 वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ (सेनानायक- प्राची सिंह ने ग्रहण किया पुरस्कार)
- अतिउत्तम वाहिनी- 39वीं वाहिनी पीएसी मीरजापुर (सेनानायक नेपाल सिंह ने ग्रहण किया पुरस्कार)
- सर्वोत्तम वाहिनी- 47वीं वाहिनी पीएसी गाजियाबाद (सेनानायक चारू निगम ने पुरस्कार प्राप्त किया)
- अति उत्तम प्लाटून ड्रिल- 36वीं वाहिनी पीएसी (अनिल कुमार पांडेय ने लिया पुरस्कार)
- सर्वोत्तम प्लाटून ड्रिल- 37वीं वाहिनी पीएसी (सेनानायक बजरंग बली ने प्राप्त किया पुरस्कार)
- अति उत्तम डिमांस्ट्रेशन- 36वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी (सेनानायक डॉ. अनिल कुमार पांडेय ने लिया)
- सर्वोत्तम डिमास्ट्रेशन ट्रॉफी- 41वीं वाहिनी पीएसी गाजियाबाद (सेनानायक-दिनेश यादव ने ट्रॉफी प्राप्त की)
- श्रेष्ठ बाढ़ राहत दल- 36वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी (डॉ. अनिल कुमार पांडेयश्रेष्ठ कार्य- 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी के दलनायक सुधीर कुमार सिंह
- सर्वश्रेष्ठ कार्य- 23वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद के मुख्य आरक्षी जितेंद्र सिंह राणा, आरक्षी आकिल अंसारी व कृष्ण कुमार को संयुक्त रूप से नकद पुरस्कार दिया गया।
- सर्वोत्तम खिलाड़ी- मुख्य आरक्षी किशन कुमार मिश्र (25वीं वाहिनी पीएसी रायबरेली)
- अखिल भारतीय भारोत्तोलन कलस्टर प्रतियोगिता में तीन स्वर्ण पदक हासिल किया।
- पीएमएस (पुलिस मॉडर्न स्कूल) की बेस्ट परफॉर्मेंस ट्रॉफी (मिडिल सेकेंड्री स्कूल) बहराइच को मिली। पुरस्कार प्रिंसिपल निशा सिंह ने प्राप्त किया। 31 विद्यालयों की यह प्रतियोगिता पहली बार आयोजित हुई।
- सीनियर सेकेंड्री वर्ग में पुलिस मॉडर्न स्कूल डॉ. भीमराव आंबेडकर एकेडमी मुरादाबाद की प्रिंसिपल डॉ. सीमा सिंह ने प्राप्त किया।
- मेधावी छात्र- साक्षी सेमल व शुभ्रा सक्सेना को नकद पुरस्कार (दोनों ने 2025 में इंटरमीडिएट में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया)
- आदर्श तिवारी (2024 में इंटरमीडिएट परीक्षा में शानदार प्रदर्शन)

:मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जवानों की प्रस्तुति देखी और अपने संबोधन में सभी की प्रशंसा करते हुए उनका हौसला बढ़ाया। सीएम ने कहा कि यूपी पुलिस के गार्ड ऑफ ऑनर, पीएसी बल की पहचान मलखंभ, जिम्नास्टिक, वेपन्स ड्रिल, पीटी डिस्प्ले, बैंड प्रदर्शन को देखा। पीएसी जवानों द्वारा वंदे मातरम का धुन प्रस्तुत किया गया। इस गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सार्वजनिक स्थलों पर पीएसी के बैंड ने राष्ट्रभक्ति की भावना को जागृत करने के लिए जो अभिनव पहल प्रारंभ किया है, वह सराहनीय है।

काशी आने वाले पर्यटकों की संख्या ने बनाया कीर्तिमान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/वाराणसी

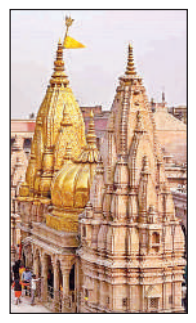

अमृत विचार : ब्रांड बनारस अब विश्व भर के पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन चुका है। वाराणसी देश के उन शहरों में शामिल हो गया है, जहां तेजी से पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हो रही है। अपनी मौलिक पहचान को बरकरार रखते हुए आधुनिक होती काशी की बदलती हुई हुई छवि ने दुनिया भर के सैलानियों को बनारस की ओर खींचा है।

पर्यटकों की संख्या का कीर्तिमान स्थापित होने के साथ ही पर्यटन उद्योग व काशी की आर्थिकी में भी सकारात्मक असर दिख रही है। वर्ष 2014 से वर्ष 2025 (सितंबर तक) तक 12 वर्षों में 45,44,82,662 (पैंतालीस करोड़ चौवालीस लाख बयासी हजार छः सौ बासठ) भारतीय और विदेशी काशी पर्यटकों ने काशी का भ्रमण किया है।

पर्यटन विभाग के अनुसार, 2014 के मुकाबले 2025 में भारतीय और विदेशी पर्यटकों की संख्या में लगभग 14,64,26,158 (चौदह करोड़ चौंसठ लाख छब्बीस हजार एक सौ अट्ठावन) से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है, जो अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। 2014 से 2025 तक 12 वर्षों में भारतीय पर्यटकों की संख्या 45,16,09,026 और विदेशी पर्यटकों की संख्या 28,73,636 है।

घने कोहरे के साथ पड़ेगी कड़ाके की सर्दी

अमृत विचार, लखनऊ : मौसम की दोहरी मार आमजन को पड़ रही है। प्रदेश में घने कोहरे के साथ कड़ाके की सर्दी पड़ने लगी है। मौसम विभाग ने 20 जिलों में घने कोहरे का रेड अलर्ट जारी किया है। साथ ही इन इलाकों में संभावित कोल्ड-डे भी चेतावनी दी गई है। राज्य में 20 दिसंबर तक ऐसा ही मौसम रहने की संभावना है।

लखनऊ समेत, बरेली, गोरखपुर, कुशीनगर, कानपुर में बुधवार को घने कोहरे की वजह से दृश्यता शून्य रही। वहीं बहराइच, हरदोई, शाहजहांपुर आदि में दृश्यता 30 मीटर तक सिमट गई। प्रदेश के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान में 5 से 6 डिग्री, जबकि कुछ स्थानों पर 8 से 10 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई। ज्यादातर हिस्से में घने कोहरे के साथ चुभती हुई ठंडी पछुआ हवाएं चलीं और दिन के पारे में भारी गिरावट दर्ज की गई।

इन जिलों में होगा घने कोहरे संग कोल्ड-डे : बरेली, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, पीलीभीत, शाहजहांपुर, गोरखपुर, देवरिया, संत कबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर और बाराबंकी।

कानपुर से आए विद्यार्थियों के साथ विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना।

विद्यार्थियों ने किया विधानसभा का शैक्षणिक भ्रमण

अमृत विचार, लखनऊ : विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने विधान सभा का शैक्षणिक भ्रमण करने आए विद्यार्थियों को सत्र के दौरान प्रश्नकाल, शून्यकाल, समितियों की भूमिका और कानून निर्माण की प्रक्रिया को सरल शब्दों में समझाया। विधानसभा अध्यक्ष गुरुवार को भ्रमण पर आए बीएसएस एजुकेशन सेंटर, कानपुर के छात्र-छात्राओं के एक दल के साथ संवाद कर रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, संवैधानिक मर्यादाओं और जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया।

खादी प्रदर्शनी-2025 का उद्घाटन आज

अमृत विचार, लखनऊ: उप्र. खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, लखनऊ खादी प्रदर्शनी-2025 का उद्घाटन 18 दिसंबर को होगा। मंडल स्तरीय खादी प्रदर्शनी का उद्घाटन दोपहर वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप ये प्रदर्शनी प्रदेश में खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों की विविधता को प्रदर्शित करेगी, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के लखनऊ परिसर, गोमती नगर में होगा। यह प्रदर्शनी 28 दिसंबर तक केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के लखनऊ परिसर, गोमती नगर में चलेगी। खादी प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य मंडल स्तर के खादी एवं ग्रामोद्योग के कारीगरों और उनके उत्पादों को मंच प्रदान करना है। जहां पर खादी वस्त्र, हस्तशिल्प, चमड़े के सामान, मिट्टी के बर्तन, बांस की कलाकृतियां और जैविक उत्पादों को एक छत के नीचे प्रदर्शनी एवं बिक्री का स्थल उपलब्ध कराएगा।

ग्रामीण महिलाएं बनेंगी बिजनेस वूमन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- इंटरनेशनल एक्सपर्ट देंगे बिजनेस स्किल, टेक्नोलॉजी और मार्केट के बीच तालमेल का प्रशिक्षण
- जीविकोपार्जन केंद्रित प्रौद्योगिकियों से आत्मनिर्भर बनाने की तैयारी

अमृत विचार: प्रदेश में ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर और आधुनिक उद्यमी बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया जा रहा है। महिला नेतृत्व वाली उद्यमिता को मजबूती देने की मंशा से राजधानी लखनऊ में प्रदेश के हर जिले से महिला उद्यमी एक मंच पर जुटेंगी और देश-विदेश के विशेषज्ञों से सीखेंगी। महिला-नेतृत्व वाले उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए 18 दिसंबर को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में राज्य-स्तरीय आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रदेश के हर जिले से महिला उद्यमी भाग लेंगी।

कार्यक्रम में बाजार-तैयार तकनीकों, संस्थागत सहयोग और फाइनेंस तक आसान पहुंच पर विशेष सत्र आयोजित होंगे। योगी सरकार के इस प्रयास से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं आत्मविश्वास के साथ उद्यमिता की दुनिया में कदम रखेंगी और गांव की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। यह पहल प्रदेश में महिला सशक्तिकरण और समावेशी विकास की एक मजबूत मिसाल बनने जा रही है।

योगी सरकार के विजन के अनुरूप ग्रामीण महिलाओं को पारंपरिक आजीविका से आगे बढ़ाकर आधुनिक बिजनेस मॉडल से जोड़ने पर विशेष फोकस किया जा रहा है। महिलाओं को तकनीक, बाजार और फाइनेंस के बीच तालमेल बैठाने की व्यावहारिक ट्रेनिंग दी जाएगी, ताकि वे अपने उत्पादों को स्थानीय सीमाओं से निकालकर बड़े बाजार तक पहुंचा सकें।

> उत्तर प्रदेश की महिला उद्यमी अब राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बना रही हैं। आने वाले समय में ग्रामीण महिलाएं केवल कामगार नहीं, बल्कि सफल बिजनेस वूमन के रूप में उभरेंगी।
>
> – दीपा रंजन, निदेशक ग्रामीण आजीविका मिशन

राज्य सरकार ऐसी तकनीकों और नवाचारों को प्राथमिकता दे रही है, जो सीधे महिलाओं की आय बढ़ाने और स्थायी आजीविका सुनिश्चित करने में सहायक हों। सरकार, तकनीकी संस्थानों, वित्तीय एजेंसियों और समुदाय-आधारित संगठनों के समन्वय से महिला उद्यमियों के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम तैयार किया जा रहा है।

डिजिटल क्रांति | ई-बुक्स, वीडियो, ऑडियो लेक्चर और क्विज के जरिए तैयार किए जाएंगे युवा

गांवों में होगी सिविल सर्विसेज की तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- हर लाइब्रेरी को हाइटेक बनाने के लिए 1.30 लाख रुपये के आईटी उपकरण और 70 हजार के फर्नीचर खरीदे जाएंगे
- पहले चरण में 11350 पंचायतों में चार लाख रुपये प्रति लाइब्रेरी के हिसाब से होगा खर्च
- दो लाख रुपये की किताबों में रहेंगे 20 हजार डिजिटल कंटेंट

अमृत विचार : राज्य सरकार ने प्रदेश के ग्रामीण युवाओं को आधुनिक शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी का अवसर देने को खास पहल की है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर पहले चरण में प्रदेश की 11,350 ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित की जा रही है, जिससे गांव के छात्र अब शहरों पर निर्भर हुए बिना सिविल सर्विसेज सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे।

हर डिजिटल लाइब्रेरी पर 4 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इसमें 2 लाख रुपये की पुस्तकों की व्यवस्था होगी, जबकि 1.30 लाख रुपये के आईटी इक्यूपमेंट और 70 हजार रुपये के आधुनिक फर्नीचर लिए जाएंगे। लाइब्रेरी में ई-बुक्स, वीडियो लेक्चर, ऑडियो कंटेंट, क्विज और करीब 20 हजार डिजिटल शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध रहेगी।

पंचायतीराज निदेशक अमित कुमार सिंह ने बताया कि सभी जिलों की ग्राम पंचायतों में चरणबद्ध तरीके से डिजिटल लाइब्रेरी खोली जाएंगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का स्तर सुधरेगा और युवा रोजगार के लिए अधिक सक्षम बन सकेंगे। डिजिटल लाइब्रेरी का प्रबंधन ग्राम प्रधान और सचिव करेंगे, जबकि सहायक अधिकारी इसकी नियमित देखरेख करेंगे।

पुस्तकों का चयन करने वाले 35 जिले

इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत 35 जिलों में पुस्तकों का चयन पूरा कर लिया गया है। राजधानी लखनऊ समेत इन जिलों की ग्राम पंचायतों में जल्द ही डिजिटल लाइब्रेरी शुरू होंगी। इसके तहत अमरोहा, आजमगढ़, बांदा, बलिया, बागपत, बदायूं, बरेली, बिजनौर, चित्रकूट, एटा, फतेहपुर, फर्रुखाबाद, फिरोजाबाद, गाजियाबाद, गाजीपुर, हरदोई, हापुड़, जालौन, कानपुर देहात, कन्नौज, कौशांबी, कासगंज, लखनऊ, मऊ, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, प्रतापगढ़, प्रयागराज, रायबरेली, संभल, शामली, सिद्धार्थनगर, श्रावस्ती, सुल्तानपुर, सीतापुर जिले शामिल हैं।

सेंटर फॉर इफेक्टिव गवर्नेंस ऑफ इंडियन स्टेट्स के साथ समझौते के कागज दिखाते अधिकारी, कार्यक्रम में उपस्थित वित्त मंत्री सुरेश खन्ना।

शासन सुधारों के लिए डेटा आधारित पांच वर्षीय समझौता

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने बुधवार को सेंटर फॉर इफेक्टिव गवर्नेंस ऑफ इंडियन स्टेट्स के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये। इस पांच वर्षीय साझेदारी का उद्देश्य तकनीकी और रणनीतिक सहायता के माध्यम से राज्य के वित्त और योजना विभागों को सुदृढ़ करना है। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना की मौजूदगी में इस समझौता ज्ञापन पर उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से दीपक कुमार, आईएएस (अपर मुख्य सचिव, वित्त) और आलोक कुमार, आईएएस (प्रमुख सचिव, योजना) ने तथा सीईजीआईएस की ओर से विजय पिंगले, सीईओ ने हस्ताक्षर किए।

न्यूज ब्रीफ

ओवरलोडिंग में ट्रक व दो ट्रैक्टर सीज

अमृत विचार, माल : थाना क्षेत्र में बुधवार को यातायात नियमों के उल्लंघन के खिलाफ माल पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। इस दौरान ईंटों से लदे मानक विपरीत एक ट्रक और दो ट्रैक्टर को सीज कर दिया। पुलिस के अनुसार उक्त वाहन ओवरलोड थे और निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन नहीं कर रहे थे। इंस्पेक्टर नवाब अहमद ने नियमों का उल्लंघन करने वाले अन्य वाहनों के विरुद्ध भी कार्रवाई करते हुए कई ई-चालान जारी किए। इसके साथ ही एक मोटरसाइकिल को भी आवश्यक दस्तावेजों के अभाव में सीज किया गया।

शराब पिलाकर युवक को डंडे से पीटा, दी धमकी

अमृत विचार, माल : थाना क्षेत्र में दबंगों ने शराब पिलाने के बाद एक युवक को बेरहमी से पीटा। पत्नी बचाने पहुंची तो गाली-गलौज करते हुए मारपीट पर उतारू हो गए। यही नहीं आरोपियों ने पति को घायल हालत में बसहरी गांव में फेंक दिया। पुलिस ने चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। ग्राम बनेवापुरवा निवासी प्रियंका पत्नी प्रमोद पासी ने बताया कि 10 दिसंबर को आरोपी उनके पति प्रमोद को बहाने से बुलाकर अपने साथ ले गए और अधिक शराब पिलाई। कुछ समय बाद प्रमोद घर लौट आए। शाम को आरोपी दोबारा उनके घर पहुंचे और जबरन प्रमोद को उठा ले गए। आरोप है कि आरोपी राजेश यादव, अशोक यादव, विनीत यादव और विशाल पुत्र पप्पू उर्फ रामकेशन यादव ने प्रमोद को घर में डंडे से बेरहमी से पीटा। पीड़िता पति को बचाने पहुंची तो आरोपियों ने उनके साथ भी जातिसूचक गाली-गलौज की और मारपीट पर आमादा हो गए। इसके बाद आरोपियों ने प्रमोद को गाड़ी में डालकर बसहरी गांव में फेंक दिया।

पुलिया से टकराई बाइक, तीन घायल

अमृत विचार, उन्नाव : नई दिल्ली के मुकुल बिहार निवासी अनूप (24) पुत्र मोहनलाल बुधवार सुबह बाइक से फतेहपुर चौरासी थानाक्षेत्र के ऊगू कस्बा निवासी बहनोई के घर आया था। जहां से बहनोई प्रमोद (50) पुत्र छोटेलाल व भांजे अमित (18) पुत्र प्रेम को बाइक से लेकर सफीपुर जा रहा था। तभी रेलवे क्रासिंग के पास उसकी बाइक अनियंत्रित होकर पुलिया में टकरा गई। इसमें तीनों घायल हो गए।

व्यवसायी के मकान में लाखों रुपये की चोरी

मां के निधन पर परिवार संग गए थे उन्नाव, बेटे की सगाई के लिए बनवाए जेवर भी गए

संवाददाता, काकोरी/सरोजनीनगर

अमृत विचार : पारा के नई बस्ती जलालपुर में चोरों ने मंगलवार देर रात व्यवसायी के बंद मकान को निशाना बनाया। चोरों ने ताला तोड़कर सात लाख रुपये व लाखों के जेवर पर हाथ साफ कर दिया। चोरी की यह घटना पड़ोस में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी। वहीं, बिजनौर थाना क्षेत्र में चोरों ने किसान के घर की दीवार में नकब लगाकर आठ लाख के गहने व 65 हजार रुपये पार कर दिए।

देवपुर नई बस्ती केशव गार्डेन के पीछे जलालपुर निवासी राकेश यादव ने बताया कि उनकी माता का हाल ही में निधन हो गया था। वह पत्नी सुमन यादव के साथ

व्यवसायी के घर चोरी

जनपद उन्नाव के बांगरमऊ क्षेत्र स्थित ग्राम हाफिजाबाद में अंतिम संस्कार व शांति हवन में शामिल होने के लिए गए थे। बुधवार सुबह जब वे लखनऊ लौटे तो उनके मकान का मेनगेट का ताला टूटा हुआ मिला। भीतर गए तो घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था।

किसान के घर सेंध लगाकर ले गए नकदी-जेवर

- बिजनौर के कासिमखेड़ा निवासी किसान सतीश यादव ने बताया कि मंगलवार रात खाना खाने के बाद वे परिवार संग घर के आगे वाले कमरे में सो गए। सतीश का कहना है कि बुधवार सुबह करीब 5 बजे उठकर जब पीछे वाले कमरे में गए तो आलमारी टूटी मिली। पत्नी को जगाया और जाकर देखा तो घर के पीछे की दीवार कटी मिली। साथ ही अलमारी का लाकर टूटा होने के अलावा उसके अंदर रखे करीब 8 लाख के गहने और 65 हजार रुपये गायब थे। पुलिस ने घटनास्थल पर छानबीन कर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

किसान के घर चोरी

पीड़ित ने बताया कि चोर मंगलवार देर रात करीब एक बजे घुसे और अलमारी तोड़कर सात लाख रुपये व लाखों के जेवर चोरी कर लिए। राकेश यादव ने बताया कि 6 फरवरी को उनके बेटे रितेश यादव की सगाई होनी थी, इसी कारण सगाई के लिए बनवाए गए जेवर घर में सुरक्षित रखे गए थे, जिन्हें चोर अपने साथ उठा ले गए।

पीड़ित ने चोरी की सूचना पारा पुलिस को दी। पीड़ित ने इलाके में रात की पुलिस गश्त न होने का आरोप लगाया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पारा इंस्पेक्टर सुरेश सिंह ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की मदद से जांच की जा रही है।

बाबा का अनुयायी बन महिला से की टप्पेबाजी

संवाददाता, सरोजनीनगर

- कागज की पुड़िया थमाकर, टॉप्स लेकर फरार

अमृत विचारः बंथरा थाना क्षेत्र में बाइक सवार उचक्कों ने मथुरा से आए बाबा का अनुयायी बताकर अधेड़ महिला को फंसाया। घर में संकट व बेटियों की शादी में होने वाली बाधा का दोष बताकर डराया। उसके बाद कागज की पुड़िया देकर कुछ सूंघाकर कान के टॉप्स उतरवा कर भाग निकले। शाम को महिला ने पुड़िया खोली तो उसमें कंकड़ व गिट्टी मिली। इंस्पेक्टर राणा राजेश सिंह ने बताया कि बेटे ने तहरीर दी है। घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों की तलाश की जा रही है।

बंथरा निवासी मजदूर राजाराम चौरसिया के बेटे राममिलन ने बताया कि मां राजकुमारी (50) मंगलवार को घर से कुछ दूर स्थित हनुमान मंदिर में दर्शन कर घर लौट रही थीं। इसी दौरान शुक्ला फैशन मार्ट के पास बाइक सवार दो युवकों ने खुद को मथुरा से आए बाबा का अनुयायी बताते हुए दर्शन कराने की बात कही और उन्हें कुछ दूर अपने साथ ले गए। बाद में सुनसान स्थान पर पहुंचकर युवकों ने राजकुमारी से कहा कि उनके घर में संकट है और बेटियों की शादी में बाधा आ रही है।

यह सुनकर वह परेशान हो गयी। उचक्कों ने विपदा दूर करने का झांसा दिया। राजकुमारी को एक कागज की पुड़िया थमाकर शनि देव मंदिर में खोलने और किसी से न बताने को कहा।

अतिथियों और आयोजकों के साथ पुरस्कृत किए गए मेधावी। अमृत विचार

21 कॉलेजों के 42 मेधावियों को मिली प्रोत्साहन राशि

संवाददाता, निगोहां

- टोलवे लिमिटेड ने मेदस-दस हजार छात्रवृत्ति और प्रमाण पत्र दिए

अमृत विचार: क्यूब हाइवेज की एसपीवी कम्पनी,लखनऊ-रायबरेली टोलवे लिमिटेड द्वारा बुधवार को दखिना शेखपुर टोल प्लाजा पर (क्यूब रूट्स फाउंडेशन) के तत्वाधान में मेधावी छात्र- छात्राओ को प्रोत्साहित करने के लिए छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे लखनऊ व रायबरेली के 21 कॉलेजों के 42 मेधावी छात्र - छात्राओं को दस-दस हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि के चेक व प्रमाण पत्रो का वितरण किया। परियोजना प्रमुख दिलीप पाण्डेय ने सभी अतिथियों को पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। जिसमे है एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर

नकुल प्रकाश वर्मा, टीम लीडर अरुण खन्ना, एसडीएम महराजगंज गौतम सिंह ,प्रोजेक्ट डायरेक्टर नकुल प्रकाश वर्मा एवं टोल प्लाजा कर्मचारी ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में दिलीप कुमार पांडेय ने कहा कि बेटियां हर मामले में लड़कों से आगे हैं। पढ़ाई के मामले में भी उन्होंने लड़कों को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने मेधावी छात्राओ से कहा जीवन में कोशिश हमेशा आगे बढ़ने की करनी चाहिए यह आपके जीवन की सफलता की पहली सीढी है इसलिए अभी से लक्ष्य निर्धारित करते हुए उसी के हिसाब से कड़ी मेहनत करें।

लर्न लैग्वेंज, सेलिब्रेट कल्चर अभियान शुरू किया जाएगा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- विश्वविद्यालयों में अतिरिक्त भारतीय भाषा सीखने का चलेगा अभियान
- छात्रों को इंसेटिव व शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार में मिलेगा अधिमान

अमृत विचार : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने नई शिक्षा नीति के लक्ष्यों के अनुरुप लर्न लैंग्वेज, सेलिब्रेट कल्चर अभियान आरंभ किया है। इस अभियान के तहत सभी विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को एक अतिरिक्त भारतीय भाषा सीखने पर जोर दिया जाएगा। भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालयों में यह कार्यक्रम लागू किया जा रहा है। आयोग ने इसे लेकर विस्तृत ब्यौरा जारी किया है।

भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालयों में विशेष प्रयास किए जाएंगे। छात्र, शिक्षक, कर्मचारियों के साथ-साथ अभिभावकों व बाहरी व्यक्तियों को भी विभिन्न भारतीय भाषाओं की पढ़ाई का अवसर मिलेगा। इसके लिए छात्रों को इंसेंटिव मिलेगा और शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार में वेटेज (अधिमान) दिया जाएगा।भाषा के क्षमता संवर्द्धन कोर्स के रूप में इस पाठ्यक्रम को चलाया जाएगा। उच्च शिक्षण संस्थानों में यह त्रिस्तरीय पाठ्यक्रम होगा। जिसमें बेसिक, इंटरमीडिएट व एडवांस्ड स्तर होगा। छात्रों को इसमें क्रेडिट हासिल करने की छूट होगी।

इन भाषाओं को सीखना होगा

- भारतीय संविधान की 8वीं अनुसूची के अनुसार 22 अनुसूचित भारतीय भाषाओं में से कोई एक भाषा सीखने के लिए छात्रों सहित अन्य लोगों को प्रेरित किया जाएगा। जिसमें पंजाबी, गुजराती, असमिया व बंगाली, तमिल, तेलगु आदि भाषाएं शामिल हैं।

इसके लिए कोर्स तैयार किया जाएगा

- स्नातक, स्नातकोत्तर व शोध स्तर पर इसके लिए पाठ्यक्रम तैयार होंगे। स्नातक स्तर पर तीन माइनर कोर्स व क्रेडिट फ्रेमवर्क तैयार किया जाएगा। च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के तहत छात्रों को एक संस्थान से दूसरे संस्थान में इसकी पढ़ाई और क्रेडिट ट्रांसफर की सुविधा भी होगी। छात्रों के लिए इंटरमीडिएट पास व 16 वर्ष की आयु सीमा पूरी करना जरूरी होगा।

दहेज के लिए पत्नी को पीटकर घर से निकाला, दिया तीन तलाक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पीड़िता ने मोहनलालगंज कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार: मोहनलालगंज के कनकहा गांव में दो लाख रुपये दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को पति ने बेरहमी से पीटा। उसके बाद घर से बाहर निकाल दिया। सोमवार को ससुराल पहुंचे पति ने सभी को धमकाया। उसके बाद पत्नी को तीन तलाक दे दिया। जिंदगी बर्बाद होती देख पीड़िता ने मोहनलालगंज कोतवाली में पति, सास और ससुर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

कनकहा निवासी अफसाना का निकाल करीब छह वर्ष पूर्व निगोहां के मीरानपुर के रहने वाले आदिल खान से हुआ था। शादी के बाद से आए दिन दहेज की मांग को लेकर पति, सास ताहिरा और ससुर मोईद ताने देते थे।

ईंट लगने से डिवाइडर से टकराई कार युवक की आंख की रोशनी चली गई

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- बुलेट बाइक सवार युवकों ने ईंट से किया था हमला
- चेन्नई इलाज कराकर लौटे पीड़ित ने सैरपुर थाने में की शिकायत

अमृत विचारः निजी कंपनी कर्मी आदित्य पर हुए जानलेवा हमले के मामले में सैरपुर पुलिस ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। आरोप है कि हमले में उनकी आंख की रोशनी चली गई। चेन्नई से इलाज कराकर लौटे पीड़ित ने मंगलवार को पुलिस से शिकायत की थी।

पीड़ित आदित्य नारायण पांडेय ने बताया कि वे 27 नवंबर की रात सीतापुर रोड पर फौजी ढाबा पर महिला मित्र संग खाना खाकर लौट रहे थे। बीकेटी से यू-टर्न लेने के बाद आगे बढ़ने पर बुलेट बाइक सवार दो अज्ञात युवक उनकी कार को बार-बार रोकने का प्रयास करने लगे। बाइक सवार युवकों ने मोबाइल से वीडियो बनाते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। यह देख आदित्य कार भगाने लगे। इसी बीच बाइक सवार युवकों ने ईंट से हमला कर दिया। ईंट लगने से कार डिवाइडर से टकरा गई। हमले में कार का फ्रंट शीशा और ड्राइवर साइड का शीशा टूट गया। शीशा टूटने से आदित्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायल को इलाज के लिए रामसागर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से उन्हें ट्रॉमा रेफर किया गया। इलाज के दौरान पता चला कि हमले में उनकी आंखों की रोशनी चली गई है।

बांग्लादेश रेलवे के नौ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल की टीम ने बांग्लादेश रेलवे के परियोजना निदेशक मोहम्मद जिंदल इस्लाम के नेतृत्व में आरडीएसओ का दौरा किया। इसमें राइट बांग्लादेश के लिए 200 एलएचबी प्रकार के कोच के निर्यात का आदेश मिला। इन कोच का निर्माण आर सी एफ कपूरथला में किया जा रहा है। अपर महानिदेशक आरडीएसओ काजी मैराज अहमद ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया।

महिला व बच्चों की सुरक्षा के लिए लखनऊ के सभी थानों को मिला स्पेशल सीयूजी नंबर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- सभी थानों में स्थापित मिशन शक्ति केंद्र के प्रभारी का पास रहेगा नंबर

अमृत विचार : नारी सशक्तिकरण के लिए लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट की पहल मिशन शक्ति फेज-5 के तहत लखनऊ के 53 थानों में बनाए गए मिशन शक्ति केंद्र को स्पेशल सीयूजी नंबर दिया गया है। उक्त नंबर पर पीड़ित महिलाओं और बच्चों से जुड़ी शिकायतों के लिए सीधे संपर्क कर सकेंगी। उसके बाद हर थाने में स्थापित ''मिशन शक्ति केंद्र'' में तैनात महिला पुलिसकर्मी मदद करने के साथ ही पीड़िताओं की शिकायत और उनके नाम-पता भी गोपनीय रखेंगी। जेसीपी एलओ बबलू कुमार ने बताया कि अलग-अलग थानों के लिए 53 सीयूजी नंबर जारी किए गए हैं, जो 24 घंटे काम करेंगे। यह नंबर थाने पर बने मिशन शक्ति केंद्र के प्रभारी के पास रहेगा। महिलाएं छेड़छाड़, हिंसा, साइबर अपराध और उत्पीड़न जैसे मामलों की शिकायत उक्त नंबर पर सकती हैं। शिकायत पर पुलिस तत्काल कार्रवाई करेगी। थानों पर बनाया गया मिशन शक्ति केंद्र को 1090 और 112 से भी जोड़ा गया है, ताकि इमरजेंसी की स्थिति में महिलाओं को समय से राहत मिल सके।

नेशनल कॉलेज में पांचवे सेमेस्टर से पहले ही 50 से अधिक छात्र चयनित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों ने किया छात्रों का चयन

अमृत विचार: लखनऊः नेशनल पीजी कॉलेज में प्लेसमेंट सत्र की शुरुआत उत्साहजनक रही है। महाविद्यालय में पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं पूर्ण होने से पहले ही 50 से अधिक छात्रों का विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में चयन हो चुका है। इस प्रारंभिक प्लेसमेंट में विप्रो, प्लैनेट स्पार्क, आइपीएच टेक्नोलॉजीज, यूडीकेए, सिग्मा ट्रेड विंग्स, क्लोवेक वेल्थ, ईज़ माय ट्रिप एवं स्टैंज़ा लिविंग जैसी प्रतिष्ठित कंपनियां शामिल हैं।

चयनित छात्रों में श्रेयांश श्रीवास्तव बीकॉम, अंशिका गुप्ता (बी.कॉम. ऑनर्स), दीक्षा सिंह (बी.वॉक–सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट), पलक चौहान (बी.कॉम.), पार्थ (बी. कॉम. ऑनर्स), समृद्धि त्रिपाठी (बी. कॉम. ऑनर्स), संस्कृति गुप्ता (बी. कॉम.), सवनीत कौर (बी.कॉम.), श्यामल रस्तोगी (बी.कॉम. ऑनर्स), तान्या सिंह (बी.वॉक – सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट) शामिल हैं।

इसके अलावा यूडीकेए कंपनी ने आरजू सिंह (बी.ए. मनोविज्ञान), आस्था पराशर (एम.ए. मनोविज्ञान), अक्षया त्रिपाठी (एम.ए. मनोविज्ञान), अक्षिमा सिंह (एम.ए. मनोविज्ञान), अंजली पटेल (बी.ए. मनोविज्ञान), अन्वेषा श्रीवास्तव (बी.ए. मनोविज्ञान), आस्था भार्गव (एम.ए. मनोविज्ञान), भूमिका बोस (एम.ए. मनोविज्ञान), चंचल द्विवेदी (एम.ए. मनोविज्ञान), गुंजन पुरिया (एम.ए. मनोविज्ञान), हिमांशु सिंह (बी.ए. मनोविज्ञान), इंशा गुलज़ार (बी.ए. मनोविज्ञान), खुशी रहेजा (बी.ए. मनोविज्ञान), कीर्ति राठौर (एम.ए. मनोविज्ञान), कृतिका व्यासपाल (एम.ए. मनोविज्ञान), लक्ष्मी गुरंग (एम.ए. मनोविज्ञान), मिली टंडन (बी.ए. मनोविज्ञान), मुस्कान निगम (बी.ए. मनोविज्ञान), प्रज्ञा मिश्रा (एम.ए. मनोविज्ञान), प्रकृति श्रीवास्तव (एम.ए. मनोविज्ञान), रिद्धिमा तिवारी (बी.ए. मनोविज्ञान), संस्कृति (बी.ए. मनोविज्ञान), श्रेयश गौतम (एम.ए. मनोविज्ञान), श्रिद्धाली मिश्रा (एम.ए. मनोविज्ञान), सिदरा फातिमा रिज़वी (एम.ए. मनोविज्ञान), सिमरनजीत कौर (एम.ए. मनोविज्ञान), स्नेहा नेओलिया (बी.ए. मनोविज्ञान), सुगंधा बाजपेयी (बी.ए. मनोविज्ञान), तान्या सक्सेना (बी.ए. मनोविज्ञान), वैष्णवी नांगिया (बी.ए. मनोविज्ञान), वैष्णवी जायसवाल (बी.ए. मनोविज्ञान), वत्सला छेत्री (एम.ए. मनोविज्ञान), जोहा खान (एम.ए. मनोविज्ञान) को चयनित किया है।

स्मृति शेष

मृदंगाचार्य पंडित राज खुशीराम का दुनिया छोड़ जाना एक युग का अंत

हमेशा के लिए थम गई खुशीराम के पखावज की थाप

शबाहत हुसैन विजेता, लखनऊ

- महान मृदंग व तबला वादक स्वामी पागल दास के प्रिय शिष्य थे खुशीराम

अमृत विचारः भारतीय संगीत की परंपरा ऐसी है जिसमें प्रत्येक स्वर केवल ध्वनि नहीं, बल्कि जीवन का अनुभव होता है। यह अनुभव पीढ़ी-दर-पीढ़ी बहता आया है। जैसे गंगा की धारा कभी सूखती नहीं, वैसे ही राग-रागिनियों, गायन-वादन की धारा भी प्रवाहित होती रहती है। इसी प्रवाह की एक धार थे वादन योगी मृदंगाचार्य पंडित राज खुशीराम। लखनऊ की माटी में रचे-बसे खुशीराम का इस दुनिया को अलविदा कह देना संगीत प्रेमियों को अंदर तक कचोट गया। हमेशा सज संवर कर रहने वाले, मुस्कुरा कर मिलने वाले हर दिल अजीज खुशीराम अब सिर्फ हमारी स्मृतियों में ही रहेंगे।

राज खुशीराम ने पूरी जिंदगी अमीनाबाद की पतली सी गली में गुजारी। कुछ साल पहले वह गोमतीनगर में बनाए अपने नए मकान में चले गए थे। संगीत उनके साथ इस कदर जुड़ा था कि उनका अभिवादन भी जय मृदंग बन गया था। कथकाचार्य पंडित लच्छू महाराज की शिष्या प्रख्यात कथक नृत्यांगना कपिला राज से उनकी शादी हुई।

कपिला राज कथक केन्द्र की निदेशक रही हैं। पति -पत्नी दोनों टॉप क्लास कलाकार थे। कपिला राज लच्छू महाराज की शिष्या थीं तो राज खुशीराम अयोध्या के स्वामी पागल दास के शिष्य थे। पखावज उनके खून में संगीत बनकर बहता था। शानदार उर्दू बोलते थे। हर कोई उनका दोस्त था। त्योहारों में फोन पर बधाई देते। ज्यादा दिन मुलाकात न हो तो शिकायत करते। नये घर में न आने का उलाहना देते। उनकी विद्वत्ता को देखकर भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह ने उनसे भातखंडे में अतिथि शिक्षक बनने का अनुरोध किया जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। राज खुशीराम के मुस्कुराते चेहरे के पीछे कितना दर्द छुपा था यह उनके बहुत करीबी ही जानते थे। पत्नी कपिला राज बीमार थीं, पीजीआई में भर्ती थीं। छोटे भाई केआर विनोद के साथ स्कूटी से जा रहे थे। रायबरेली रोड पर ट्रक ने टक्कर मार दी। केआर विनोद ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इतने बड़े सदमे को वो पत्नी से छुपाए रहे। कुछ रोज बाद पत्नी भी शव वाहन में घर आईं। पत्नी के बाद युवा बेटे ने भी अचानक आंख मूंद लीं लेकिन इस कलाकार ने पखावज का साथ नहीं छोड़ा।

आकाशवाणी के टॉप ग्रेड कलाकार थे। लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड मिला था। संगीत नाटक अकादमी अवार्ड मिला था। सम्मानों की श्रृंखला बहुत बड़ी है। अमीनाबाद की पतली सी गली में सीढ़ी चढ़कर उनका बड़ा सा घर आज भी है। वह गली से गुजरते थे तो गली देर तक महकती थी। शानदार कुर्ता पजामा, सदरी, गले में ढेर सारी माला और चेहरे पर मुस्कान। अपने भाइयों, मित्रों और शिष्यों से एक जैसा प्रेम करते थे। वो अक्सर कहते थे कि इस अमीनाबाद की तंग गली में जो है वो मुम्बई की चकाचौंध में भी नहीं है। कल शाम उन्हें सांस लेने में दिक्कत हुई थी। केजीएमयू में दिखाया और वापस गोमतीनगर लौट गये। आज शाम फिर समस्या हुई और इस बार वो ऐसी यात्रा पर चले गये, जिसने चाहने वालों की आंखों को भिगो दिया। वो तो भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह की तैयारी कर रहे थे। लेकिन कल 11 बजे जब शताब्दी समारोह शुरू होगा तो वो चिता पर सवार हो चुके होंगे।

प्रख्यात मृदंग वादक पंडित राज खुशीराम का निधन

- **अमृत विचार, लखनऊ :** आकाशवाणी के टॉप ग्रेड कलाकार, पखावज के योग्य शिक्षक मृदंगाचार्य पंडित राज खुशीराम का बुधवार की रात निधन हो गया।अयोध्या घराने के विख्यात पखावज वादक पागल दास के शिष्य पंडित राज खुशीराम की पत्नी प्रख्यात कथक नृत्यांगना कपिला राज का कुछ साल पहले निधन हो गया था। खुशीराम कोबुधवार शाम सांस लेने में तकलीफ हुई। रात होते-होते उन्होंने शरीर छोड़ दिया। गुरुवार को सुबह 11 बजे बैकुंठ धाम में अंतिम संस्कार किया जाएगा।

भाजपा बैनर फाड़ने पर कार्यकर्ता पर फायरिंग, बट से सिर फोड़ा

संवाददाता, मलिहाबाद

अमृत विचार: थाना क्षेत्र में भाजपा के बैनर फाड़ने का विरोध करना एक कार्यकर्ता को भारी पड़ गया। दबंगों ने गाली-गलौज करते हुए असलहा निकालकर फायरिंग की। जिसमें कार्यकर्ता बाल-बाल बच गया। इसके बाद हमलावरों ने डंडे व असलहे के बट से वार कर सिर फोड़ दिया। हमले में भाजपा कार्यकर्ता गंभीर रूप से घायल हो गया है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी धमकाते हुए भाग निकले। पुलिस ने घायल का मेडिकल कराने के बाद चार नामजद व पांच-छह अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मलिहाबाद के ग्राम पुरवा निवासी अनुपम सिंह ने बताया कि ग्राम डेडेमऊ में पार्टी के बैनर लगे हुए थे। 17 दिसंबर की शाम करीब पांच बजे गोलू गाजी, दानिश, कामिल, ब्लैक गोलू और उनके 5-6 अन्य साथी बैनर फाड़ने लगे। यह देख पीड़ित ने इसका विरोध किया तो आरोपी आगबबूला हो गए। आरोप है कि गोलू गाजी और ब्लैक गोलू ने गाली-गलौज करते हुए असलहा निकालकर दो फायर किए।

जिसमें वे बच गए। इसके बाद सभी आरोपियों ने उसे लात-घूंसों से पीटते हुए असलहे के बट से सिर पर वार कर दिया। हमले में अनुपम का सिर फट गया और शरीर में गंभीर चोटें आईं। पीड़ित का आरोप है कि हमलावरों ने पुरानी रंजिश की बात कहते हुए धमकाया कि पिछली बार बच गए थे, अब नहीं छोड़ेंगे। वहीं मौके पर मौजूद एक अन्य व्यक्ति को भी गवाही देने पर जान से मारने की धमकी दी गई।

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 18 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

दुकानदार से 36 हजार की ठगी

अमृत विचार, सीतापुर : सिधौली कोतवाली क्षेत्र में दो युवक इलेक्ट्रिकल दुकान से करीब 36 हजार रुपये का सामान लेकर फरार हो गए। दुकानदार ने कोतवाली में तहरीर दी है। नरोत्तम नगर निवासी शोभित सिंह ने बताया कि उनकी इलेक्ट्रिकल्स की दुकान प्रेम नगर में है। दो युवक मोटरसाइकिल से दुकान पर पहुंचे और का इलेक्ट्रिकल सामान खरीदा, जिसकी कीमत 36,226 रुपये थी। सामान लेने के बाद युवकों ने ऑनलाइन भुगतान की बात कहते हुए क्यूआर कोड मांगा। एक युवक ने मोबाइल पर पेमेंट करते हुए स्क्रीनशॉट भी दिखाया। कोतवाली प्रभारी जयेन्द्र सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

एएनएम पर कार्रवाई का सीएमओ को निर्देश

अमृत विचार, सीतापुर : जिलाधिकारी डा. राजागणपति आर ने बुधवार को विकास खंड मिश्रिख के आंगनबाड़ी केन्द्र गाजीपुर में वीएचएसएनडी सत्र का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने आंगनबाड़ी कार्यकत्री सदाप्यारी द्वारा सत्र में आवश्यक उपकरण न होने पर जिला कार्यक्रम अधिकारी को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही एएनएम के अभिलेख न पूर्ण रखने और नियमित निरीक्षण न करने पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी को अनुशासनिक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया।

15 लाख के बकाये पर किसान की जमीन कुर्क

अमृत विचार, सीतापुर : मिश्रिख तहसील क्षेत्र में बैंक ऋण की बकाया राशि न चुकाने पर तहसील प्रशासन ने किसान की भूमि कुर्क कर दी। उपजिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार मिश्रा के निर्देश पर नायब तहसीलदार की अगुवाई में राजस्व विभाग की टीम ने ग्राम सरौसा पहुंचकर बंधक भूमि को कुर्क किया। ग्राम सरौसा निवासी उमाशंकर पुत्र बालक राम ने सिंडीकेट बैंक शाखा रामगढ़ और इंडियन बैंक शाखा संदना से कुल 14 लाख 66 हजार 642 रुपये का ऋण लिया था। बैंक द्वारा कई बार नोटिस और भुगतान की सूचना देने के बावजूद ऋणधारक ने बकाया धनराशि जमा नहीं की। इसके बाद बैंक प्रबंधन के अनुरोध पर प्रशासन ने वसूली की कार्रवाई शुरू की। राजस्व टीम ने प्रशासनिक आदेश के तहत मौके पर पहुंचकर बंधक रखी गई भूमि की कुर्की की। कुर्की के समय नायब तहसीलदार अजय कुमार, क्षेत्रीय अमीन नीतेश कुमार, राजकुमार, दिनेश व मनीष के साथ ही संबंधित बैंक शाखाओं के प्रबंधक मौजूद रहे।

संदिग्ध हालात में विवाहिता की मौत

अमृत विचार, सीतापुर : सकरन थाना क्षेत्र में शादी के दो माह बाद नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने पति और ससुराल पक्ष पर गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश शुरू की है। सकरन थाना क्षेत्र के सुकेठा गांव निवासी युवक से बीते 11 अक्टूबर को गुलफशा की शादी हुई थी। परिजनों का आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद गुलअफशा को दहेज और घरेलू विवादों को लेकर प्रताड़ित किया जाता था। परिजनों के मुताबिक, मंगलवार देर शाम उसने मायके को फोन कर बताया कि ससुराल पक्ष द्वारा उसके साथ मारपीट की जा रही है और उसे जान से मारने की धमकी भी दी जा रही है। मायके पहुंचने से पहले ही गुलअफशा की मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

लैब टेक्नीशियन की मौत, हत्या की आशंका

अमृत विचार, सीतापुर : शहर के एपीटीसी परिसर में निर्माणाधीन भवन से गिरकर लैब टेक्नीशियन की मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने हादसे को हत्या बताते हुए पुलिस अधीक्षक से मिलकर निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। कोतवाली नगर क्षेत्र स्थित एपीटीसी परिसर में निर्माणाधीन इमारत से लैब टेक्नीशियन मनीष साहू की मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंचे पिता पिता सुरेश साहू ने पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल से मुलाकात की। आरोप लगाया कि उनका बेटा अवंतिका कांट्रेक्टर कंपनी में लैब टेक्नीशियन था। आरोप है कि वेतन को लेकर चल रहे विवाद के दौरान कंपनी के जिम्मेदारों ने मनीष को तीसरी मंजिल पर ले जाकर धक्का दे दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पिता ने बताया कि चार माह से वेतन नहीं मिलने के कारण मानसिक उत्पीड़न हो रहा था। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि निर्माण स्थल पर कोई सुरक्षा इंतजाम नहीं थे।

चेक पोस्ट को चकमा देकर शहर में प्रवेश कर रहीं डग्गामार बसें

किसान पथ से देवा रोड होकर मटियारी पुलिस चौकी होते हुए शहर में घुसती हैं बसें

अमित कुमार पाण्डेय, लखनऊ

- परिवहन मुख्यालय से मात्र एक किमी दूरी पर संचालित होती हैं डग्गामार बसें
- बस्ती, देवरिया, फैजाबाद, गोरखपुर आदि जिलों से आती हैं बसें

अमृत विचारः अयोध्या रोड से लखनऊ शहर के भीतर प्रवेश करने वाली डग्गामार बसों का अवैध संचालन थमने का नाम नहीं ले रहा है। पुलिस और परिवहन विभाग की निगरानी के बावजूद ये बसें चेक पोस्ट को चकमा देकर विभिन्न वैकल्पिक मार्गों से शहर में प्रवेश कर रही हैं। बुधवार को अमृत विचार की पड़ताल में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए, जिससे प्रवर्तन व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

बुधवार दोपहर करीब 1 बजकर 25 मिनट पर इंदिरा नहर पर लगे चेक पोस्ट बैरियर पर पुलिस द्वारा रोकने के प्रयास के बावजूद कई डग्गामार बसें पहले रूट के तहत किसान पथ पर चढ़ती देखी गईं। यहां से ये बसें देवा रोड, आरटीओ कार्यालय के सामने से गुजरते हुए अपट्रान पुलिस चौकी क्षेत्र और मटियारी पुलिस चौकी के पास से वाया मुड़कर रिलायंस पेट्रोल पंप के सामने बने कट से दाहिने यूटर्न लेकर अयोध्या मार्ग के जरिए शहर में दाखिल हो रही हैं। हैरानी की बात यह है कि यह पूरा संचालन परिवहन मुख्यालय से मात्र एक किलोमीटर दूर

नियमों को धता बताकर सड़क पर दौड़ती डग्गामार बस। अमृत विचार

शनि मंदिर क्षेत्र से हो रहा है, बावजूद इसके जिम्मेदार अधिकारियों की नजर इन बसों पर नहीं पड़ रही है।

डग्गामार बसों का दूसरा प्रमुख रूट भी सामने आया है। ये बसें किसान पथ से रेगुलेटर मार्ग, सतरिख रोड, टेराखास क्रॉसिंग पार कर चिनहट कस्बा पुलिस चौकी क्षेत्र से होती हुई कटौता झील और हाईकोर्ट के पीछे से शहर में प्रवेश कर रही हैं। इन बसों के जरिए बस्ती, देवरिया, फैजाबाद, गोरखपुर सहित कई जिलों से सवारियां ढोई जा रही हैं। पड़ताल के दौरान कई बसों के रजिस्ट्रेशन नंबर जानबूझकर छिपाए गए पाए गए। एक बस पर 'घप्पू सिंह देवगढ़' लिखा मिला, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर यूपी 42 सीटी 4143 था, जिसे पीछे से एंगल लगाकर छुपाया गया था। एक अन्य बस के पीछे 'सौरभ' लिखा था, जिसका नंबर यूपी 43 बीटी 5027 हल्का और अस्पष्ट था। देवा रोड से गुजर रही एक बस का नंबर यूपी 42 एटी 9129 पीछे की बजाय साइड में लिखा मिला। वहीं लखनऊ से अयोध्या जा रही 'वैभव मेल' बस का पूरा रजिस्ट्रेशन एंगल से ढका हुआ था, जिसमें नंबर प्लेट पर केवल यूपी 51 ही दिखाई दे रहा था।

> समय-समय पर अभियान चलाये जाते हैं। अगर शहर में इस तरीके की बसें संचालित हो रही हैं। जिसके नंबर छिपे हुए हैं। या फिर उनके पास ऐसा कोई परमिट नहीं है। जिसके आधार पर शहर के अंदर इस तरह के वाहन संचालित हों, अगर करते हुए पाए जाते हैं तो मोटर वाहन अधिनियम के उल्लंघन में जांच कर दोषी मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।
>
> **-प्रभात पांडेय, आरटीओ प्रवर्तन, लखनऊ**

> इस तरह के वाहनों को रोक कर कार्रवाई की जाएगी, जिसमें चालान के साथ सीज की भी कार्रवाई की जा सकती है।
>
> **-कमलेश दीक्षित, डीसीपी ट्रैफिक, लखनऊ**

बाइक सवार की हादसे में मौत

अमृत विचार, हरदोई : ससुराल से लौट रहा बाइक सवार गंगा एक्सप्रेस-वे पर हादसे का शिकार हो गया। दुर्घटना में उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि हादसे की जांच की जा रही है। पाली थाने के नयागांव मजरा जमालपुर निवासी 28 वर्षीय दिनेश कुमार कश्यप की ससुराल साण्डी थाने के नीभापुर में थी। परिवार में उसकी पत्नी सीमा और एक बेटी रुचिका है। छोटे भाई रजनीश ने बताया कि दिनेश मंगलवार की सुबह बाइक से ससुराल गया था। देर शाम वह लौट रहा था लेकिन काफी देर बाद भी घर नहीं पहुंचा। बुधवार की सुबह उसका शव सवायजपुर के दक्षिण करीब ढाई किमी दूर एक्सप्रेस-वे पर पड़ा देखा गया। कुछ दूरी पर बाइक पड़ी थी।

एसएनसीयू और एनबीएसयू के लापरवाह प्रभारी हटाए जाएं

अपर मुख्य सचिव ने अयोध्या व प्रयागराज मंडल की स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित घोष ने कहा कि नवजात शिशु के जीवन से खिलवाड़ किसी भी स्थिति में अक्षम्य है और इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने ऐसे एसएनसीयू और एनबीएसयू के प्रभारी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से हटाने के निर्देश दिए हैं। जिनके केंद्रों पर आवश्यक उपकरण उपलब्ध नहीं हैं, जबकि इसके लिए शासन द्वारा धनराशि जारी की जा चुकी है।

अपर मुख्य सचिव बुधवार को अयोध्या, देवीपाटन एवं प्रयागराज मंडल की स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा बैठक में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाइयों (एसएनसीयू) और नवजात स्थिरीकरण इकाइयों (एनबीएसयू) को पूर्ण रूप से सक्रिय एवं कार्यशील रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में महिला व पुरुष के लिए पृथक शौचालय, स्वच्छ पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, सिटीजन चार्टर, शिकायत पेटिका एवं मिनी स्किल लैब की उपलब्धता अनिवार्य की जाए।

समीक्षा बैठक में मौजूद अपर मुख्य सचिव अमित घोष, मिशन निदेशक पिंकी जोवेल व अन्य अधिकारी।

- सभी डॉक्टरों व पैरामेडिकल स्टाफ के लिए यूनिफार्म अनिवार्य

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि प्रत्येक एसएनसीयू एवं एनबीएसयू का संयुक्त रूप से उपजिलाधिकारी और एक चिकित्सक द्वारा स्थलीय निरीक्षण किया जाए। साथ ही सभी डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ के लिए यूनिफार्म पहनना अनिवार्य करने को कहा। समीक्षा में पाया गया कि बहराइच जिले में सरकारी अस्पतालों के प्रति मरीजों का संतुष्टि स्तर अपेक्षाकृत कम है, जिसे गंभीरता से लेते हुए आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए गए।

आरोग्य मेले की जिम्मेदारी सीएमओ की

आरोग्य मेले को लेकर लापरवाही के मामले सामने आने पर अपर मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि यह मुख्यमंत्री की प्राथमिकता का कार्यक्रम है और इसमें किसी भी स्तर पर शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि आरोग्य मेले की सफलता की पूरी जिम्मेदारी सीएमओ की है। आरोग्य मेले में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए श्रावस्ती को प्रशस्ति पत्र दिए जाने की भी घोषणा की गई।

राहुल गांधी से जुड़ा मामला लखनऊ स्थानांतरित

अमृत विचार, लखनऊ : कांग्रेस नेता राहुल गांधी की नागरिकता से जुड़े आपराधिक परिवाद मामले में वादी एस विग्नेश शिशिर की याचिका पर हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने मामले को रायबरेली से लखनऊ स्थानांतरित कर दिया है। वादी का कहना था कि रायबरेली में मुकदमे की पैरवी करने पर उसकी जान को खतरा है। इसी आधार पर उसने उक्त परिवाद रायबरेली से लखनऊ स्थानांतरित किए जाने की मांग की थी। याचिका में कहा गया था कि स्थानीय परिस्थितियों के कारण निष्पक्ष सुनवाई संभव नहीं हो पा रही है। वादी ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए हाईकोर्ट से हस्तक्षेप की मांग की थी। न्यायमूर्ति बृजराज सिंह की एकल पीठ ने बुधवार को याचिका को निस्तारित करते हुए परिवाद को लखनऊ स्थानांतरित करने का आदेश दिया।

दुकान में लगी भीषण आग। अमृत विचार

गैस वेल्डिंग सिलेंडर फटा, इलाका दहला

अमृत विचार, हरदोई : कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत करावां रोड पर एक गुमटी में देर रात आग लग गई। गुमटी में गैस वेल्डिंग से संबंधित सामग्री रखी थी। आग लगते ही गुमटी के अंदर रखा गैस-कार्बन सिलेंडर तेज धमाके के साथ फट गया जिससे पूरे कस्बे में अफरा-तफरी मच गई। धमाके के बाद आग ने विकराल रूप ले लिया और गुमटी में रखा सारा सामान नष्ट हो गया। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस की तत्परता से आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित कर लिया गया जिससे बड़ी घटना टल गई। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट अथवा सिलेंडर से संबंधित तकनीकी कारण की संभावना जताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पिता को पीटने के बाद नशेड़ी ने फंदा लगाकर दी जान

अमृत विचार, हरदोई : नशे की हालत में घर पहुंचा पति पत्नी की पिटाई करने लगा। चिल्लाने की आवाज सुनकर बुजुर्ग पिता बहू को बचाने दौड़ा। बेटे ने उसे पीटकर अधमरा कर दिया जिसे सीएचसी पहुंचाया गया। इस बीच बेटे ने कमरे का दरवाजा बंद कर वहां रस्सी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इसका पता होते ही वहां कोहराम बरपा हो गया। पुलिस के पहुंचने पर दरवाजा तोड़कर शव बाहर निकाला गया। मामले की जांच की जा रही है।

बताया गया कि सण्डीला कोतवाली के भगवारा गांव निवासी राजकुमार का (34) इकलौता बेटा अमित पेशे से किसान था। उसके परिवार में पत्नी शालू के अलावा दो बेटे और एक बेटी है। सोमवार की शाम अमित नशे की हालत में घर पहुंचा और किसी बात पर पत्नी शालू की पिटाई करने लगा। आवाज सुनकर बुजुर्ग राजकुमार उसे बचाने दौड़ा। इस बीच अमित पत्नी को छोड़कर पिता की पिटाई करने लगा जिससे वह अधमरा हो गया।

कफ सिरप के नाम पर जहर बेचा जा रहा : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में जनता की जान के साथ खिलवाड़ हो रहा है। कफ सिरप के नाम पर नकली दवाएं और जहर बेचा जा रहा है। ये जहर भरी जो दवाई है, इसके पीछे भाजपाई है।

सपा प्रमुख ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा सरकार में तमाम तरह का अवैध और नशे का कारोबार हो रहा है। अवैध कारोबारियों को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है। प्रदेश में भ्रष्टाचार और अवैध कारोबार का साम्राज्य भाजपा सरकार में खड़ा हुआ है। भाजपाई एक तरफ भ्रष्टाचार करके सरकारी बजट लूट रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ प्रदेश में नकली सामान और दवाएं बनाकर जनता को लूटा जा रहा है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था पर जीरो टॉलरेंस का दावा करने वाले नकली और जहरीली सिरप के अवैध कारोबार पर चुप क्यों है। भाजपा का भ्रष्ट सिस्टम प्रदेश की जनता को बीमार और बेहाल बना रहा है। उन्होंने कहा सरकार बताए कि जनता की जान से खेलने वालों पर बुलडोजर क्यों नहीं चला।

ट्रक ने बच्चे को रौंदा, मौत

अमृत विचार, सीतापुरः पिसावां थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह महोली-बरगावां मार्ग पर रमखेड़ा गांव के पास सड़क पार करते समय एक तेज रफ्तार ट्रक ने दो वर्षीय बच्चे को कुचल दिया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर ट्रक जब्त कर लिया। सेज खुर्द गांव निवासी कान्हा पुत्र महेंद्र सुबह घर के पास स्थित दुकान से नमकीन लेने के लिए सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान बरगावां की ओर से महोली जा रहे ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। ट्रक की रफ्तार काफी तेज थी। रमखेड़ा निवासी नाना छोटकने ने थाने में तहरीर देकर चालक पर लापरवाही का आरोप लगाया।

ईडी की कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

बैरिकेडिंग पर चढ़कर कार्यकर्ताओं ने की नारेबाजी, पुलिस से हुई झड़प

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई के विरोध में बुधवार को प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने प्रदर्शन किया। भाजपा कार्यालय की ओर जाते समय कांग्रेसियों को पुलिस ने बीच रास्ते में रोक कर हिरासत में लेकर अस्थायी जेल इको गार्डन भेज दिया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि योगी सरकार लोकतांत्रिक आवाजों से डरती है और विरोध को दबाने के लिए पुलिस का सहारा ले रही है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष रूद्र दमन सिंह बबलू और शहर कांग्रेस अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी ने प्रदर्शन का आयोजन किया। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामला पूरी तरह से राजनीतिक द्वेष से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ईडी को फटकार लगना इस बात का प्रमाण है कि केंद्र सरकार विपक्ष को दबाने के लिए संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है। कांग्रेस पार्टी न तो तानाशाही के सामने झुकी है और न कभी झुकेगी। अजय राय ने कहा कि कोर्ट के आदेश के बाद सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बदनाम करने का भाजपा सरकार का प्रयास विफल हो गया है। कांग्रेस पार्टी सत्य, संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सड़क से संसद तक संघर्ष जारी रखेगी। प्रदर्शन में पूर्व विधायक श्याम किशोर शुक्ला, इंदल रावत, पूर्व एमएलसी दीपक सिंह, दिनेश सिंह, जयकरन वर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रदर्शन के दौरान मौजूद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय समेत तमाम कार्यकर्ता। अमृत विचार

दुल्हन आने पर सुअर की बलि, वीडियो वायरल

अमृत विचार, सीतापुर : शहर के मोहल्ला गोदियाना मन्नी चौराहा में सुअर के बच्चे की बलि देने का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद पशु प्रेमी विकेंद्र कुमार ने नगर कोतवाली में केस दर्ज कराया है। पेटा इंडिया ने भी इस मामले का संज्ञान लिया है। पशु प्रेमी और पेटा इंडिया के सदस्य विकेंद्र कुमार ने आरोप लगाया कि दो युवकों ने नई नवेली दुल्हन के घर आने के अवसर पर सुअर के बच्चे को पटक-पटक कर मारकर घर के अंदर ही दफना दिया। विकेंद्र ने पुलिस को वायर वीडियो की क्लिप के साथ तहरीर भी सौंपी। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने शिकायत पर संज्ञान लेते हुए कोतवाली नगर इलाके में मामला दर्ज कराया है।

बढ़ते कदम

योजना से बदली आगरा की उषा की तकदीर, बनीं आत्मनिर्भरता की मिसाल

महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही 'शक्ति रसोई' योजना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश सरकार महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। 'मिशन शक्ति' और दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) के तहत शुरू की गई 'शक्ति रसोई' योजना इसका सशक्त उदाहरण बनकर सामने आई है। आगरा नगर निगम परिसर में संचालित शक्ति रसोई ने न सिर्फ महिलाओं को रोजगार दिया है, बल्कि उनके जीवन की दिशा भी बदल दी है।

अपर नगर आयुक्त एवं प्रभारी परियोजना अधिकारी डूडा शिशिर कुमार ने यह जानकारी दी। बुधवार को उन्होंने आगरा के कछपुरा क्षेत्र की रहने वाली उषा की कहानी संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक गाथा से अवगत कराया। बताया कि करीब डेढ़ वर्ष पूर्व तक उषा के पास आय का कोई स्थायी साधन नहीं था। परिवार की जिम्मेदारी पूरी तरह पति की सीमित आय पर निर्भर थी। ऐसे में उषा ने सुनीता और सुमर्थी देवी के साथ मिलकर 'प्रज्ञा स्वयं सहायता समूह' का गठन किया और नगर निगम व सरकार के सहयोग से शक्ति रसोई के संचालन किया।

ग्राहकों की पहली पसंद बनी शक्ति रसोई : नगर निगम परिसर में आने वाले लोग अब बाहरी होटलों के बजाय शक्ति रसोई को प्राथमिकता दे रहे हैं। विजिटर बुक में ग्राहक अपने अनुभव भी दर्ज कर रहे हैं। ग्राहक अमित सिंह ने बताया कि यहां का खाना बिल्कुल घर जैसा और स्वच्छ होता है, वह भी बेहद किफायती दामों में। वहीं, राज कुमार का कहना है कि शक्ति रसोई की चाय और नाश्ता उनकी रोजमर्रा की पसंद बन चुकी है।

समाज की आर्थिक तस्वीर भी बदल सकती हैं : प्रभारी परियोजना अधिकारी डूडा ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य महिलाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। नगर निगम प्रशासन महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से स्वरोजगार से जोड़ने के लिए प्रयास कर रहा है। 'शक्ति रसोई' जैसी योजनाएं साबित कर रही हैं कि यदि महिलाओं को सही अवसर और संसाधन मिलें, तो वे न केवल अपने परिवार बल्कि समाज की आर्थिक तस्वीर भी बदल सकती हैं।

शुद्ध, स्वच्छ और किफायती भोजन बना पहचान

उषा ने बताया कि सरकार और नगर निगम के सहयोग से सीएसआर फंड के माध्यम से उन्हें आधुनिक किचन उपकरण, फर्नीचर और अन्य संसाधन उपलब्ध कराए गए। नगर निगम ने रसोई संचालन के लिए उपयुक्त स्थान दिया। उन्होंने बताया कि शक्ति रसोई में चाय, नाश्ता और 'स्पेशल थाली' के रूप में घर जैसा शुद्ध भोजन उपलब्ध कराया जाता है। शक्ति रसोई से हर माह लगभग 50 हजार रुपये की बिक्री होती है, जिससे उन्हें 10 से 12 हजार रुपये की शुद्ध मासिक आय प्राप्त हो जाती है।

कड़ाके की ठंड में यूरिया के लिए भटक रहे किसान

अमृत विचार, सीतापुर : कड़ाके की ठंड के बावजूद यूरिया खाद के लिए किसानों की कतारें लगी रहीं। साधन सहकारी समिति रायपुरगंज पर टोकन व्यवस्था के बावजूद कई किसानों को खाद नहीं मिल सकी। ठंड से बचाव के इंतजाम न होने से किसानों में नाराजगी रही।

लहरपुर तहसील क्षेत्र में पड़ रही भीषण ठंड के बीच एक से दो बोरी यूरिया खाद पाने के लिए किसान परेशान नजर आए। बुधवार को साधन सहकारी समिति रायपुर गंज पर खाद वितरण की सूचना मिलते ही दूर-दराज गांवों से किसान पहुंच गए। भगौतीपुर के राम गुलाम, दन्नापुरवा के बाबूराम व जुगल किशोर, अल्बटनपुर के सतीश कुमार और पतवारा के मुस्तकीम ने बताया कि टोकन के आधार पर खाद वितरण हो रहा है, लेकिन दो-तीन दिन से लाइन लगाने के बाद भी टोकन नहीं मिल सका। अन्देशनगर के अबरार अली ने बताया कि मंगलवार को टोकन मिला था, लेकिन बुधवार को खाद न मिलने पर उन्हें लौटना पड़ा। किसानों ने बताया कि समिति पर 270 रुपये प्रति बोरी के हिसाब से खाद दी जा रही है। एडीओ सहकारिता सिद्धार्थ कुमार आर्य ने कहा कि यूरिया की कोई कमी नहीं है। समितियों पर 266.50 रुपये प्रति बोरी खाद बांटी जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

एडिट कर पोस्ट की फोटो, अश्लील टिप्पणी

बनीकोडर, बाराबंकी, अमृत विचार : सोशल मीडिया पर युवती की फोटो एडिट कर अश्लील टिप्पणी करते हुए पोस्ट किए जाने की घटना सामने आई है। उसके पिता ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया है। क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 20 नवंबर से सतीश यादव ने उनकी बेटी की फोटो एडिट कर अश्लील कमेंट लिखकर फेसबुक पर डाल रहा है। पिता ने मंगलवार को तहरीर देकर शिकायत दर्ज कराई है।

ऑटो चालक ने फल विक्रेता को पीटा

निंदूरा, बाराबंकी, अमृत विचार : घुंघटेर स्थित बाबागंज बाजार में मंगलवार को फल विक्रेता का ठेला आटो की टक्कर से पलट गया। विक्रेता ने विरोध किया तो चालक ने साथियों को बुलाकर उसकी पिटाई कर दी। नीरज कुमार ने तहरीर देकर बताया कि वह बाजार में अपनी फल की दुकान लगा रहे थे। इसी दौरान टिकैतगंज निवासी ऑटो चालक आरिफ सब्जी लेकर बाजार पहुंचा। ऑटो चालक ने नीरज के ठेले में टक्कर मार दी, टक्कर से जमीन पर गिरकर फल खराब हो गए। नुकसान की बात कहने पर ऑटो चालक ने नीरज के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि इसके बाद ऑटो चालक ने अपने बेटे को बुलाया और 5–6 अन्य युवकों के साथ मिलकर नीरज की पिटाई की।

बुजुर्ग लापता

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : भिटरिया इलाके से एक बुजुर्ग के लापता होने का मामला सामने आया है। चौरी मजरे चौरी अलादादपुर निवासी रामशंकर तिवारी (66) को उनके दामाद जयशंकर इलाज के लिए अपने निवास भिटरिया ले आए थे। मंगलवार की सुबह लगभग 10 बजे रामशंकर तिवारी टहलने के लिए निकले, लेकिन करीब आधे घंटे बाद भी वापस नहीं लौटे। इसके बाद परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की, परंतु देर शाम तक उनका कोई सुराग नहीं लग सका। पुलिस ने मामला दर्ज कर लापता बुजुर्ग की खोजबीन शुरू कर दी है।

हृदय गति रुकने से रिटायर शिक्षक का निधन

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार :

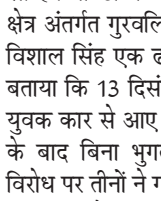

जेबी सिंह फाइल फोटो

बीपी शुक्ला इंटर कॉलेज, त्रिलोकपुर के सेवानिवृत्त शिक्षक जेबी सिंह का मंगलवार शाम हृदय गति रुकने से निधन हो गया। परिजन उन्हें लखनऊ इलाज के लिए ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। बुधवार को गांव में उनका अंतिम संस्कार किया गया। पूर्व छात्र, शिक्षक और क्षेत्रवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

महिलाओं की शिकायतों का करें त्वरित निस्तारण

राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने अस्पताल, बंदीगृह व किशोरी गृह का किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने बुधवार को जिले का दौरा किया। डीआरडीए सभागार में जनसुनवाई में उन्होंने निर्देश दिया कि महिलाओं की शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाए। दौरे की शुरुआत में अपर्णा यादव ने जिला महिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया।

उपाध्यक्ष ने जिला कारागार का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने महिला बंदियों को जैकेट वितरित कीं और ठंड को देखते हुए पर्याप्त कंबल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जेल परिसर स्थित गौशाला पहुंचकर उन्होंने गायों को गुड़ और बिस्कुट खिलाए। अपर्णा यादव ने राजकीय किशोरी सम्प्रेक्षण गृह का भी निरीक्षण किया। दोपहर बाद डीआरडीए सभागार में जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान उपाध्यक्ष ने पीड़ित महिलाओं की समस्याएं सुनीं। इस दौरान कुल 22 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिन पर त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए।

शिकायतें सुनतीं राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव। ● अमृत विचार

नीतीश की हरकत पर भड़कीं अपर्णा

बाराबंकी, अमृत विचार : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने और उस पर मंत्री संजय निषाद की आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने कड़ा ऐतराज जताया। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि किसी भी महिला की गरिमा, सम्मान और उसके धर्म को लेकर अमर्यादित व्यवहार या बयान स्वीकार्य नहीं है। अपर्णा यादव ने नीतीश कुमार की कथित हरकत और संजय निषाद के बयान दोनों को निंदनीय बताया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में बैठे लोगों को अपने शब्दों और आचरण की मर्यादा का विशेष ध्यान रखना चाहिए। महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने मांग की कि दोनों नेता इस मामले में तत्काल सार्वजनिक रूप से माफी मांगें।

विकास खंड बंकी के सभागार में बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपाध्यक्ष अपर्णा यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस मौके पर एडीएम (न्यायिक) राजकुमार सिंह, पीडी राकेश सिंह, सीओ गरिमा पंत, जिला प्रोबेशन अधिकारी सूरज सिंह, एसीएमओ डॉ. राजीव सिंह आदि मौजूद रहे।

ममता हत्याकांड में प्रेमी की ओर घूमी शक की सुई

बाराबंकी, अमृत विचार : लखनऊ से प्रेमी के घर आई महिला की हत्या की घटना में अब प्रेमी ही शक के घेरे में आ गया है। इस घटना ने अपने पीछे तमाम अनसुलझे सवाल छोड़े हैं, जिनके ज्यादातर जवाब प्रेमी को ही कटघरे में खड़ा कर रहे। खास बात यह कि गायब परिजन पुलिस तक खुद पहुंच गए और अपना पक्ष रख दिया है। सूत्रों के अनुसार पुलिस खुलासे के बहुत करीब है।

मूल रूप से गोरखपुर की रहने वाली ममता शादी के बाद लखनऊ के हंसखेड़ा में पति शिवेन्द्र के साथ रह रही थी। सोमवार की आधी रात वह मसौली थाना अंतर्गत ग्राम शहाबपुर में रहने वाले प्रेमी संदीप यादव के घर पहुंच गई। जहां मंगलवार की सुबह उसका शव घर के एक तालाबंद कमरे में मिला। पुलिस को घटना की सूचना देने वाला संदीप मौके पर मिला और माता पिता व बहनों को हत्यारा बताया। उधर परिजनों के न मिलने से पुलिस का शक गहरा गया लेकिन यह शक तब खत्म हुआ जब परिजनों ने खुद पुलिस से संपर्क किया और अपना पक्ष रखा। संदीप एक दिसंबर को प्रेमिका ममता को साथ लेकर करीब दस दिन घूमता रहा। ममता की गुमशुदगी दर्ज हुई तो संदीप दस दिसंबर को ममता को उसके पति के हवाले करने के बाद वह जबलपुर जाने की बात कहकर निकला लेकिन अपने गांव आ गया।

विधायक ने किया विकास संबंधी कार्यों का लोकार्पण

कार्यक्रम

संवाददाता, हैदरगढ़, बाराबंकी

अमृत विचार : डबल इंजन की भाजपा सरकार के मार्गदर्शन में गांव-गांव तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने का कार्य लगातार जारी है।

उक्त उद्गार हैदरगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश रावत ने व्यक्त किये।

उन्होंने हैदरगढ़ विकास खंड के विभिन्न गांवों में जिला पंचायत और क्षेत्र पंचायत निधि से निर्मित विकास कार्यों का ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रामदेव सिंह के साथ लोकार्पण किया। इस अवसर पर विधायक ने ग्राम पंचायत इस्माइलपुर में 15 लाख रुपये की लागत से बनी 200 मीटर सीसी रोड, ग्राम सड़वा के चतुर्भुज बाबा मंदिर परिसर में 10 लाख रुपये की लागत से बनी 170 मीटर इंटरलॉकिंग, और ग्राम भटगवां के सफीपुर में 5.30 लाख रुपये की लागत से बनी 90 मीटर इंटरलॉकिंग निर्माण का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष मोनू सिंह, प्रधान विक्रम सिंह, विनोद सिंह, रविंद्र सिंह, चुन्नी, क्षेत्र पंचायत सदस्य, पार्टी पदाधिकारी और बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

युवक पर लाठी डंडों से हमला

बाराबंकी, अमृत विचार : जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में रविवार को एक युवक पर दबंगों ने लाठी-डंडा और लोहे की रॉड से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महुआमऊ निवासी दीपक कुमार वर्मा रविवार की दोपहर घर लौट रहा था। खेल के दौरान किसी बात को लेकर अन्य लड़कों से कहासुनी हो गई थी। जब दीपक ग्राम शुक्लाई स्थित एक ढाबा के सामने पहुंचा, तभी वहां पहले से खड़े निखिल, अनिल, आकाश पाल, विकास सहित 7-8 अज्ञात लोगों ने घेर लिया। आरोप है कि हमलावरों ने लाठी-डंडों व लोहे की रॉड से दीपक पर हमला कर दिया।

पार्ट टाइम शिक्षण कार्य शैक्षणिक अनुभव के रूप में अमान्य

हाईकोर्ट

- जूनियर हाईस्कूलों में हेडमास्टर पद पर नियुक्ति से जुड़ा मामला

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जूनियर हाईस्कूलों में हेडमास्टर पद पर नियुक्ति से जुड़े मामले पर सुनवाई करते स्पष्ट किया है कि पार्ट-टाइम इंस्ट्रक्टर के रूप में प्राप्त अनुभव को नियमित शिक्षण अनुभव के समकक्ष नहीं माना जा सकता और ऐसे अनुभव के आधार पर जूनियर हाईस्कूलों में हेडमास्टर पद पर नियुक्ति का दावा स्वीकार्य नहीं है।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की एकलपीठ ने कुमारी डिंपल सिंह सहित दर्जनों याचियों की याचिका खारिज करते हुए पारित किया। मामला वर्ष 2013 से विभिन्न जिलों में पार्ट-टाइम इंस्ट्रक्टर के रूप में कार्यरत अभ्यर्थियों से जुड़ा था, जिन्होंने जूनियर हाईस्कूल शिक्षक/हेडमास्टर भर्ती परीक्षा-2021 उत्तीर्ण करने के बाद नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल किए जाने की मांग की थी। याचियों का तर्क था कि उन्होंने वर्षों तक पूर्णकालिक शिक्षकों के समान कार्य किया है, इसलिए उनका अनुभव गिना जाना चाहिए। हालांकि कोर्ट ने उप्र मान्यता प्राप्त बेसिक स्कूल (जूनियर हाई स्कूल) भर्ती एवं सेवा शर्तें नियम, 1978 (संशोधित 2019) का विश्लेषण करते हुए कहा कि नियमों में प्रयुक्त 'शिक्षण अनुभव' का आशय नियमित रूप से नियुक्त शिक्षक के रूप में अर्जित अनुभव से है, न कि आकस्मिक, संविदात्मक या पार्ट-टाइम आधार पर किए कार्य से। कोर्ट ने माना कि हेडमास्टर का पद शिक्षण ही नहीं, बल्कि शैक्षणिक नेतृत्व से जुड़ा है। इसके लिए नियमित कैडर में कार्य का अनुभव जरूरी है। राज्य सरकार के तर्कों से सहमति जताते हुए कोर्ट ने स्पष्ट किया कि न तो प्रशासन और न ही न्यायालय को अधिकार है कि वे नियमों में निर्धारित अनिवार्य योग्यता को शिथिल करें या समानता के नाम पर असमान सेवाओं को समान मान लें।

दो मातृत्व अवकाशों के बीच दो वर्ष का अनिवार्य अंतर बताना अवमानना

विधि संवाददाता, प्रयागराज, अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक मामले में बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत अध्यापिका को दूसरी मातृत्व अवकाश से इनकार किए जाने पर कड़ी नाराज़गी जताई है। कोर्ट ने बीएसए, अमरोहा को व्यक्तिगत रूप से तलब किया है। कोर्ट ने कहा कि लगातार स्पष्ट न्यायिक आदेशों के बावजूद दो मातृत्व अवकाशों के बीच दो वर्ष का अंतर अनिवार्य बताना कानून के विपरीत है। ऐसी कार्रवाई प्रथम दृष्टया अवमाननापूर्ण प्रतीत होती है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया ने नगमा चौधरी की याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए नोट किया कि इस मुद्दे पर कोर्ट के अनेक निर्णय पहले से मौजूद हैं।

विभिन्न क्षेत्रों से महिला व किशोरी लापता

बाराबंकी: अमृत विचार : महिला व नाबालिग किशोरी के लापता होने के दो मामलों से परिजन परेशान है। दोनों ही मामलों की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। कोतवाली फतेहपुर क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक ने पुलिस को बताया कि तीन दिन पूर्व कहासुनी के बाद उनकी पत्नी दो वर्षीय पुत्र को साथ लेकर कहीं चली गई। पीड़ित ने गांव के ही यूनुस पुत्र फकीरे पर पत्नी व बच्चे को भगाने की शंका जताई है। दूसरा मामला थाना मोहम्मदपुर खाला क्षेत्र का है। एक व्यक्ति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 13 दिसंबर की रात करीब 2 बजे उनकी बहन को मोहम्मद सफीक बहला-फुसलाकर भगा ले गया।

प्रतियोगिता में विजेता छात्र व छात्राएं। ● अमृत विचार

प्रतियोगिताओं में बच्चों ने उत्साह से लिया भाग

बाराबंकी: अमृत विचार : बालाजी ग्रुप ऑफ स्कूल्स द्वारा आयोजित आठवीं स्पोर्ट्स मीट 'उड़ान' के 17वें दिन बुधवार को बालाजी सत्य प्रेमी नगर और बालाजी अकैडमी बंकी ब्रांच में इंटर हाउस जीके क्विज, शतरंज एवं टेबल टेनिस प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं में सीनियर व जूनियर वर्ग के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जीके क्विज में बच्चों ने आत्मविश्वास का परिचय दिया, वहीं शतरंज और टेबल टेनिस में रणनीति का प्रदर्शन किया। इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य बच्चों में ज्ञानवृद्धि, आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बढ़ावा देना रहा। बालाजी सत्य प्रेमी नगर ब्रांच में आयोजित इंटर हाउस जीके क्विज में विभिन्न ग्रुपों में क्रिएटिविटी, कंपैशन और इनोवेशन हाउस के विद्यार्थियों ने शीर्ष स्थान प्राप्त किए।

एसआरएमयू के पास दो छात्रों पर हमला

बाराबंकी, अमृत विचार : रामस्वरूप विश्वविद्यालय के पास सोमवार दोपहर बाइक से घर लौट रहे दो छात्रों पर करीब 10 छात्रों ने लाठी-डंडे, बेल्ट, पत्थर व रॉड से हमला कर दिया। हमले में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। आशुतोष पाण्डेय अपने मित्र हर्षित तिवारी के साथ सोमवार दोपहर रामस्वरूप विश्वविद्यालय से एक्टिवा से घर लौट रहे थे। तभी सौ मीटर की दूरी पर खड़े करीब 30 छात्रों में से एक छात्र शिवम तिवारी ने बिना किसी कारण जान से मारने की धमकी दी। मना करने पर लगभग 10 छात्रों ने दोनों युवकों को घेरकर बेरहमी से मारपीट शुरू कर दी।

लिव-इन रिलेशनशिप को नहीं कहा जा सकता गैरकानूनी : हाईकोर्ट

- कोर्ट ने कहा-जीवन व व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार सर्वोच्च
- बालिगों के जीवन और स्वतंत्रता की रक्षा राज्य का दायित्व

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे जोड़ों को सुरक्षा मुहैया कराने के मामले में दाखिल याचिकाओं पर बुधवार को सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि भले ही लिव-इन रिलेशनशिप का सिद्धांत समाज के हर वर्ग को स्वीकार्य न हो, लेकिन इसे न तो गैर-कानूनी कहा जा सकता है। न ही शादी की पवित्रता के बिना साथ रहना कोई अपराध है। कोर्ट ने कहा कि जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार सर्वोच्च है, चाहे जोड़ा विवाहित हो या सहमति से साथ रह रहा हो।

उक्त टिप्पणी न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की एकलपीठ ने लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाली औरैया निवासी आकांक्षा सहित कई जोड़ों की पुलिस सुरक्षा की मांग वाली याचिकाओं को मंजूरी देते हुए की। कोर्ट ने माना कि एक बार जब कोई बालिग व्यक्ति अपने जीवनसाथी का चुनाव कर लेता है तो परिवार का कोई भी सदस्य उनके शांतिपूर्ण जीवन में दखल नहीं दे सकता। संविधान के तहत राज्य का दायित्व है कि वह प्रत्येक नागरिक के जीवन और स्वतंत्रता की रक्षा करे। राज्य सरकार ने याचिकाओं का विरोध करते हुए तर्क दिया कि भारतीय समाज लिव-इन रिलेशनशिप को शादी के विकल्प के रूप में स्वीकार नहीं कर सकता और ऐसे रिश्तों को सुरक्षा देना सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करेगा। हालांकि कोर्ट ने सरकार के तर्कों को कड़े शब्दों में अस्वीकार करते हुए कहा कि राज्य सहमति से साथ रह रहे बालिगों के जीवन और स्वतंत्रता की रक्षा करने से इनकार नहीं कर सकता। कोर्ट ने एमिकस क्यूरी वरिष्ठ अधिवक्ता श्वेताश्व अग्रवाल के तर्कों से सहमति जताते हुए सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न हाईकोर्ट के कई फैसलों का हवाला दिया और कहा कि लिव-इन रिलेशनशिप को न तो अवैध ठहराया गया है और न ही ऐसे जोड़ों को सुरक्षा से वंचित किया जा सकता है। कोर्ट ने विशेष रूप से लता सिंह और एस. खुशबू जैसे फैसलों का उल्लेख करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कभी लिव-इन रिलेशनशिप की निंदा नहीं की। कोर्ट ने इसी न्यायालय की खंडपीठ द्वारा 2023 में किरण रावत बनाम उत्तर प्रदेश राज्य मामले में पारित निर्णय से असहमति जताई, जिसमें लिव-इन रिलेशनशिप को "सामाजिक समस्या" बताया गया था। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वह किरण रावत मामले में खंडपीठ के दृष्टिकोण को अपनाने में असमर्थ है।

सांसद चंद्रशेखर 'रावण' को राहत देने से इनकार

- वर्ष 2017 में सहारनपुर हिंसा का मामला

विधि संवाददाता, प्रयागराज, अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सहारनपुर हिंसा से जुड़े वर्ष 2017 के मामलों में सांसद चंद्रशेखर उर्फ 'रावण' को बड़ी राहत देने से इनकार कर दिया है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन की एकलपीठ ने चंद्रशेखर उर्फ 'रावण' द्वारा दाखिल याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई कर खारिज करते हुए पारित किया। याची के अधिवक्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि याची सहारनपुर ज़िले के नगीना संसदीय क्षेत्र से वर्तमान में सांसद हैं। याची सहित 19 नामजद तथा कुछ अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध पहली एफआईआर 9 मई 2017 को थाना कोतवाली देहात, सहारनपुर में आईपीसी की विभिन्न धाराओं, आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम की धारा 7 तथा सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम की धारा 3/4 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। उसके बाद दर्ज अन्य चार एफआईआर उसी मामले से जुड़ी हैं, इसलिए बाद की एफआईआर और उनसे उत्पन्न कार्यवाहियां रद्द की जाएं या उन्हें पहली एफआईआर की पूरक चार्जशीट माना जाए। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि एक ही दिन दर्ज कई एफआईआर, यदि अलग-अलग स्थानों, पीड़ितों और घटनाओं से संबंधित हों, तो उन्हें अवैध नहीं कहा जा सकता है। कोर्ट ने यह भी माना कि सहारनपुर में कथित तौर पर भीम आर्मी से जुड़े लोगों द्वारा अलग-अलग स्थानों पर आगजनी, तोड़फोड़ और हमलों की घटनाएं हुईं। ऐसे में सभी मामलों को एक ही एफआईआर तक सीमित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने यह भी ध्यान में रखा कि सभी मामलों में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है, संज्ञान लिया जा चुका है और ट्रायल सबूतों के चरण में है। ऐसे में इस स्तर पर कार्यवाही रद्द करना या चार्जशीट को पूरक मान लेना उचित नहीं होगा। इन्हीं कारणों से कोर्ट ने सभी याचिकाएं खारिज कर दीं।

युवकों ने होटलकर्मी पर चढ़ाई कार

बाराबंकी: अमृत विचार : खाने के बाद बिना भुगतान किए जाने का विरोध करने पर नशे में धुत युवकों ने होटल कर्मी पर कार चढ़ा दी। इस घटना में जख्मी कर्मी को जिला अस्पताल से लखनऊ रेफर कर दिया गया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। गोण्डा के करनैलगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत गुरवलिया गांव निवासी विशाल सिंह एक ढाबे पर कर्मी है। बताया कि 13 दिसंबर की रात तीन युवक कार से आए और खाना खाने के बाद बिना भुगतान जाने लगे। विरोध पर तीनों ने गाली-गलौज की। एक युवक ने कार का शीशा खोलकर विशाल सिंह का हाथ पकड़ लिया और जान से मारने की नीयत से गाड़ी उनके ऊपर चढ़ा दी।

यूट्यूबर, ड्रीम इलेवन टीम बनाने वाले के ठिकानों पर ईडी का छापा

संवाददाता, नवाबगंज, उन्नाव

अमृत विचार। विकासखंड क्षेत्र के गांव खजूर निवासी पूर्व प्रधान लक्ष्मी नाथ द्विवेदी के बेटे अनुराग द्विवेदी ने दुबई में पानी के जहाज पर शादी की और कस्बे से 30 लोगों को हवाई जहाज से बुलाया था। तभी से वह केंद्रीय एजेंसी के रडार पर था। बुधवार सुबह 6 बजे खजूर स्थित उसके पैतृक गांव में प्रवर्तन निदेशालय की 16 सदस्यीय टीम पंहुची। इसकी जानकारी कस्बे में रहने वाले चाचा को हुई तो वो घर से चले गये और करीब 12 बजे वापस आये। टीम ने उसके लखनऊ स्थित फ्लैट पर भी छापेमारी की। बताते हैं कि वह यूट्यूबर होने के साथ ड्रीम एलेवन में भी टीम बनाकर करोड़ो के वारे न्यारे कर रहा था। इसकी जांच के लिये ये टीम आई है। इसे लेकर क्षेत्र चर्चाओं का बाजार गर्म है।

बता दें कि कस्बे के खजूर गांव निवासी पूर्व प्रधान लक्ष्मी नाथ द्विवेदी का बेटा अनुराग करीब 4 साल से आनलाईन सट्टेबाजी में लगा था। पहले उसने खुद पैसा लगाकर कमाने का प्रयास किया और बाद में ड्रीम एलेवन के लिये टीम बनाकर लोगों को इंटरनेट मीडिया के माध्यम से बेचने लगा। जिससे वह काफी पापुलर हो गया और कई लोगों की मदद भी करने लगा। नगर पंचायत में गरीबों की मदद के लिये एम्बुलेंस भी दी थी और हर साल कंबल वितरण करता था। जिससे वह परिवार व क्षेत्र में चर्चा में रहता था। बताते हैं कि प्रवर्तन निदेशालय के रडार में आने पर वह अपने खातों को बंद कर करीब एक साल पहले दुबई चला गया। तब से वह वहीं रहता था। करीब 20 दिन पहले उसने दुबई में एक पानी के जहाज पर शादी की। जिसमें कई बालीवुड की हस्तियां भी शामिल हुईं थीं और कस्बे से 30 लोग हवाई जहाज से गये थे। जहां से वापस आने पर लोग उसकी कहानी बता रहे थे। इसके बाद वह और चर्चा में आ गया और केन्द्रीय एजेन्सी के रडार पर आ गया। बुधवार सुबह करीब 6 बजे उसके पैतृक आवास खजूर में प्रवर्तन निदेशालय की 3 गाड़ियां पंहुची और सभी को अन्दर बंद कर जांच शुरू कर दी। टीम उसके नवाबगंज आवास पहुंची तो वहां ताला लगा मिला। जिस पर सीआरपीएफ के जवानों ने वहां डेरा डाल दिया और साथ आये अधिकारी किसी से वार्ता करते रहे। करीब 12 बजे यहां अनुराग के चाचा पप्पु द्विवेदी आये और ताला खोला।

अनुराग के गांव के गांव मजरा खजूर में घर के बाहर खड़ी ईडी की गाड़ियां।

आयोजन

उच्च प्राथमिक विद्यालय काजी बेहटा में हमारा आंगन-हमारे बच्चे उन्मुखीकरण कार्यक्रम

शिक्षा से ही होगा देश का विकास : साकेंद्र

संवाददाता, फतेहपुर, बाराबंकी

अमृत विचार : देश की उन्नति के लिए बच्चों का शिक्षित होना आवश्यक है। इसी उद्देश्य को लेकर बुधवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय काजी बेहटा में हमारा आंगन-हमारे बच्चे उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में भाजपा विधायक साकेन्द्र प्रताप वर्मा ने कहा कि बच्चे भारत का भविष्य हैं, उनका विकास सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बच्चों के भविष्य को सशक्त बनाने के लिए अपनी पूर्ण तत्परता जताते हुए कहा कि वह केंद्र और राज्य सरकारों की नीतियों को लागू करने में हर संभव योगदान देंगे। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बच्चों के लिए एक प्रेरक शेर भी पढ़ा, जिससे कार्यक्रम स्थल तालियों से गूंज उठ गया। कार्यक्रम में नवागत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार पाठक और खंड शिक्षा अधिकारी सुषमा सेंगर भी उपस्थित रही। सुषमा सेंगर ने कहा कि नई गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को लगातार सीखने और विकसित होने के अवसर मिल रहे हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार पाठक ने अपने वक्तव्य में बेसिक शिक्षा परिवार के साथ सहयोग और समन्वय बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग के हर शिक्षक और छात्र के साथ मिलकर काम करना उनका लक्ष्य है। कार्यक्रम का संचालन शिव शंकर सिंह ने किया। विधायक साकेन्द्र प्रताप वर्मा ने इस मौके पर 2.70 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया।

कार्यक्रम में मौजूद विधायक साकेन्द्र प्रताप वर्मा। ● अमृत विचार

खेल प्रतियोगिता का आयोजन 24 से

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : विधानसभा दरियाबाद क्षेत्र के युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर मिलने जा रहा है। उपजिलाधिकारी रामसनेहीघाट के निर्देश पर 24 और 27 दिसंबर को मिनी स्टेडियम धरौली, में विधानसभा स्तरीय खेल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, वॉलीबाल, कबड्डी, कुश्ती और बैडमिंटन जैसी खेल विधाओं में पुरुष और महिला वर्ग के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इसमें सरकारी-निजी विद्यालयों के छात्र तथा ग्रामीण क्षेत्र के युवक-युवतियां भाग ले सकेंगे। प्रतिभागियों के लिए युवा साथी पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा।

एसिड बिक्री से जुड़े मामले स्वतः संज्ञान में परिवर्तित

विधि संवाददाता, प्रयागराज, अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश में एसिड की बिक्री के प्रतिबंध और विनियमन से जुड़ी वर्ष 2014 की एक जनहित याचिका को स्वतः संज्ञान कार्यवाही में परिवर्तित कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि केवल याची की इच्छा के आधार पर ऐसी याचिका को समाप्त करना न्याय के हित को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। इसके साथ ही कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि कोर्ट मूल याची की मंशा का आकलन नहीं कर सकती। लेकिन यदि ऐसी वास्तविक जनहित याचिका को याची की इच्छा पर वापस लेने की अनुमति दी जाती है तो यह न्याय के हितों को प्रभावित कर सकता है, क्योंकि यह कोई विरोधी कार्यवाही नहीं, बल्कि जनहित याचिका है। उक्त टिप्पणी न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति विवेक सरन की खंडपीठ ने मूल याची अनुभव वर्मा द्वारा मुकदमे की कार्यवाही से हटने की इच्छा जताने पर की। कोर्ट ने तत्काल रजिस्ट्री को निर्देश दिया कि मामले को जारी रखते हुए इसे स्वतः संज्ञान जनहित याचिका के रूप में पुनः पंजीकृत किया जाए, साथ ही कोर्ट की सहायता के लिए बतौर एमिकस क्यूरी अधिवक्ता आकांक्षा मिश्रा और उत्कर्षिणी सिंह को नियुक्त किया गया। कोर्ट ने राज्य सरकार को इस प्रावधान की समीक्षा कर उपचार को सुलभ बनाने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने मुआवजे की राशि पर भी सवाल उठाते हुए टिप्पणी की थी कि यह पुनर्विचार आवश्यक है कि क्या तीन लाख रुपये एसिड अटैक में न्याय के उद्देश्यों को पूरा कर सकते हैं, जहां पीड़ितों को बार-बार सर्जरी, दीर्घकालिक उपचार की आवश्यकता होती है। हालांकि याचिका लंबित रहने के दौरान राज्य सरकार ने उप्र विष (कब्जा और बिक्री) नियम, 2014 अधिसूचित कर दिए थे, लेकिन कोर्ट ने स्पष्ट चेतावनी दी थी कि केवल नियम बनाना पर्याप्त नहीं है। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि नियमों का सख्ती से पालन हो।

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 18 दिसंबर 2025

पूर्वांचल

दो हाथियों को कतर भेज नेपाल ने आपसी रिश्ते को किया मजबूत

विरासत, संरक्षण तथा कूटनीति को बढ़ावा देने के लिए नेपाल का सराहनीय प्रयास

निजाम जिलानी, सिद्धार्थनगर (ककरहवा बॉर्डर)

कतर को इन्हीं हाथियों को उपहार स्वरूप भेजने की तैयारी की गयी है।

क्रेन की मदद से हाथियों को हवाई अड्डे के परिसर में उतारा गया। अमृत विचार

अमृत विचार। भारत व नेपाल सीमा पर ककरहवा पड़ता है। नेपाल में प्रवेश करते ही सुरम्य वादियां व प्राकृतिक दृश्य दिखने लगते हैं। नेपाल के जंगलों में विचरने वाले एशियाई हाथी भी दिखते हैं। पूर्व में हुई वार्ता व समझौते के बाद नेपाल सरकार कतर को हवाई जहाज से दो हाथी उपहार स्वरूप भेजने की तैयारी कर ली गई है।

अप्रैल 2021 मे क़तर के अमीर (राजा) शेख़ तमीम बिन हमद अल थानी की नेपाल यात्रा के दौरान नेपाल सरकार ने क़तर को उपहार स्वरूप दो हाथी देने पर सहमति जताई थी। दोनों हाथी यानी खोंड प्रसाद (नर) और इरकली (मादा) को बोइंग 777 चार्टर विमान से क़तर भेजने की तैयारी में है। सुबह करीब छह बजे क्रेन की मदद से हाथियों को हवाई अड्डे के परिसर में उतारा गया है। हाल के दिनों में नेपाल द्वारा क़तर को उपहार स्वरूप दो हाथियों को भेजे जाने की घटना ने इन हाथियों को एक बार फिर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला दिया है। नेपाल सरकार इसे "कंज़र्वेशन डिप्लोमेसी" यानी संरक्षण आधारित कूटनीति का हिस्सा मानती है। नेपाल के ज़्यादातर युवा कामगार कतर मे रहते हैं। इस उपहार से नेपाल और क़तर के संबंधों को नई ऊंचाई मिलेगी। नेपाल इन हाथियों को किसी अन्य देश को उपहार स्वरूप देता है, तो वह केवल एक जानवर नहीं भेज रहा होता, बल्कि अपनी जैव विविधता की विरासत और साझा भविष्य का संदेश भेजता है। नेपाल और क़तर के बीच आपसी स्नेह बताता है कि प्रकृति से जुड़कर भी अन्तरदेशीय रिश्ते बनाए जा सकते हैं।

कक्षा 1 से 8 तक के विद्यालयों का समय बदला

संतकबीरनगर, अमृत विचार। शीतलहर को देखते हुए डीएम आलोक कुमार ने जिले में कक्षा 1 से 8 तक के सभी परिषदीय, अशासकीय सहायता प्राप्त एवं मान्यता प्राप्त स्कूलों के संचालन समय में परिवर्तन किया गया है। डीएम ने बताया है 18 दिसंबर से स्कूल सुबह 10 बजे दोपहर 3 बजे तक चलेंगे। यह व्यवस्था अगले आदेश तक लागू रहेगी। डीएम ने शिक्षा विभाग सहित सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाए। साथ ही विद्यालय प्रबंधन को बच्चों की सुरक्षा व स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए गए हैं।

नगर पंचायत शोहरतगढ़ में हुआ विशाल हिंदू सम्मेलन

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत शोहरतगढ़ कस्बे के भारत माता चौक पर बुधवार को हिन्दू सम्मेलन समिति की ओर से विशाल हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। बतौर वक्ता राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सह विभाग प्रचारक अजीत ने जाति-पाति की करो विदाई हिन्दू-हिन्दू, भाई-भाई के स्लोगन के साथ हिन्दू एकता पर बल देते हुए कहा कि संघ यह प्रेरित करता हैं कि हिन्दू समाज को छोटे-बड़े का भेद-भाव मिटाकर सभी को साथ लेकर चलना चाहिए। जब हम सभी एकजुट होंगे तो हम अपने समाज को आगे बढ़ा सकते हैं और देश की प्रगति में योगदान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सहभोज नहीं सहज़ भोज होना चाहिए, यह एकता और समरसता का सन्देश देता है। हमें भारत माता का ही यशगान गाना चाहिए, क्योंकि इसी धरती माता ने हमको बड़ा किया है। यह एकता और प्रेम का संदेश देता है, जो हमें अपने देश और संस्कृति के प्रति गर्व महसूस कराता है।

खाद की कालाबाजारी हुई तो लाइसेंस होगा निलंबित: डीएम

एसडीएम के साथ खाद की दुकानों और समितियों का किया निरीक्षण

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। यूरिया के लिए परेशान किसानों की समस्याओं को देखते हुए डीएम एवं एसडीएम ने खाद की दुकानों व समितियों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम शिवशरणप्पा जीएन द्वारा मेसर्स संजय ट्रेडिंग कम्पनी चिल्हियां सहित एसडीएम विवेकानंद मिश्रा ने चोड़ार चौराहा पर स्थित अंशिका फर्टिलाइजर की दुकान पर पहुंचकर स्टाक रजिस्टर व किसानों के आधार कार्ड नम्बर की जांच किया। डीएम द्वारा किसानों से दूरभाष से वार्ता किया गया। सब ठीक पाया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया गया कि खाद वितरण निर्धारित दर पर किया जाये। डीएम ने कहा कि किसानों को अनावश्यक रूप से परेशान न करें। वहीं एसडीएम ने बभनी व महादेवा चौराहा पर स्थित साहब खाद भण्डार, जितेन्द्र खाद भण्डार, वाल्मिकी द्विवेदी खाद भण्डार का निरीक्षण किया। वहीं खाद लेने आये किसानों से वार्ता की और रजिस्टर पर आधार का मिलान किया। कमी न मिलने पर सभी दुकानदारों को चेतावनी देते हुए कहा कि नेपाल बार्डर काफी नजदीक है, ऐसे में तस्करों के हाथों बिक्री व किसानों को कालाबाजारी करते हुए पाया गया तो लाइसेंस तत्काल निलंबित कर दिया जायेगा। एसडीएम महदेवा नानकार साधन सहकारी समिति पर पहुंचे सचिव ज्वाला सिंह से यूरिया वितरण की जानकारी ली और वितरण रजिस्टर जांच की। एसडीएम ने सचिव को निर्देश देते हुए कहा कि किसानों के साथ अच्छा व्यवहार करें।

सीएम को खाद की समस्या से कराया गया अवगत।

जनपद में खाद की किल्लत से सीएम को कराया अवगत

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिले में खाद संकट लगातार गहराता जा रहा है। हालात यह हैं कि किसान निजी दुकानों से अधिक दाम पर खाद खरीदने को विवश हैं, जबकि कृषि विभाग जिले में पर्याप्त खाद उपलब्ध होने का दावा कर रहा है। खाद की इस गंभीर समस्या और कालाबाजारी को लेकर मामला अब सीधे मुख्यमंत्री तक पहुंच गया है। जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष कुंवर विक्रम सिंह की अगुवाई में अन्य जिलों के डीसीबी चेयरमैन लखनऊ पहुंचकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले और जिले में हो रही खाद की कालाबाजारी की जानकारी दी।

तारीख पेशी– 19.12.2025

हेतु संदर्भित करने की सूचना (साधारण प्रारूप)

न्यायालय S.D.M. स्थान– रामनगर, जिला– बाराबंकी

वाद संख्या– .....

अं. धारा 116, उ0प्र0 रा0सं0

शैलैन्द्र प्रताप सिंह ... वादी

बनाम

लालता आदि ... प्रतिवादी

लालता पुत्र जियालाल निवासी– हरक्का, पर0 व तह0 रामनगर, जिला बाराबंकी आदि। चूंकि उपरिनामांकित वादी को इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि अं0 धारा 116 बंटवारा अतएव आपको एतद्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए सन् 2025 ई0 के 12 के दिवस को 19 बजे पूर्वाहन में स्वयं या सम्यकरूपेण अनविष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज 17.12.2025 दिवस को निकाली गयी।

न्यायाधीश

एडीएम ने बैठक में सुनीं पेंशनरों की समस्याएं

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। पेंशनर्स दिवस के मौके पर जिले के पेंशनरों की हुई बैठक में एडीएम गौरव श्रीवास्तव ने उनकी समस्याएं सुनीं। इस मौके पर विभिन्न पेंशनर्स संगठनों की दिए गए ज्ञापन का बिंदुवार निस्तारण का भरोसा दिया।

विकास भवन में वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेंद्र कुमार मौर्य की अध्यक्षता में हुई बैठक में अधिकारी ने प्रत्येक माह वरिष्ठ कोषाधिकारी संग पेंशनर्स संगठनों के प्रतिनिधि के साथ बैठक करने का निर्देश दिया। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स सेवा संस्थान के मंडल अध्यक्ष विजय कुमार वर्मा की ओर से सौंपे गए ज्ञापन में भुगतान प्रमाणपत्र के मामले में अनावश्यक परेशान न करने, 80 वर्ष के उपर अतिरिक्त पेंशन का लाभ देने, पारिवारिक पेंशन के मामले में गवाही आदि में परेशान न करने, विशेष रूप से राजस्व विभाग से जुड़े पेंशनर्स के चिकित्सा प्रतिपूर्ति भुगतान की पत्रावली लंबित न करने आदि बिंदु शामिल थे।

मनरेगा बदलावों के विरोध में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

संतकबीरनगर, अमृत विचार। केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना में प्रस्तावित बदलावों के विरोध में कांग्रेस ने कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण चंद्र पांडेय के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शन के बाद कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी आलोक कुमार को राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने महात्मा गांधी के चित्र के साथ नारेबाजी करते हुए केंद्र सरकार की नीतियों का विरोध किया। जिलाध्यक्ष प्रवीण चंद्र पांडेय ने कहा कि मनरेगा विश्व की सबसे प्रभावी रोजगार गारंटी योजनाओं में से एक है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में मजदूरों को साल में 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराने की गारंटी देती है।

कार्यालय निदेशक, नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ

पत्र सं0– /मासांहारी वन्य जीवों के दैनिक आहार आपूर्ति निविदा सूचना (25–26)/लखनऊ, दिनांकः दिसम्बर, 2025

ई–निविदा की आंमत्रण सूचना

नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ के मासांहारी वन्य जीवों के दैनिक आहार हेतु एक वर्ष की अवधि के लिये भैंसे के गोश्त एवं पडवें की आपूर्ति हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदादाता दिनांक 19.12.2025 को प्रातः 10:00 बजे से दिनांक 26.12.2025 को प्रातः 10:00 बजे तक वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर निविदा प्रपत्र ऑनलाइन डाउनलोड कर अपलोड कर सकते है। निविदादाता को ई–निविदा में भाग लेने हेतु निविदा शुल्क रू0 23,804/– (18 प्रतिशत जी0एस0टी0 सहित) का डिमाण्ड ड्राफ्ट तथा अर्नेस्ट मनी के रूप में रू0 1,44,500/–का एफ0डी0आर0 जो निदेशक, प्रिन्स आफ वेल्स जुलोजिकल गार्डेन्स ट्रस्ट, लखनऊ के नाम निरूपित हो, के रूप में एक लिफाफे में सील कर **"मैंसा गोश्त आपूर्ति"** लिखकर दिनांक 26.12.2025 को सांयः 05:00 बजे तक निदेशक, प्राणि उद्यान, लखनऊ के कार्यालय में देना अनिवार्य है। निविदा दिनांक 27.12.2025 को अपराह्न 12:00 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में निविदा समिति द्वारा आनलाइन विधि से खोली जायेगी।

किसी एक अथवा समस्त निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार निदेशक, नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ को होगा।

(अदिति शर्मा)
निदेशक,
नवाब वाजिद अली शाह
प्राणि उद्यान, लखनऊ

UP-242516 दिनांक 16.12.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

ट्रेनों को दिया जाएगा अतिरिक्त ठहराव

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु 15269/15270 मुजफ्फरपुर–साबरमती–मुजफ्फरपुर जनसाधारण एक्सप्रेस का पश्चिम रेलवे के कलोल स्टेशन पर 02 मिनट का अतिरिक्त ठहराव निम्नवत प्रदान किया जायेगा। मुजफ्फरपुर से 18 दिसम्बर, 2025 से चलने वाली 15269 मुजफ्फरपुर–साबरमती जनसाधारण एक्सप्रेस कलोल स्टेशन पर 05 .53 बजे पहुँचकर 05 .55 बजे छूटेगी। साबरमती से 20 दिसम्बर, 2025 से चलने वाली 15270 साबरमती–मुजफ्फरपुर जनसाधारण एक्सप्रेस कलोल स्टेशन पर 18 .28 बजे पहुंचकर 18 .30 बजे छूटेगी।

पीपीआई ने रफीक सलमानी को बनाया बाराबंकी का जिला प्रभारी

संतकबीरनगर, अमृत विचार। धौरहरा स्थित पीस पार्टी के राष्ट्रीय एकता भवन में बुधवार को बाराबंकी से आए कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद अयूब (सर्जन) के निर्देशन एवं राष्ट्रीय महासचिव अफरोज बादल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में रफीक सलमानी को पीस पार्टी का बाराबंकी जिला प्रभारी नियुक्त किया गया, जबकि जफर अंसारी को जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा मोहम्मद इमरान कुरैशी को जिला उपाध्यक्ष तथा मोहम्मद शहजाद को नगर अध्यक्ष मनोनीत किया गया। पदाधिकारियों के चयन पर उपस्थित कार्यकर्ताओं ने खुशी जताते हुए बधाई दी। राष्ट्रीय महासचिव अफरोज बादल ने कहा कि रफीक सलमानी लंबे समय से समाज सेवा और किसान मोर्चा से जुड़े रहे हैं, जबकि जफर अंसारी कांग्रेस पार्टी छोड़कर पीस पार्टी में शामिल हुए हैं। उनके जुड़ने से पार्टी को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी।

उत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन आमंत्रित किया जाता है।

Admin Unit/Zone	Lucknow-NR-Division-Commercial/Northern Railway
Auction catalogue No./Lot no.	Catering2612
Description of Work	Allotment of catering Stall at various stations of Lucknow Division, Northern Railway for the period of 05 years.
Catalogue Published on	11.12.2025
Auction Start (All Lots)	26.12.2025 at 11:00 hrs.
Auction close Date/Time	26.12.2025 at 12:00 hrs.
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

Details of catering stalls to be auctioned are as under:-

SN	Station	Lot No	Stall ID	Close Date/Time	Quota	Sub Quota
1	LALGANJ	Catg-LKO-LLJ-GMU-197-25-1	LLJ/PF-1/36/ADDL	26.12.2025 at 11:30 hrs.	GMU	
2	PHAPHAMAU	Catg-LKO-PFM-GMU-196-25-1	PFM/PF-1/44/ADDL	26.12.2025 at 11:40 hrs.	GMU	
3	KUNDA HARNAMGANJ	Catg-LKO-KHNM-GMU-74-24-1	KHNM/PF-1/31/ADDL	26.12.2025 at 11:50 hrs.	GMU	
2	PHULPUR	Catg-LKO-PLP-SMU-66-24-1	PLP/PF2&3/222/ADDL	26.12.2025 at 12:00 hrs.	SMU	OBC

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3889/2025

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- **Faculty of Medical Sciences** (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- **Faculty of Nursing** M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- **Faculty of Dental Sciences** (All Specilities)
- **Humanities and Journalism** English
- **Faculty of Pharmacy**
- **Faculty of Management**
- **Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences)** (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

दोहरीकरण व विद्युतीकरण कार्य का निरीक्षण करते रेल संरक्षा आयुक्त।

रेल संरक्षा आयुक्त ने किया दोहरीकरण और विद्युतीकरण कार्य का निरीक्षण

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल पर दोहरीकरण एवं विद्युतीकरण परियोजनाओं के साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास का क्रम निरन्तर जारी है। इसी क्रम में वाराणसी मंडल के भटनी–औड़िहार रेलखण्ड पर दुल्लहपुर–मऊ (21 किमी) खण्ड का विद्युतीकरण सहित दोहरीकरण कार्य पूर्ण होने के बाद 17 दिसंबर को रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर पूर्व सर्किल प्रणजीव सक्सेना ने संरक्षा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में उनके साथ पूर्वोत्तर रेलवे के प्रमुख मुख्य इंजीनियर नीलमणि, मंडल रेल प्रबंधक, वाराणसी आशीष जैन, कार्यकारी निदेशक विकास चन्द्रा, मुख्य परियोजना प्रबंधक आशुतोष शुक्ला सहित मुख्यालय, मंडल तथा रेल विकास निगम लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर पूर्व सर्किल प्रणजीव सक्सेना ने दुल्लहपुर स्टेशन पर विद्युतीकरण के अनुरूप इलेक्ट्रानिक इंटरलॉकिंग, संरक्षा गियरों के बदलाव, रिले रूम के एक्सटेंशन, यार्ड में पड़ने वाले समपारों के दोहरीकरण के अनुरुप विस्तार तथा स्टेशन पर दोहरीकरण के अनुरूप प्लेटफार्मों एवं पैदल उपरिगामी पुल के विलयरेंस तथा मानक सूची और उपलब्धता के अनुसार यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया। उक्त जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैंने अपना नाम BAHIDDIN ANASARI से बदल कर WAHIDUDDIN रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **S/O: SIRAJUDDIN R/O: BHAWANIYAPUR RAMGARI NANPARA BAHRAICH UTTAR PRADESH - 271865**

सूचना
सूचित हो कि मेरा हाईस्कूल की मार्कशीट व प्रमाणपत्र जिसका अनुक्रमांक 2002352 वर्ष 2010 है और इण्टरमीडिएट की मार्कशीट जिसका अनुक्रमांक 1258084 वर्ष 2012 है, वास्तव में कहीं खो गयी है। **दया चन्द्र पुत्र उमेश चन्द्र निवासी– कपसेठी कवीं, चित्रकूट।**

सूचना
मैंने अपना नाम MOHAMMAD MUSTAKIM ANSARI से बदलकर MOHD MUSTKIM ANSARI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O-MOHD SHAHABUDDIN ANSARI ADD-H.No-477/929, AURI MORE JANTA PREES ANPARA AURI POST-ANPARA DIST-SONBHADRA - 231225 (U.P)**

सूचना
मैंने अपने पुत्र सुखदेव और पुत्रवधू सोनी पत्नी सुखदेव के गलत आचरण एवं चाल चलन के चलते संबंध विच्छेद कर समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उनके किसी भी कृत्य या लेनदेन से मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता या सरोकार नहीं होगा वह स्वयं जिम्मेदार होगें। **प्रेमचन्द पुत्र नन्हऊ व गुड्डी पत्नी प्रेमचंद निवासी –पिपरौली शिव, थाना– बेला, तहसील– बिधूना, जिला –औरैया।**

सूचना
सूचित हो कि मेरी पुत्री रिशिता सिंह के आधार कार्ड नं0– 465507147251 पर पुत्री का नाम वैभवी सिंह अंकित है। जबकि उसका सही नाम रिशिता सिंह है जो उसके अन्य अभिलेखों में दर्ज है। रिशिता सिंह एवं वैभवी सिंह दोनों मेरी पुत्री के ही नाम हैं। **अशोक कुमार सिंह पुत्र श्री रामबरन सिंह निवासी– रेलवे कालोनी म0नं0– आई0डी फैजाबाद, जिला अयोध्या।**

सूचना
सूचित हो कि मेरे पुत्र आदित्य प्रताप सिंह के हाईस्कूल वर्ष 2024 अनुक्रमांक 23156951 के अंकपत्र में उसकी जन्मतिथि त्रुटिवश 01/02/2007 अंकित हो गयी है जो कि गलत है। जबकि मेरे पुत्र की सही जन्मतिथि 01/01/2009 है जो उसके जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड में दर्ज है। अतः मेरे पुत्र के उपरोक्त हाईस्कूल अंकपत्र में उसकी सही जन्मतिथि 01/01/2009 दर्ज कर अंकपत्र की द्वितीय प्रति जारी की जाये। **सीमा सिंह पत्नी श्री ब्रजेश प्रताप सिंह निवासी– टी0वी0 टावर सिविल लाइन फतेहगढ़ जिला फर्रूखाबाद।**

बैठक सूचना
आयकर स्टाफ सहकारी आवास समिति लिमिटेड, विनायकपुर की वार्षिक सामान्य सभा की बैठक शनिवार, दिनाँक 03/01/2026 को संजय टेन्ट हाउस हाल, विनायकपुर, कानपुर में अपरान्ह 01:00 बजे से सम्पन्न होगी। समस्त सदस्यों की उपस्थिति प्रार्थनीय है।
सचिव

सूचना
मेरे पुत्र रेहान गाजी ने वर्ष 2022 में इंटरमीडिएट की परीक्षा हार्नर कालेज, महानगर से उत्तीर्ण की थी। विद्यालय से मिली टी.सी मकान बदलते समय कहीं गुम हो गई है। **जाकिर अली पुत्र श्री छोटे, निवासी म. नं.525/185, पुराना महानगर, लखनऊ।**

सूचना
सूचित हो कि मेरी पुत्री के डाकघर शाखा सिसेण्डी में सुकन्या समृद्धि योजना के खाते में उसका नाम अफरीका शुक्ला अंकित है, जो कि त्रुटिपूर्ण है। जबकि उसका सही नाम अग्रिमा शुक्ला उसके आधार कार्ड सं0– 962125107211 में अंकित है जो कि सत्य व सही है। अतः मेरी पुत्री के सुकन्या समृद्धि योजना खाता सं0– 010034037909 में उसका सही नाम अग्रिमा शुक्ला अंकित किया जाये। **सिम्पल शुक्ला पत्नी आयुष शुक्ला निवासिनी– ग्राम सिसेण्डी, पर0 निगोहां, तह0 मोहनलालगंज, लखनऊ।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मु0अ0सं0 1298/23 धारा 409/419/420/467/468/471 IPC थाना कोतवाली नगर जनपद– बाराबंकी से संबंधित अभि0 पवन सिंह S/O वीरेन्द्र कुमार R/O खसरा सं0 – 402 श्याम बिहार कालोनी निकट जुड़वा मन्दिर, फैजुल्लागंज थाना– मड़ियांव, जनपद– लखनऊ के विरूद्ध मुकदमा उपरोक्त में माननीय न्याया0 से NBW प्राप्त कर तलाश किया गया किन्तु न मिलने पर माननीय न्याया0 से अभि0 उपरोक्त के विरूद्ध कुर्की की उद्घोषणा अन्तर्गत धारा 82 C.P.C. दि0 23/06/2025 को प्राप्त कर तामिल कराया जा चुका है।

सूचना
सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र अमन मिश्र को उसके खराब आचरण एवं व्यवहार से प्रताड़ित होकर अपनी समस्त चल– अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कार्य व लेन–देन से मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। उसकी समस्त जिम्मेदारी मेरे पुत्र अमन मिश्र की होगी। **शिव नायक मिश्र पुत्र शोभ नाथ मिश्र निवासी ग्राम चुनहा शंकर पुरम् करौंदिया देहात जनपद सुलतानपुर।**

सूचना
मैंने अपना नाम FURAKAN था अब मैने बदलकर अपना नाम FURKAN रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **S/O- MOHAMMAD ISTIYAK R/O, 65 VILL JAMINA POST HADAHA BARABANKI - 225415**

सूचना
मैंने अपना नाम MOHAMMAD TAKASIR से बदल कर MOHD TAKSEER रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **S/O: AURANGJEB R/O: GRAM HULASGANJ MJRE PHOOLA SEMRAUTA AMETHI UTTAR PRADESH - 227405**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शैक्षिक अभिलेखों में मेरा नाम प्रिया यादव पुत्री रामपाल यादव अंकित है जो सत्य व सही है, जब कि आधार कार्ड में मेरा नाम प्रियंका देवी अंकित है जो गलत व त्रुटिपूर्ण है। जिसके स्थान पर मेरे आधार कार्ड 620704520051 में मेरा नाम प्रियंका देवी के स्थान पर प्रिया यादव होना चाहिए। **प्रिया यादव पुत्री रामपाल यादव निवासिनी ग्राम पूरे खजुरा पसकरवां, तहसील सलोन, जनपद रायबरेली, उत्तर प्रदेश**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि 1063257W Ex Hav. अंगद सिंह, पूर्व सैनिक, 49 ARMD REGT., Record Office, ARMD Corps, Ahmednagar (MH) के पुत्र प्रोहित सिंह की जन्मतिथि शैक्षिक अभिलेखों में 01.07.1992 अंकित है, जबकि सेना के प्रारंभिक अभिलेखों में जन्मतिथि 20.01.1989 दर्ज है। अतः संबंधित सभी अभिलेखों में जन्मतिथि 01.07.1992 को ही सही एवं मान्य माना जाए। **अंगद सिंह (पिता), उमा देवी (माता) निवासीः ग्राम व पोस्ट– सुरेंधा, जनपद– औरैया/इटावा –206252**

NOTICE
In the Army Record of my Late husband my Name and Date of Birth is mentioned as SAVATRI and 10/09/1945 which is incorrect. As per my documents AADHAR and PAN Card my correct name is SAVITRI DEVI and correct Date of Birth is 01/01/1945. Savitri Devi W/O Late IC/Army No. 1164421 Rank Naik Name Shiv Raj Singh R/O Village Khalifapur Masti, Post Manpur, Block Bawan, Tahsil Sadar, District Hardoi, Uttar pradesh, Pin- 241125 vide Affidavit Dated: 16/12/2025 Before Court of Hardoi.

न्यूज ब्रीफ

एनपीएस से निकाल सकेंगे 80% राशि

नई दिल्ली। पेंशन कोष नियामक पीएफआरडीए ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के निकासी और सेवानिवृत्ति संबंधी प्रावधानों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। इसके तहत अब गैर-सरकारी अंशदाता पेंशन कोष में जमा कुल राशि का अधिकतम 80 प्रतिशत हिस्सा निकासी के समय निकाल सकते हैं। पहले फंड निकासी की सीमा 60 प्रतिशत थी जबकि शेष 40 प्रतिशत राशि को नियमित पेंशन (एन्यूटी) खरीदने के लिए उपयोग करना पड़ता था। पेंशन कोष विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) की तरफ से जारी एनपीएस निकासी संशोधन नियम 2025 में यह महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है।

सुरक्षा कारणों से भारत ने ढाका में बंद किया वीजा आवेदन केंद्र

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका स्थित भारतीय वीजा आवेदन केंद्र (आईवीएसी) ने मौजूदा सुरक्षा स्थिति को देखते हुए बुधवार को अपना कार्यालय बंद कर दिया। ढाका के जमुना फ्यूचर पार्क (जेएफपी) में स्थित आईवीएसी राजधानी में सभी भारतीय वीजा सेवाओं के लिए मुख्य एवं एकीकृत केंद्र है। आईवीएसी ने कहा कि बुधवार को आवेदन जमा करने के लिए निर्धारित अपॉइंटमेंट स्लॉट वाले सभी आवेदकों के 'अपॉइंटमेंट' पुनर्निर्धारित किए जाएंगे।

भारत-यूएई अबू धाबी में करेंगे सैन्य अभ्यास

नई दिल्ली। भारत और संयुक्त अरब अमीरात की सेनाएं 18 से 30 दिसंबर तक एक संयुक्त अभ्यास में भाग लेंगी, जिसका उद्देश्य दोनों पक्षों के बीच रक्षा सहयोग को बढ़ावा देना है। भारतीय सेना का एक दल अबू धाबी में आयोजित होने वाले अभ्यास 'डेजर्ट साइक्लोन' के दूसरे संस्करण में भाग लेने के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के लिए रवाना हो गया है।

पोंजी घोटाले में ईडी ने दंपती को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। ईडी ने एक दंपती को 300 करोड़ रुपये से अधिक की बहुस्तरीय विपणन योजना (पोंजी घोटाला) की साजिश को अंजाम देकर लोगों से ठगी के आरोप में गिरफ्तार किया है। एजेंसी के मुताबिक 'मैक्सीजोन टच' नाम की कंपनी के निदेशक चंदर भूषण सिंह और उनकी पत्नी प्रियंका को मंगलवार को झारखंड के रांची में पीएमएलए के हिरासत में लिया। झारखंड पुलिस ने भी कुछ महीने पहले उन्हें गिरफ्तार किया था। दंपती पर उच्च मासिक रिटर्न पर आकर्षक लाभों का वादा करके लोगों के साथ बड़ी धोखाधड़ी की थी।

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी वाला विधेयक लोकसभा में पारित

सरकार ने नाभिकीय ऊर्जा के संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन विधेयक को बताया ऐतिहासिक

नई दिल्ली, एजेंसी

- विपक्ष ने कहा- विधेयक में आपूर्तिकर्ता के उत्तरदायित्व का प्रावधान नहीं

लोकसभा ने परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी की अनुमति देने के प्रावधान वाले विधेयक को विपक्ष के विरोध के बीच बुधवार को मंजूरी प्रदान की। सरकार ने 'भारत के रुपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन (शांति) विधेयक, 2025' को ऐतिहासिक करार दिया है तो विपक्ष ने आरोप लगाया कि इसमें आपूर्तिकर्ता के उत्तरदायित्व का प्रावधान नहीं है तथा यह संवेदनशील क्षेत्र में निजी कॉरपोरेट समूहों के लिए रास्ता खोलने वाला है।

परमाणु ऊर्जा राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह के विधेयक पर चर्चा का जवाब देने के बाद सदन ने विपक्ष के संशोधनों को खारिज करते हुए इसे ध्वनिमत से स्वीकृति दे दी। जितेंद्र सिंह ने कहा कि इस विधेयक में कुछ ऐसे प्रावधान हैं, जो पहले भी थे, लेकिन विरोध के चक्कर में विपक्ष अपने समय के प्रावधानों का विरोध कर देते हैं। परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र के लिए 37 हजार करोड़ से अधिक का बजट है। यदि हमने 2047 तक 100 गीगावाट स्वच्छ ऊर्जा का लक्ष्य रखा है तो पूरा करने में परमाणु क्षेत्र महत्वपूर्ण है। सिंह ने कहा कि आज की दुनिया में अलग-थलग रहने का दौर खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि उन्हीं सुरक्षा उपायों को जारी रखा गया है जो प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के समय अमल में आए थे। सिंह ने यह भी कहा कि निजी क्षेत्र की भागीदारी होगी, लेकिन सुरक्षा का पूरा प्रबंध किया गया है। कुछ सदस्यों द्वारा 15 साल पहले भाजपा की ओर से अरुण जेटली द्वारा परमाणु ऊर्जा विधेयक के कुछ प्रावधानों का संसद में विरोध किए जाने का उल्लेख करने पर मंत्री ने कहा कि अब समय बदल गया है। मंत्री ने कहा कि नुकसान की स्थिति में संचालक को भरपाई करनी होगी तथा परमाणु उत्तरदायित्व कोष होगा। अब भारत अनुसरण नहीं करता है, बल्कि लोग भारत का अनुसरण करते हैं। सिंह ने कहा कि वह परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में नेहरू जी के योगदान को स्वीकार करते हैं। कांग्रेस, द्रमुक, सपा समेत कुछ विपक्षी दलों ने मंत्री के जवाब पर असंतोष जताया।

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में भाषण देते राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह।

भाजपा ने कार्यक्रम को बेपटरी करने का प्रयास किया

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि इसे विस्तृत विचार-विमर्श के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि 2008 में जब परमाणु रंगभेद की नीति को खत्म करने का प्रयास हो रहा था तो भाजपा ने मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाकर भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम को पटरी से उतारने का प्रयास किया था। तिवारी ने दावा किया कि भारत के रुपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन (शांति) विधेयक में आपूर्तिकर्ता के उत्तरदायित्व का कोई प्रावधान नहीं है।

परमाणु अपशिष्ट जोखिम को किया गया नजरअंदाज

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने दावा किया कि विधेयक में रेडियोधर्मी पदार्थों के विकिरण और परमाणु अपशिष्ट से उत्पन्न होने वाले जोखिम को नजरअंदाज किया गया है। टीएमसी, द्रमुक और कई विपक्षी सदस्यों ने विधेयक का विरोध करते हुए इसे संसदीय समिति के पास भेजने की मांग उठाई। सिंह ने 15 दिसंबर को यह विधेयक लोकसभा में पेश किया था। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 11 दिसंबर को इसको मंजूरी दी थी। विधेयक के उद्देश्यों और कारण के अनुसार, इसका मकसद परमाणु ऊर्जा के संवर्धन एवं विकास का प्रावधान करना, परमाणु ऊर्जा उत्पादन तथा स्वास्थ्य देखभाल, खाद्य, जल, कृषि, उद्योग, अनुसंधान, पर्यावरण, परमाणु विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार के लिए इसका अनुप्रयोग सुनिश्चित करना है।

अप्रचलित और पुराने कानूनों को निरस्त करने वाला विधेयक मंजूर

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद ने बुधवार को अप्रचलित और पुराने हो चुके 71 कानूनों को समाप्त करने या संशोधित करने के प्रावधान वाले 'निरसन और संशोधन विधेयक, 2025' को मंजूरी दे दी। राज्यसभा ने इस विधेयक पर संक्षिप्त चर्चा और कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के जवाब के बाद इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा इस विधेयक को कल ही पारित कर चुकी है।

उच्च सदन में विधेयक पर मेघवाल ने कहा कि 2014 में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद लगातार कानून बनाए जा रहे हैं, अनावश्यक कानूनों को निरस्त तथा कुछ में आवश्यकतानुसार संशोधन किया जा रहा है। उक्त विधेयक गुलामी के अंशों से मुक्ति पाने, विकसित भारत, विरासत पर गर्व करने, एकजुट रहने और कर्तव्य भाव को बढ़ाने के प्रधानमंत्री मोदी के 'पंच प्रण' के तहत लाया गया है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के माध्यम से छह अधिनियमों को निरस्त किया जाएगा और 65 में संशोधन किया जाएगा। विधेयक पर चर्चा में भाग लेते समय कांग्रेस के विवेक तन्खा द्वारा इसमें 'औपनिवेशिक' शब्द पर आपत्ति जताये जाने का जिक्र करते हुए मेघवाल ने कहा कि 1925 का भारतीय उत्तराधिकार कानून है, वह भारत की संसद में पारित नहीं है तो उसे औपनिवेशिक नहीं तो और क्या कहा जाए? उन्होंने इस कानून के एक प्रावधान को भेदभावपूर्ण बताया। मेघवाल ने कहा कि इस कानून में प्रावधान है कि कलकत्ता, मद्रास और बंबई प्रेसिडेंसी के न्याय क्षेत्राधिकार की कोई वसीयत होगी तो उसमें हिंदू, सिख, जैन, बौध और पारसी समुदाय के लोगों को प्रशासन पत्र (प्रोबेट) लेना होगा, और यह काम मुस्लिम करेगा तो उसे प्रशासन पत्र नहीं लेना होगा।

कानून मंत्री ने कहा कि यह भेदभावपूर्ण प्रावधान था जिसे हम हटा रहे हैं। संविधान कहता है कि जाति, धर्म के आधार पर भेद नहीं होगा। कोई भेदभावपूर्ण प्रावधान है तो नरेन्द्र मोदी जी के शासन में किताबों में नहीं रह सकता। कहा कि कुछ कानूनों में रजिस्टर्ड पोस्ट का उल्लेख है किंतु अब रजिस्टर्ड पोस्ट सेवा बंद हो चुकी है। मेघवाल ने कहा कि सरकार ने सुधारों की प्रक्रिया में मई 2014 से अब तक 1,577 अप्रचलित कानूनों को निरस्त किया है।

कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल

- राज्यसभा में कानून मंत्री मेघवाल के जवाब के बाद ध्वनिमत से किया पारित
- विधेयक के माध्यम से छह अधिनियमों को निरस्त और 65 में संशोधन किया जाएगा

कर्म को कुशलतापूर्वक करना ही योग : मुरली मनोहर जोशी

नई दिल्ली, एजेंसी

- द अनबिकमिंग के विमोचन समारोह में बोले पूर्व केंद्रीय मंत्री

पद्म विभूषण से सम्मानित पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि ऐसे समय में जब सिद्धांत, व्यवहार और प्रयोग पर प्रश्नचिन्ह लग रहे हैं तो कर्म का कुशलतापूर्वक निर्वहन ही योग है, हालांकि उस योग के जरिए उद्देश्य की प्राप्ति पर अहंकार का भाव नहीं होना चाहिए। डा.जोशी ने मंगलवार शाम को यहां पुस्तक द अनबिकमिंग के विमोचन समारोह में यह बात कही। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लेखक कार्तिकेय वाजपेयी ने 'द अनबिकमिंग' में क्रिकेट के प्रतीकों के माध्यम से एक महत्वपूर्ण समस्या का समाधान प्रस्तुत किया है।

उन्होंने विस्तार में जाए बिना कहा कि ऐसे समय में जब सिद्धांत, व्यवहार और प्रयोग पर प्रश्नचिन्ह लगे हैं तो कर्म का कुशलतापूर्वक निर्वहन ही योग है, लेकिन उस योग के जरिए उद्देश्य की प्राप्ति पर अहंकार का भाव नहीं होना चाहिए। डा.जोशी ने इसी क्रम में कहा कि अहंकार शून्य होना ही साधना है। पुस्तक की प्रस्तावना तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा और भूमिका स्वामी सर्वप्रियानंद ने लिखी है। इस अवसर पर पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी उपस्थित थे। पद्म विभूषण से सम्मानित, दार्शनिक और राजनेता डॉ. कर्ण सिंह ने उपन्यास के विषयों और भारत की दार्शनिक परंपरा के बीच निरंतरता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, "लोग अक्सर पूछते हैं कि सार्वजनिक जीवन और आध्यात्मिक जीवन को कैसे जोड़ा जा सकता है? पिछले 75 वर्षों के मेरे अनुभव के आधार पर यह पूरी तरह संभव है-बशर्ते व्यक्ति की भीतर के आत्मबोध और सार्वजनिक जीवन-दोनों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता हो। यह पुस्तक बाहरी जीवन और आंतरिक साधना में सामंजस्य बताती है।

दिल्ली में वाहनों की भीड़ कम करने को कार पूलिंग एप

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रदूषण नियंत्रण के लिए थर्ड पार्टी करेगी पीयूसीसी की निगरानी
- पर्यावरण मंत्री ने कहा-सिग्नल सिस्टम को भी कर रहे अपडेट

पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बुधवार को घोषणा की कि दिल्ली सरकार तृतीय-पक्ष निगरानी के जरिए प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) प्रणाली में सुधार करेगी, वाहनों की भीड़ कम करने के लिए एक कार-पूलिंग एप विकसित करेगी और यांत्रिक रूप से सड़क की सफाई करने वाली मशीनों और कूड़ा उठाने वाली मशीनों की खरीद के लिए 10 वर्षों में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को 2,700 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे।

सिरसा ने कहा कि सरकार दिल्लीवासियों को सवारी साझा करने के लिए प्रोत्साहित करने और सड़कों पर निजी वाहनों की संख्या कम करने के लिए एक 'कार-पूलिंग एप्लिकेशन' विकसित करने पर भी काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हम एक ऐसा कार-पूलिंग ऐप लाने की कोशिश कर रहे हैं जिसे लोग आसानी से डाउनलोड और उपयोग कर सकें। मंत्री ने कहा कि सरकार ने पूरे शहर में गड्ढों की निगरानी के लिए एक तृतीय-पक्ष एजेंसी को नियुक्त करने का निर्णय लिया है। प्रस्तावित प्रणाली के तहत, एजेंसी साल भर सर्वेक्षण करेगी, दिल्ली भर में यात्रा करेगी, गड्ढों की पहचान करेगी, तस्वीरें खींचेगी और अधिकारियों को डेटा प्रस्तुत करेगी।

उन्होंने बताया कि इस उद्देश्य के लिए दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) द्वारा निविदा जारी की गई है। मंत्री ने यह भी घोषणा की कि सरकार एकीकृत यातायात प्रबंधन प्रणाली विकसित करने के लिए यातायात पुलिस के साथ मिलकर काम कर रही है। उन्होंने कहा, वर्तमान में अगर लंबा जाम भी लग जाए, तो यातायात बत्ती कुछ समय के लिए लाल रहती है। इससे जाम और बढ़ जाता है। हम एक ऐसी प्रणाली पर काम कर रहे हैं जिससे जाम लगने पर यातायात सिग्नल के लाल रहने की अवधि कम की जा सके। मंत्री ने कहा कि सरकार यातायात प्रदूषण के प्रमुख केंद्रों की पहचान करने के लिए 'गूगल मैप्स' के साथ भी साझेदारी करेगी। उन्होंने बताया कि पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के कार्यकाल में प्रदूषण के 13 प्रमुख केंद्र थे जो अब बढ़कर 62 हो गए हैं। उन्होंने कहा कि हम वाहनों से होने वाले प्रदूषण के 100 प्रमुख केंद्रों की पहचान करने के लिए 'गूगल मैप्स' के साथ साझेदारी कर रहे हैं। इस तरह हम आवश्यक उपाय शुरू कर सकेंगे। सिरसा ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण के चार स्रोत हैं - वाहन प्रदूषण, औद्योगिक प्रदूषण, धूल प्रदूषण और ठोस अपशिष्ट प्रदूषण। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को सड़क की यांत्रिक सफाई करने वाली 70 मशीनों और पानी छिड़कने वाले यंत्र लगाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि शहर भर में कूड़ा बीनने वाले लगभग 1,000 उपकरण और पानी का छिड़काव करने वाले 300 यंत्र तैनात किए जा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि पड़ोसी राज्यों के साथ भी समन्वय किया जा रहा है।

दिल्ली में बुधवार को विजय चौक पर छाई धुंध।

गैर-बीएस6 वाहनों का प्रवेश रोकेंगे प्रवर्तन दल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण के गंभीर स्तर को देखते हुए दिल्ली के बाहर पंजीकृत गैर-बीएस6 वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध गुरुवार से लागू हो जाएगा, जिसके सख्त क्रियान्वयन के लिए शहर के प्रवेश बिंदुओं पर यातायात पुलिस के कर्मी और परिवहन विभाग के प्रवर्तन दल तैनात किए जाएंगे। अधिकारियों के मुताबिक, परिवहन विभाग के पास 78 से 80 प्रवर्तन दल हैं, जिन्हें कुंडली, रजोकरी, टिकरी, आया नगर, कालिंदी कुंज, औचंदी, मंडोली, कापसहेड़ा और बाजघेरा टोल/द्वारका एक्सप्रेसवे सहित अन्य प्रवेश बिंदुओं पर तैनात किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली में उन वाहन चालकों को पेट्रोल पंप पर ईंधन देने पर प्रतिबंध गुरुवार से प्रभावी हो जाएगा, जिनके पास वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र (पीयूसीसी) नहीं है। प्रतिबंध का सख्त क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए पेट्रोल पंप में यातायात पुलिस के कर्मी तैनात किए जाएंगे।

आरजी कर दुष्कर्म व हत्या का मामला कलकत्ता हाईकोर्ट भेजा

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज में प्रशिक्षु चिकित्सक के दुष्कर्म- हत्या मामले में अपने आदेशों के कार्यान्वयन की निगरानी को बुधवार को कलकत्ता हाईकोर्ट स्थानांतरित कर दिया। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कागजात हाईकोर्ट भेजने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि स्थिति रिपोर्ट की एक प्रति मृतका के माता-पिता को दी जानी चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने 2024 में इस मामले का स्वतः संज्ञान लिया था।

जूता फेंकने जैसी घटनाओं को रोकने के उपाय सुझाए

उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार और 'सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन' से पूर्व प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई पर जूता फेंकने के प्रयास जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने को उपाय सुझाने को कहा। साथ ही इसमें मीडिया को लेकर मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के सुझाव भी मांगे। प्रधान न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और एससीबीए अध्यक्ष विकास सिंह से सुझाव देने को कहा।

पांच हजार से अधिक सरकारी स्कूलों में एक भी छात्र का नामांकन नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में 10.13 लाख सरकारी विद्यालयों में से 5,149 विद्यालय में एक भी छात्र नहीं हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2024-25 शैक्षणिक वर्ष में जिन विद्यालयों में एक भी बच्चे ने नामांकन नहीं कराया, उनमें 70 प्रतिशत से अधिक स्कूल तेलंगाना और पश्चिम बंगाल में हैं।

शिक्षा मंत्रालय द्वारा हाल ही में संसद में साझा किए गए आंकड़ों से पता चला कि '10 से कम या शून्य नामांकन वाले' विद्यालयों में तीव्र वृद्धि हुई है। पिछले दो साल में ऐसे सरकारी विद्यालयों की संख्या में 24 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। शैक्षिणक वर्ष 2022-23 में इन विद्यालों की संख्या 52,309 से बढ़कर 2024-25 में 65,054 हो गई।

- तेलंगाना और पश्चिम बंगाल में 70 प्रतिशत विद्यालय

सरकार ने लोकसभा सदस्य कार्ति पी. चिदंबरम और अमरिंदर सिंह राजा वडिंग के प्रश्नों के लिखित उत्तर में कहा कि ये स्कूल अब देश के कुल सरकारी विद्यालयों का 6.42 प्रतिशत हैं। तेलंगाना में लगभग 2,081 ऐसे स्कूल हैं, जिनमें नामांकन नहीं है जबकि पश्चिम बंगाल में ऐसे 1,571 संस्थान हैं। तेलंगाना के नालगोंडा जिले में राज्य व देश में सबसे अधिक 315 खाली स्कूल दर्ज किए गए। महबूबाबाद में 167 और वारंगल में 135 ऐसे स्कूल हैं, जहां नामांकन शून्य है। ये आंकड़े 'यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस' से प्राप्त किए गए हैं। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में 211 सरकारी स्कूल हैं, जिनमें नामांकन नहीं है और ये देश में दूसरा सबसे अधिक है। पूर्वी मेदिनीपुर में 177 और दक्षिण दिनाजपुर में 147 ऐसे स्कूल हैं, जहां नामांकन शून्य है। पूरे भारत में वर्तमान में 1.44 लाख शिक्षक ऐसे सरकारी विद्यालयों में तैनात हैं, जिनमें 10 से कम छात्र हैं या कोई नामांकन नहीं है।

छत्तीसगढ़: पूर्व सीएम बघेल की उपसचिव रहीं सौम्या गिरफ्तार

रायपुर। ईडी ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कार्यालय में पदस्थ रहीं राज्य प्रशासनिक सेवा की निलंबित अधिकारी सौम्या चौरसिया को शराब घोटाले में गिरफ्तार कर लिया। बुधवार को उन्हें रायपुर स्थित विशेष अदालत में पेश कर ईडी ने आगे की जांच के लिए तीन दिन की हिरासत की मांग की। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया है।

सौम्या कोयला लेवी घोटाले में भी आरोपी हैं। इस मामले में उन्हें 2022 में गिरफ्तार किया गया था।

हेलीकॉप्टर रोमियो का दूसरा स्क्वाड्रन नौसेना में शामिल

पणजी, एजेंसी

- गोवा में नौसेनाध्यक्ष की मौजूदगी में दी गई सलामी

भारतीय नौसेना ने बुधवार को नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी की उपस्थिति में आईएनएस हंसा नौसैनिक अड्डे पर पनडुब्बी रोधी एमएच-60आर (रोमियो) हेलीकॉप्टरों के दूसरे स्क्वाड्रन-आईएनएएस 335 'ओस्प्रे' को सेवा में शामिल किया। स्क्वाड्रन को औपचारिक सलामी के बाद नौसेना में शामिल किया गया।

इस अवसर पर नौसेना प्रमुख ने कहा कि बढ़ते राष्ट्रीय समुद्री हितों की सुरक्षा के लिए समुद्री सुरक्षा को मजबूत करना आवश्यक है। सिंह ने कहा कि आज की यह शुरुआत एक बेहद महत्वपूर्ण क्षण में हो रही है - 2025 में भारत सरकार द्वारा 'फ्लीट एयर आर्म' के गठन को मंजूरी दिए जाने के 75 वर्ष पूरे हो गए। इस निर्णय से नौसेना की विमानन इकाई में गति आई जिससे हमारी नौसेना एक शक्तिशाली बल बन गई और हमें समुद्र में निर्णायक बढ़त प्राप्त हुई। नौसेना प्रमुख ने आगे कहा कि इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि ठीक 64 वर्ष पहले, वर्ष 1961 में 17/18 दिसंबर की रात को विजय अभियान शुरू किया गया था जिसके तहत भारतीय नौसेना के जहाज पुर्तगालियों से गोवा को मुक्त कराने के लिए उसमें प्रवेश कर गए थे।

पाठ्यक्रम में सुपाठ्य पर्चे लिखने का महत्व करें शामिल मेडिकल कॉलेज : एनएमसी

नई दिल्ली, एजेंसी

- स्वास्थ्य विभाग के सचिवों, प्रधान सचिवों, चिकित्सा संस्थानों के निदेशकों और डीन को भेजा था पत्र
- पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के 27 अगस्त को जारी किए आदेशों पर आयोग ने जारी किया निर्देश

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) ने सभी मेडिकल कॉलेजों को चिकित्सकों द्वारा पर्चे पर दवाओं के नाम समेत अन्य बातें लिखने के तौर-तरीकों की निगरानी के लिए उप-समितियां गठित करने और पाठ्यक्रम में सुपाठ्य तथा स्पष्ट पर्चे लिखने के महत्व को भी शामिल करने का निर्देश दिया है। एनएमसी ने 15 दिसंबर को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य विभाग के सचिवों और प्रधान सचिवों तथा इसके अधीन सभी चिकित्सा संस्थानों के निदेशकों और डीन को इस संबंध में एक पत्र भेजा था।

आयोग ने सूचित किया कि यह निर्देश पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा 27 अगस्त को जारी किए आदेशों पर आधारित हैं। न्यायालय के आदेशानुसार, एनएमसी को देश के सभी मेडिकल कॉलेजों और संस्थानों के पाठ्यक्रम के तहत दवा के पर्चों में स्पष्ट लिखावट के महत्व को अनिवार्य रूप से शामिल कर इसे सुदृढ़ करना होगा। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि चिकित्सा संबंधी सुपाठ्य पर्चा या दस्तावेज, संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत ''स्वास्थ्य के अधिकार'' का एक अभिन्न हिस्सा है। इसमें कहा गया कि प्रत्येक मेडिकल कॉलेज को औषधि एवं चिकित्सा समिति (डीटीसी) के अंतर्गत समर्पित उप-समिति बनानी होगी। यह समिति चिकित्सकों के पर्चों की निगरानी करेगी और वैधानिक, नियामक तथा नैतिक मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करेगी आयोग ने वर्तमान विनियमों का हवाला देते हुए मेडिकल कॉलेजों को सूचित किया है कि प्रत्येक चिकित्सक को दवाओं के जेनेरिक नाम स्पष्ट रूप से और अधिमानतः बड़े अक्षरों में लिखकर देने चाहिए।

खर्च का विश्लेषण | दिल्ली विधानसभा चुनाव के सिलसिले में एडीआर की रिपोर्ट

कांग्रेस ने प्रचार और सोशल मीडिया पर भाजपा से ज्यादा खर्च किया

नई दिल्ली, एजेंसी

- भारत निर्वाचन आयोग को दलों द्वारा सौंपे गए आंकड़ों से मिली जानकारी

दिल्ली में इस साल हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तुलना में कांग्रेस ने 'पार्टी प्रचार' और सोशल मीडिया पर अभियानों के लिए अधिक पैसा खर्च किया हालांकि पार्टी उम्मीदवारों पर खर्च के मामले में वह पीछे रही। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) द्वारा जारी आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है। भारत निर्वाचन आयोग में पार्टियों द्वारा प्रस्तुत चुनाव व्यय रिपोर्टों के विश्लेषण के अनुसार, भाजपा का कुल खर्च 57.65 करोड़ रुपये था जबकि कांग्रेस का खर्च 46.19 करोड़ रुपये था।

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के लिए एकत्रित कुल धनराशि के मामले में भाजपा 88.7 करोड़ रुपये के साथ पहले स्थान पर रही जबकि कांग्रेस का खर्च 64.3 करोड़ रुपये था। कुल 70 विधानसभा सीट पर हुए चुनाव में भाजपा ने 48 सीट पर जीत हासिल की जबकि कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत सकी। वहीं आम आदमी पार्टी (आप) ने 22 सीट पर जीत दर्ज की। एडीआर विश्लेषण के अनुसार, 'आप' ने पार्टी प्रचार पर 12.12 करोड़ रुपये और उम्मीदवारों पर 2.4 करोड़ रुपये खर्च किए, जिससे कुल खर्च 14.5 करोड़ रुपये हो गया। 'आप' ने सोशल मीडिया पर लगभग तीन करोड़ रुपये खर्च किए जबकि भाजपा ने केवल 5.26 लाख रुपये और कांग्रेस ने 5.95 करोड़ रुपये खर्च किए। भाजपा का कुल खर्च 57.65 करोड़ रुपये रहा, जो कांग्रेस के 46.19 करोड़ रुपये और 'आप' के 14.5 करोड़ रुपये से अधिक है।

भाजपा ने पार्टी प्रचार पर 39.14 करोड़ रुपये खर्च किए, जो कांग्रेस के 40.13 करोड़ रुपये से कम है लेकिन आम आदमी पार्टी द्वारा घोषित 12.12 करोड़ रुपये से अधिक है। अब तक नौ पार्टियों द्वारा घोषित आंकड़ों के अनुसार, उनका कुल खर्च 120.3 करोड़ रुपये रहा, जिसमें उम्मीदवारों पर खर्च किए गए 27 करोड़ रुपये शामिल हैं। भाजपा, कांग्रेस और आप के अलावा, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) एकमात्र ऐसी पार्टी थी, जिसने एक करोड़ रुपये से अधिक (1.8 करोड़ रुपये) खर्च किए।

चुनाव के दौरान सभी पार्टियों द्वारा एकत्रित कुल धनराशि 170.68 करोड़ रुपये रही। भाजपा ने 88.7 करोड़ रुपये, कांग्रेस ने 64.3 करोड़ रुपये और आम आदमी पार्टी ने 16.1 करोड़ रुपये एकत्र किये। अधिकांश धनराशि पार्टियों के केंद्रीय मुख्यालय स्तर पर एकत्रित की गई।

अमृत विचार

गुरुवार, 18 दिसंबर 2025

सफलता उन्हें ही मिलती है, जो साहस दिखाते हैं और काम करते हैं।

–**देव आनंद**, अभिनेता, फिल्मकार

चेतावनी देता हादसा

मथुरा के निकट यमुना एक्सप्रेसवे पर हुई भीषण सड़क दुर्घटना, जिसमें मरे तेरह लोगों में से दस के शव तक नहीं मिले, दिल दहलाने वाली है। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि हमारी सड़क-सुरक्षा व्यवस्था की सामूहिक विफलता का ज्वलंत और विद्रूप उदाहरण है। इसमें निर्दोष यात्रियों की जानें केवल वाहनों के टकराव से नहीं गईं हैं, बल्कि पूर्वानुमेय जोखिमों की भारी उपेक्षा से गईं। शून्य दृश्यता के बावजूद, तेज रफ्तार, भारी-हल्के वाहनों की मिली-जुली आवाजाही और किसी तरह की चौकसी का न होना, समय रहते लिए जा सकने वाले प्रशासनिक निर्णयों की अनुपस्थिति, आपराधिक लापरवाही- इन सबने मिलकर इस त्रासदी को जन्म दिया।

कहा जा सकता है कि इसका कारण बने कोहरे का हम क्या कर सकते हैं, बेशक कोहरा प्राकृतिक है, पर उसके प्रभाव का प्रबंधन, दुर्घटना से बचाव, मानव-निर्मित प्रणालियों का दायित्व है। जब दृश्यता शून्य के करीब थी, तब हाईवे संचालन को धुंध-क्षेत्र से पहले ही नियंत्रित किया जाना चाहिए था। सुरक्षित स्थानों पर वाहनों को रोकना, गति सीमा को सख्ती से लागू करना और चरणबद्ध तरीके से यातायात को बहाल करना- ये मानक प्रोटोकॉल हैं। सवाल यह है कि जब मौसम विभाग को क्षेत्र विशेष में कोहरे की सघनता का पूर्वानुमान होता है, तो उसे रियल-टाइम ट्रैफिक मैनेजमेंट से क्यों नहीं जोड़ा जाता? आज जाम, दुर्घटना या मरम्मत के अलर्ट तुरंत मोबाइल ऐप्स और इलेक्ट्रॉनिक साइनबोर्ड्स पर प्रसारित हो जाते हैं, तो कोहरे के लिए क्यों नहीं? जिन सेक्शनों में दृश्यता कम होने की आशंका थी, वहां पहले से चेतावनी, गति-सीमा में कटौती और अस्थायी अवरोध बनाकर वाहनों को रोका जा सकता था। राजमार्गों पर सुरक्षा की जिम्मेदारी बहु-स्तरीय है- केंद्र और राज्य सरकारें, सड़क निर्माता, नियामक और संचालन एजेंसियां। राष्ट्रीय राजमार्गों पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की भूमिका निर्णायक है, वहीं राज्य यातायात पुलिस का प्रवर्तन भी उतना ही आवश्यक। टोल वसूलने वाली कंपनियां यदि शुल्क लेती हैं, तो उन्हें केवल गड्ढे-मुक्त सड़क तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करना उनकी संविदात्मक और नैतिक जिम्मेदारी है। जरूरी है कि भारी और हल्के वाहनों में आधुनिक एंटी-कोलिजन सिस्टम, फॉरवर्ड-कोलिजन वार्निंग, ऑटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग, लेन-असिस्ट, रडार/लिडार आधारित सेंसर और फॉग-लैंप हों, पर हाईवे स्तर पर विजिबिलिटी-सेंसर, वेरिएबल मैसेज साइन और रियल-टाइम स्पीड कंट्रोल भी लागू होना चाहिए। सर्दियों में उड़ानों के विलंब की तरह सड़कों पर भी 'फॉग प्रोटोकॉल' लागू होना चाहिए- पूर्वानुमान, चरणबद्ध बंदी, वैकल्पिक मार्ग और यात्रियों को समय पर इसकी सूचना। इसके अलावा इसके दोषियों की पहचान भी आवश्यक है, चाहे वह लापरवाह चालक हो, चेतावनी न देने वाली एजेंसी हो या सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू न करने वाला ऑपरेटर।

मुआवजा ही पर्याप्त नहीं दंडात्मक कार्रवाई और सुधारात्मक आदेश भी अत्यावश्यक हैं। हादसा सरकार और यात्रियों दोनों को यह सीख देता है कि रफ्तार पर संयम एवं स्वयं सतर्कता, तकनीक पर भरोसा और प्रशासनिक तत्परता- तीनों का संतुलन ही सुरक्षित यात्रा की कुंजी है।

प्रसंगवश

जॉर्डन से भारत की रणनीतिक साझेदारी

भारत और जॉर्डन के रिश्तों में बीते वर्षों में जो गहराई आई है, उसमें किंग अब्दुल्ला और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच बनी व्यक्तिगत समझ और भरोसे की बड़ी भूमिका है। भारत और जॉर्डन की दोस्ती दशकों पुरानी है, लेकिन हाल के वर्षों में इसे नई ऊर्जा मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अल हुसैनिया पैलेस में भव्य और गर्मजोशी से स्वागत, इसी रिश्ते की गहराई को दर्शाता है। इस मुलाकात के दौरान द्विपक्षीय बैठक हुई, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल भी मौजूद रहे। यह संकेत था कि बातचीत केवल औपचारिक कूटनीति तक सीमित नहीं थी, बल्कि रणनीतिक और सुरक्षा से जुड़े गंभीर मुद्दों पर भी खुलकर चर्चा हुई।

इस दौरे में भारत-जॉर्डन बिजनेस फोरम की बैठक भी हुई,

कांतिलाल मांडोत

वरिष्ठ पत्रकार

जिसमें दोनों देशों के उद्योगपतियों और निवेशकों ने भाग लिया। किंग अब्दुल्ला ने भारत दौरे के बाद हुए समझौतों पर खुशी जताई और कहा कि ये करार दोनों देशों के आर्थिक भविष्य को नई दिशा देंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने भी जॉर्डन द्वारा दिए गए स्नेह और सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया और दोनों देशों की ऐतिहासिक मैत्री को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

व्यापार के स्तर पर भारत और जॉर्डन के रिश्ते लगातार मजबूत हो रहे हैं। भारत जॉर्डन से मुख्य रूप से फॉस्फेट और पोटाश जैसे उर्वरक कच्चे माल का आयात करता है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए उर्वरक बेहद अहम हैं और जॉर्डन इस क्षेत्र में एक विश्वसनीय साझेदार रहा है। जॉर्डन से मिलने वाला पोटाश और फॉस्फेट भारतीय किसानों की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा भारत जॉर्डन से रसायन, खनिज और कुछ पेट्रोकेमिकल उत्पाद भी आयात करता है।

भारत से जॉर्डन को दवाइयां, फार्मास्यूटिकल उत्पाद, मशीनरी, ऑटोमोबाइल पार्ट्स, टेक्सटाइल, चावल, चाय और इंजीनियरिंग सामान निर्यात किया जाता है। भारतीय दवाइयों की गुणवत्ता और किफायती कीमतों के कारण जॉर्डन के बाजार में उनकी अच्छी मांग है। इससे न केवल भारत के फार्मा उद्योग को फायदा होता है, बल्कि जॉर्डन के आम नागरिकों को भी सस्ती और भरोसेमंद दवाइयां मिलती हैं।

डिजिटल तकनीक और आईटी के क्षेत्र में भी दोनों देश सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, स्टार्टअप संस्कृति और आईटी विशेषज्ञता जॉर्डन के लिए प्रेरणा का स्रोत है। दूसरी ओर जॉर्डन मध्य पूर्व के बाजारों तक भारत के लिए एक सेतु की भूमिका निभा सकता है। उर्वरक और डिजिटल तकनीक में सहयोग बढ़ाने का फैसला इसी व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है।

भारत को जॉर्डन से रणनीतिक स्तर पर भी कई फायदे हैं। पश्चिम एशिया में जॉर्डन एक स्थिर, भरोसेमंद और उदार देश माना जाता है। ऐसे क्षेत्र में, जहां अक्सर संघर्ष और अस्थिरता रहती है, जॉर्डन भारत के लिए एक संतुलित साझेदार है। आतंकवाद के खिलाफ जॉर्डन का स्पष्ट रुख भारत की सुरक्षा चिंताओं के अनुरूप है। इसके अलावा जॉर्डन फिलिस्तीन, इजरायल और अरब दुनिया के बीच संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिसका अप्रत्यक्ष लाभ भारत को क्षेत्रीय स्थिरता के रूप में मिलता है। किंग अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री मोदी से अपनी सात साल पहले हुई मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा कि तब से दोनों देशों के रिश्तों में निरंतर मजबूती आई है।

उत्तराखंड में बढ़ रहा मानव-वन्य जीव संघर्ष

अमित शर्मा

हल्द्वानी

उत्तराखंड की शांत और मनोरम वादियों के बीच रहने वाले वन्य जीव अब आदमखोर हो चले हैं। यह अप्रत्याशित भी नहीं है। इंसान ने जब उनके घर में घुसकर अपने आनंद के रास्ते खोजे, तो इन जंगली जानवरों ने भी अपनी हिंसक प्रवृत्ति के मुताबिक आबादी में परमानंद खोजना शुरू किया और यह खतरनाक चलन ऐसा बढ़ा कि अब उत्तराखंड का एक बड़ा क्षेत्र मानव-वन्य जीव संघर्ष के खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है।

वन्य जीवों के हमलों के 25 वर्षों के आंकड़ों पर गौर करें, तो अभी तक 1264 से ज्यादा लोग जंगली जानवरों के शिकार बने हैं। 6519 लोग घायल हुए हैं। इनमें सबसे अधिक मौतें शातिर गुलदार के सिर हैं, जिसके हमलों में 546 लोगों की मौत हुई। 2126 लोग घायल हुए। गजराज के हमलों में 230 लोग मरे, 234 घायल हुए। अक्सर शांत रहने वाले बाघ ने 106 लोगों को शिकार बनाया। 134 को जख्मी किया। भालू भी अब आदमखोर हो चले हैं और 71 लोगों को मार चुके हैं। 2012 लोगों को घायल कर चुके हैं। अब तक 360 लोग सर्पदंश से मौत की नींद सो चुके हैं। 1056 लोग ऐसे भी हैं, जो सर्पदंश से बच गए।

मगरमच्छ भी कहीं आबादी में घुस रहा है, तो लोग खुद मौत के मुंह में जा रहे हैं। मगरमच्छ के हमलों में 69 लोग मरे। 44 जख्मी हुए। हाल के दिनों में पौड़ी और चंपावत वन्य जीवों के हमलों को लेकर ज्यादा चर्चा में रहे। बड़ी राहत की बात यह रही कि पौड़ी में आतंक के पर्याय बने आदमखोर गुलदार को ढेर कर दिया गया तो आदमखोर बाघ को कॉर्बेट की टीम ने काबू कर लिया। चंपावत में भी आदमखोर बन चुका गुलदार पकड़ा गया।

वन्य जीवों के आबादी में घुसकर सीधे मानव को निशाना बनाने के कारण भी स्वयं मानव जनित ही हैं। जिस गति से आबादी का विस्तार हो रहा है, उससे ज्यादा गति से वन क्षेत्र सिकुड़ रहा है। कभी जंगलों में कैंप फायर करने का रोमांच, अब इंसानी खतरनाक मानसिकता से भर गया है। प्रकृति की गोद में बैठने की चाहत और धन की लोलुपता वन्य जीवों के अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण कर चुकी है। जंगलों को काटकर पहाड़ी इलाकों में पहुंच आसान कर रहा मानव, वन्य जीवों के प्राकृतिक गलियारों (एनिमल कॉरिडोर) को ध्वस्त कर रहा है।

सुदूर जंगल अब आबादी के करीब आ रहे हैं और आबादी के आसपास जमा हो रहा कचरा वन्य जीवों को जंगल का हिस्सा होने का ही भान करा रहा है। ऐसे में प्रकृति के अनुरूप चला आ रहा वन्य जीवों का भोजन चक्र भी बिगड़ चुका है। छोटे जानवर जंगलों से बहुत कम हो गए हैं। बड़े जानवर अपने शिकार (छोटे जानवर) की तलाश में आबादी में रुख कर रहे हैं और यहां उनका सामना सीधे मानव से हो रहा है, क्योंकि उसे तो अभी भी वह हिस्सा अपने ही जंगल का लग रहा है। ऐसे में वह मानव की बढ़ती आमद को अपने जंगल में दखल मान रहा है।

पहाड़ के गांवों में सबसे ज्यादा घटनाएं घर के पास ही चारा पत्ती काटने जाने वाली महिलाओं के साथ होती हैं। गढ़वाल मंडल की बात करें तो पौड़ी, चमोली, उत्तर काशी और रुद्रप्रयाग में बाघ, गुलदार और भालू के हमलों में अप्रत्याशित तेजी आई है। पहले पहाड़ पर गांव के लोग अपने घर के खुले आंगन में बिना खौफ के सो जाते थे, लेकिन अब दिन ढलते ही घरों के बाहर निकलना असुरक्षित माना जा रहा है। कुमाऊं मंडल के नैनीताल, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और बागेश्वर में भी मानव-वन्य जीव टकराव बढ़ा है। दोनों मंडल में मानव-वन्य जीव संघर्ष तेजी से बढ़ रहा है, जिससे जन हानि और आर्थिक नुकसान दोनों बढ़े हैं।

मानव के साथ ही प्रकृति में बदलाव भी वन्य जीवों के आबादी में बढ़ते दखल का बड़ा कारण माना जाता है। जल वायु परिवर्तन का असर केवल इंसानी जगत पर ही नहीं, वन्य जीवों पर भी पड़ा है। घने जंगलों का तापमान वहां रहने वाले जानवरों के अनुकूल होता था और मौसम में बदलाव पर उस तापमान को सहन न करने वाले वन्य जीव कुछ समय के लिए वहां से पलायन कर जाते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब बारिश का कोई निश्चित समय नहीं रह गया है। कभी अति होती है तो सूखे जैसे हालात हो जाते हैं। इसके कारण तापमान पर भी असर पड़ा है।

वैज्ञानिक मानते हैं कि भालू चीड़ के पेड़ों के गर्म स्थानों में कम आते हैं, लेकिन अब ऐसे इलाकों में भी उनकी मौजूदगी से ग्रामीण सहमे हुए हैं, इसलिए शीत निद्रा न ले पाने वाले भालुओं का भोजन की तलाश में आबादी में दखल बढ़ रहा है। हाथी पानी पीने के लिए अपने निर्धारित गलियारे का प्रयोग करते आए हैं, जिन्हें एलिफेंट कॉरिडोर कहा जाता है, लेकिन कहीं इस कॉरिडोर में दीवार खड़ी कर दी गई तो कहीं कच्चे मकान बना लिए गए। अब पानी पीने के लिए हाथी उसी निर्धारित कॉरिडोर में आ रहे हैं, तो अवरोध पाकर हिंसक हो रहे हैं और संघर्ष इंसानी मौत का कारण बन रहा है।

हालांकि राज्य सरकार ने इस मुद्दे पर गहन संवेदनशीलता दिखाते हुए आपातकालीन उपाय और तकनीकी सहायता शुरू कर दी है, लेकिन इसका स्थायी समाधान भी मानव के हाथ में ही है और वह है जागरूकता के साथ सुरक्षा के उपाय, क्योंकि अब हालात विकट हो चुके हैं। जो जंगल काटे जा चुके हैं, उन्हें उसी हालत में वापस लाना तो असंभव है, लेकिन दूसरे जंगलों को कटान से बचाना होगा। वन्य जीवों के लिए जंगल और आबादी के बीच नए सिरे से एक हद तय करनी होगी। इसके साथ ही, जंगल की सीमा से सटे इलाकों में सुरक्षा के उच्चतम उपाय करने होंगे, जहां ज्यादा खतरा है, वहां रात में भी रोशनी का पर्याप्त इंतजाम रखना होगा। आबादी के पास झाड़ियों को काटना होगा। कचरे से निपटने के ठोस इंतजाम करने होंगे। सोलर फेंसिंग भी बेहतर विकल्प है। प्रभावित क्षेत्रों में दिनचर्या में भी फेरबदल करना होगा।

25 वर्षों में वन्य जीवों के हमलों में 1264 से ज्यादा लोग काल का ग्रास बने हैं। 6519 लोग घायल हुए हैं। इनमें सबसे अधिक मौतें गुलदार के सिर हैं, जिसके हमलों में 546 लोगों की मौत हुई है।

आमने

ऑपरेशन सिंदूर के पहले दिन भारतीय वायुसेना को भारी नुकसान उठाना पड़ा था और भारतीय विमान मार गिराए गए। ऑपरेशन के पहले दिन हम पूरी तरह हार गए थे। सात मई को जो आधे घंटे का हवाई संघर्ष हुआ, उसमें हमें पूरी तरह से पराजय मिली, चाहे लोग मानें या न मानें।

–**पृथ्वीराज चव्हाण**

कांग्रेस नेता

सामने

सेना का अपमान करना कांग्रेस की पहचान बन गई है। यह सिर्फ चव्हाण का बयान नहीं है, राहुल गांधी भी ऐसे ही बयान दे चुके हैं। यह सब उनकी सोच को दिखाता है, इसीलिए न तो कांग्रेस और न ही राहुल ऐसे नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करते हैं।

–**शहजाद पूनावाला**

बीजेपी प्रवक्ता

तंबाकू मुक्त हुआ मालदीव, भारत में भी हो पहल

डॉ. रमेश ठाकुर

लेखक

मालदीव ने अपनी मौजूदा और आगामी पीढ़ी को सेहतमंद रखने के लिए मुल्क को धूम्रपान मुक्त बनाने का बीड़ा उठा लिया है। कोई युवा धूम्रपान न कर सके, इसके लिए 'जेनरेशनल स्मोकिंग बैन' नाम का बेहद कठोर कानून बनाया है। कानून के मुताबिक वर्ष-2007 के बाद मालदीव में जन्मे लोग अब भविष्य में कभी भी किसी सूरत में स्मोकिंग नहीं कर पाएंगे। अगर ऐसा किसी ने भूलवश किया, तो उसे भारी जुर्माना चुकाना होगा। कानून को पूरे देश में लागू कर दिया गया है।

मालदीव में अब तंबाकू-खैनी, गुटखा, बीड़ी सिगरेट, चरस-गांजा, अफीम या ई-सिगरेट को खरीदना और बेचना अपराध की श्रेणी में है। कोई दुकानदार अगर चोरी-छिपे किसी को तंबाकू बेचता पकड़ा गया, तो उसे 50,000 मालदीवियन रूफिया यानी 2.88 लाख रुपये का जुर्माना देना पड़ेगा। वहीं, ई-सिगरेट या वेपिंग करते पकड़े जाने पर 5,000 रूफिया यानी 29,000 हजार रुपये बतौर जुर्माना देने होंगे। दूसरी बार जुर्माना लगने पर ड्राइविंग लाइसेंस को हमेशा के लिए निरस्त करने का प्रावधान है। ये नियम मालदीव जाने वाले अन्य देशों के लोगों पर भी लागू है।

इस कानून का सबसे सुखद पहलू ये है कि उसे सत्ता और विपक्ष की आम सहमति से संसद में पारित किया गया। देश वासियों ने बाकायदा जश्न मनाया। कानून बनने की खुशी में पक्ष-विपक्ष के सांसदों ने मिलकर पार्टी भी आयोजित की और एक-दूसरे को बधाईयां दीं। दरअसल, धूम्रपान ऐसी आधुनिक बीमारी के रूप में उभर चुकी है, जिसने तकरीबन-तकरीबन प्रत्येक के दरवाजों पर दस्तक दे दी है। वाजिब सवाल यहां ये उठता है, आखिर धूम्रपान के विरुद्ध मालदीव की तरह कठोर कदम भारत में क्यों नहीं उठाया जा सकता? किस बात की दिक्कत है, जबकि डब्ल्यूएचओ के मुताबिक भारत में नशे से मरने वालों की संख्या सर्वाधिक है। भारत में कुछ प्रदेशों के युवा नशे का ज्यादा शिकार हैं। घर के घर तबाह हैं। नशेड़ियों का हर पल, हर जगह, उपहास उड़ता है। बावजूद इसके अपनी हरकतों से वो बाज नहीं आते? दुनिया में हर बरस 80 लाख मौतें होती हैं फिर भी कोई नहीं डर रहा।

नशा-धुम्रपान की बढ़ती समस्या को देखकर अब इतना तो तय है, जब तक मालदीप जैसे सख्त कानून नहीं बनाए जाएंगे, स्थिति में सुधार नहीं होगा। मालदीप की भांति ज्यादा से ज्यादा देशो में ऐसे ही कानूनों को पारित कर अमल में लाने की दरकार है। हिंदुस्तान तंबाकू का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता और उत्पादक देश है। सरकार राजस्व का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से जुटाती है। भारत में तंबाकू-धूम्रपान से सालाना 13.5 लाख लोग असमय मरते हैं। 'सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एडं प्रिवेशन' के मुताबिक भारत सरकार प्रत्येक बरस अपने मरीजों पर 1.77 करोड़ रुपये खर्च करती है। ये जानते हुए भी कि तंबाकू कैंसर, फेफड़ों की बीमारी और हृदय रोग सहित कई पुरानी बीमारियों का प्रमुख कारण है। फिर भी लोग गुटखा-खैनी इस्तेमाल करते हैं।

पंजाब पाकिस्तान के बॉर्डर सटा है, जहां से चोरी-छिपे हर दिन सैकड़ों किलो मादक पदार्थों की खेप पहुंचती हैं। तस्कर इसके लिए ड्रोन का इस्तेमाल करते हैं। देखा जाए तो मालदीव ने अपनी पीढ़ियों को बचाने के लिए जो इच्छा शक्ति दिखाई है, वह अन्य मुल्कों के लिए एक उदाहरण है। उनका यह निर्णय नशे से प्रभावित देशों को धूम्रपान से लड़ने के लिए न सिर्फ हिम्मत देगा, बल्कि स्वास्थ्य सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाएगा।

मालदीव का नशा मुक्ति पर लिया कठोर निर्णय निश्चित रूप से साहसिक कदम कहा जाएगा। ऐसा करके मालदीव विश्व का पहला मुल्क बना है, जहां साल 2007 के बाद जन्मा कोई इंसान कश से दूर रहेगा। मालदीव में धूम्रपान से सालाना मात्र 150 लोग ही जान गवाते हैं, फिर भी सरकार अपने नागरिकों के लिए इतनी फिक्रमंद है। कानून से जुड़ी एक अच्छी बात ये भी है कि यह नियम वहां पहुंचने वाले सैलानियों पर भी लागू रहेंगे।

विश्व की सरकारें अगर ईमानदारी से जनहित की नीतियों पर मंथन करें, तो धूम्रपान पर मुक्ति पाना असंभव नहीं? मॉर्डन स्टेटस कहें, या पश्चिमी सभ्यता का विस्तार? देखा-देख युवा नशे की लत में घुसते जा रहे हैं। मालदीव ही नहीं, विश्व का कोई देश इस समय अछूता नहीं बचा, जहां के टीनएजर्स इस समस्या की गिरफ्त में न समाए हों? इस मामले में एशिया पहले पायदान पर है, जहां बड़े स्तर पर मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त जारी है।

मालदीप सरकार द्वारा पारित 'जेनरेशनल स्मोकिंग बैन' दुनिया का पहला 'तम्बाकू मुक्त' कानून है। भारत में धूम्रपान पर पीढ़ीगत प्रतिबंध के संबंध में कोई विशेष कानून नहीं है। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम जैसे कई कानून पहले से हैं। इसके अलावा समय-समय पर प्रदेश सरकारें अपने स्तर पर प्रतिबंध लगाती रहती हैं। जैसे, इस समय पंजाब सरकार ने नशा मुक्ति को लेकर अभियान छेड़ा हुआ है।

दुर्भाग्य से इस तरह के अभियान या प्रदेश सरकारों की सख्तियां कारगर साबित नहीं हो पातीं। कुछ समय बाद दम तोड़ देती हैं। हमारे यहां कागजों में ऐसी पाबंदियां की भरमार हैं, जिनमें शिक्षण संस्थाओं जैसे स्कूल-कॉलेजों से सौ मीटर दूरी तक पान-मसाला बेचने की मनाही होती है, लेकिन अब स्कूलों के भीतर भी मादक पदार्थ पकड़े जाने लगे हैं।

मालदीव ने अपनी पीढ़ी को सेहतमंद रखने के लिए मुल्क को धूम्रपान मुक्त बनाने का बीड़ा उठा लिया है। उसने 'जेनरेशनल स्मोकिंग बैन' नाम का बेहद कठोर कानून बनाया है।

सोशल फोरम

जब औरतों को अपने ही पैर वापस मिले

सुजाता चोखेरबाली

एसोसिएट प्रोफेसर

वे पैर चलने के लिए थे, दौड़ने के लिए थे, उनमें कोलंबस हो सकने की क्षमता थी, जिन्हें बांध दिया गया और छीन लिया गया उनका बल, उनकी गति, उनका विकास। परंपरा और ख़ूबसूरती के नाम पर। इतिहास को जब-जब स्त्रीवादी नज़र से खंगाला जाएगा, तो उसमें ऐसे-ऐसे अन्याय मिलेंगे जो मानवता को शर्मिंदा कर दें। वे आंदोलन मिलेंगे जिन्हें राष्ट्र के आंदोलन में मिलाकर ख़त्म कर दिया गया।

फुट बाइंडिंग- चीन में शताब्दियों तक चलती रही इस दर्दनाक प्रथा में बच्चियों के पैरों को बचपन में ही कसकर कपड़े से ऐसे बाँधा जाता था कि उसका आकार और आकृति नियंत्रित की जा सके। माना जाता था कि यह स्त्रैण सुंदरता को बढ़ाता है और प्रतिष्ठा का सूचक है। ऐसा कहा जाता है कि दसवीं शताब्दी का एक राजा अपने दरबार की एक नर्तकी के छोटे पैरों को देखकर मुग्ध हो गया था।

इसने स्त्रियों का चलना फिरना मुश्किल बना दिया था। वे घरों के बाहर नहीं निकल पाती थीं, लेकिन इसका यह बिलकुल अर्थ नहीं कि वे इतिहास में और जीवन में महज़ यौनोपयोगी वस्तु की तरह थीं और ठस्स थीं। कुछ विद्वान मानते हैं कि पैरों को बांधे जाने का अर्थव्यवस्था से नज़दीकी रिश्ता था। जब नए उद्योगों और फैक्ट्रियों में सस्ते कपड़े का उत्पादन बड़े स्तर पर शुरू हुआ, तब इन स्त्रियों के काम में कमी आई। ये स्त्रियां बैठे-बैठे ऊन, कपड़ा, जूते, चटाई जैसी चीज़ें बनाया करती थीं।

हालांकि पैरों को बांधने की प्रथा को 1902 में क़ानूनी रूप से ख़त्म कर दिया गया था, लेकिन इसके बाद भी पूरी तरह उसे ख़त्म होने में कई दशक लग गए। इसके खत्म होने में सबसे महत्वपूर्ण योगदान रहा उन सुधार आंदोलनों का जो उन्नीसवीं सदी के अंतिम दो दशकों में शुरू हुए। 1860 में ईसाइयत के प्रचार-प्रसार के लिए अपने पत्नी सहित चीन के अमॉय (पहले Xiamen) उपप्रांत में पहुंचा मेक गोवान और पैर बांधने की यह प्रथा देखकर चकित रह गया। मेक गोवान के लिए यह ईसाइयत के ख़िलाफ़ था, क्योंकि यह प्रकृति के ख़िलाफ़ था। वह लिखता है- 'इसने (पैर बाँधने ने) सुघड़ता और समरूपता को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है, जो प्रकृति ने स्त्री को दी है।

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

लड़कियों को नहीं मिलते शिक्षा के समान अवसर

गांवों की किशोरियां रोज़ ऐसे फैसलों और दबावों के बीच जीती हैं, जो उनके बचपन, पढ़ाई और भविष्य को तय कर देते हैं। तमाम सरकारी योजनाओं के बावजूद उन्हें पढ़ाई के समान अवसर नहीं मिलते हैं। काग़ज़ों में साक्षरता का अर्थ सिर्फ़ नाम लिखना या पढ़ लेना नहीं होता। असली सवाल यह है कि कितनी लड़कियां पढ़ाई पूरी कर पाती हैं? कितनी आगे बढ़ पाती हैं और कितनी को अपने जीवन के फैसले खुद लेने का अवसर मिलता है।

जब किसी परिवार की आमदनी सीमित हो, तो प्राथमिकताएं भी सीमित हो जाती हैं। ऐसे में घर की लड़कियों की पढ़ाई अक्सर 'अतिरिक्त खर्च' के रूप में देखी जाने लगती है। अगर घर में स्थायी आमदनी हो, तो माता-पिता शायद बेटियों को और समय दे सकें।समाज में पढ़ाई को केवल एक सीमा तक ही स्वीकार किया जाता है। उसके बाद लड़की से अपेक्षा की जाती है कि वह अगले चरण यानी शादी के बंधन में बंध जाए, चाहे इसके लिए वह तैयार भी है या नहीं।

पूजा

एक्टिविस्ट

उत्तराखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी लगातार घट रही है। इसका सीधा असर यह होता है कि परिवार में निर्णय लेने की शक्ति भी सीमित रह जाती है। जब लड़की आर्थिक रूप से निर्भर होती है, तो उसकी आवाज़ भी कमजोर पड़ जाती है। इस पूरे परिदृश्य में यह समझना ज़रूरी है कि कम उम्र में शादी केवल एक सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि आर्थिक दबाव और अवसरों की कमी का परिणाम है। जब किसी लड़की के सामने पढ़ाई के बाद न तो नौकरी का रास्ता दिखता है और न ही कौशल प्रशिक्षण का, तो परिवार को लगता है कि शादी ही सबसे सुरक्षित विकल्प है. लेकिन यह सुरक्षा अक्सर लड़की की आकांक्षाओं की कीमत पर आती है।

पिछले कई वर्षों से बागेश्वर के ग्रामीण क्षेत्रों में किशोरी सशक्तिकरण पर काम कर रहीं सामाजिक कार्यकर्ता नीलम ग्रेंडी कहती हैं, "ग्रामीण इलाकों में लड़कियों की शादी आज भी समाधान की तरह देखी जाती है। गरीबी, बेरोजगारी और शिक्षा के बाद विकल्पों की कमी इस सोच को मजबूत करती है।"

उनका अनुभव बताता है कि यह समस्या व्यक्तिगत नहीं, बल्कि पूरे सामाजिक ढांचे से जुड़ी हुई है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार द्वारा किताबें, छात्रवृत्ति, साइकिल और स्कूल सुविधा देने से शुरुआती शिक्षा तक पहुंच ज़रूर बेहतर हुई है, लेकिन माध्यमिक शिक्षा के बाद का खालीपन अब भी बना हुआ है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि जब लड़कियां घर पर रहती हैं, तो उनसे घरेलू कामों की अपेक्षा बढ़ जाती है। धीरे-धीरे उनकी पहचान एक छात्रा से घर का काम करने वाली लड़की मात्र में बदल जाती है। यह बदलाव चुपचाप होता है, लेकिन बहुत गहरा असर छोड़ता है। फिर भी, इन पहाड़ियों में उम्मीद पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। कई किशोरियां अब सवाल पूछ रही हैं, अपने भविष्य को लेकर गंभीरता से सोच रही हैं और पढ़ाई को केवल डिग्री नहीं, बल्कि आगे बढ़ने और अपने पैरों पर खड़ा होने का रास्ता मान रही हैं। जब उन्हें सही मार्गदर्शन, आर्थिक सहारा और परिवार का भरोसा मिलता है, तो वे आगे बढ़ने की हिम्मत भी जुटा पाती हैं।

बागेश्वर की किशोरियों का संघर्ष सिर्फ़ आंकड़ों की कहानी नहीं है। यह कहानी है सपनों और सीमाओं के टकराव की, इच्छाओं और हालात के संघर्ष की। यदि शिक्षा के साथ-साथ रोजगार, कौशल और सुरक्षा के अवसर मजबूत किए जाएं, तो ये लड़कियां बराबरी और सम्मान से भरे भविष्य की साक्षी भी बन सकती हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***

0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

टेस्टिंग इंजीनियर

मोबाइल टेक्नोलॉजी में उभरता करियर

आज के डिजिटल युग में मोबाइल फोन, स्मार्ट गैजेट्स और नई-नई टेक्नोलॉजी हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुकी है। हर साल बाजार में सैकड़ों नए मोबाइल मॉडल और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज लॉन्च होते हैं, जिनसे उपभोक्ताओं की अपेक्षाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ऐसे में किसी भी प्रोडक्ट की गुणवत्ता, परफॉर्मेंस और सुरक्षा सुनिश्चित करना कंपनियों के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता बन गया है। यहीं से टेस्टिंग इंजीनियर की भूमिका शुरू होती है। टेक्नोलॉजी के तेजी से बदलते दौर में कंपनियां किसी भी तरह की तकनीकी खामी या यूजर शिकायत से बचना चाहती हैं। इसी कारण मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग और टेक इंडस्ट्री में टेस्टिंग इंजीनियर की मांग लगातार बढ़ रही है। अगर आपको तकनीक में दिलचस्पी है, चीजों को परखने की आदत है और आप क्वालिटी पर फोकस करते हैं, तो टेस्टिंग इंजीनियर का करियर आपके लिए भविष्य की कई संभावनाओं के दरवाजे खोल सकता है।

ज्ञानेंद्र कुमार दीक्षित
असिस्टेंट प्रोफेसर, बीबीडी यूनिवर्सिटी, लखनऊ

टेस्टिंग इंजीनियर का कार्य

टेस्टिंग इंजीनियर का मुख्य कार्य मोबाइल फोन या किसी भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को हर स्तर पर जांचना होता है, ताकि वह बाजार में जाने से पहले पूरी तरह सही और उपयोग के लिए सुरक्षित हो। इसमें सबसे पहले फोन के हार्डवेयर की टेस्टिंग की जाती है, जैसे स्क्रीन की क्वालिटी और टच रिस्पॉन्स, कैमरे की फोटो और वीडियो क्षमता, बैटरी की परफॉर्मेंस, नेटवर्क सिग्नल, स्पीकर और माइक्रोफोन की आवाज। इसके अलावा सॉफ्टवेयर टेस्टिंग में भी टेस्टिंग इंजीनियर की अहम जिम्मेदारी होती है। वह यह जांचता है कि ऑपरेटिंग सिस्टम स्मूद तरीके से काम कर रहा है या नहीं, ऐप्स सही तरह से ओपन हो रहे हैं या नहीं और फोन हैंग या क्रैश तो नहीं हो रहा। साथ ही यूजर इंटरफेस आसान और सुविधाजनक है या नहीं, इस पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। यूजर को भविष्य में किसी तरह की परेशानी न हो, यही इस प्रोफेशन का सबसे बड़ा उद्देश्य होता है। किसी भी मोबाइल के लॉन्च से पहले अंतिम मंजूरी इसी टेस्टिंग टीम से मिलती है, इसलिए टेस्टिंग इंजीनियर की भूमिका बेहद जिम्मेदार और महत्वपूर्ण मानी जाती है।

करियर स्कोप

मोबाइल कंपनियों के साथ-साथ टैबलेट, स्मार्टवॉच, IoT डिवाइसेज और ऑटोमोबाइल टेक्नोलॉजी में भी टेस्टिंग इंजीनियर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। अनुभव के साथ सीनियर टेस्टिंग इंजीनियर, क्वालिटी एनालिस्ट या टेस्ट मैनेजर जैसे पदों तक पहुंचा जा सकता है। अगर आप टेक्नोलॉजी के साथ काम करना पसंद करते हैं और परफेक्शन की तलाश आपकी आदत है, तो टेस्टिंग इंजीनियर की नौकरी आपके लिए एक स्मार्ट और सुरक्षित करियर विकल्प हो सकती है।

सैलरी और करियर ग्रोथ

टेस्टिंग इंजीनियर की नौकरी सैलरी के मामले में भी काफी बेहतर मानी जाती है। इस क्षेत्र में करियर की शुरुआत करने वाले फ्रेशर्स को आमतौर पर 18,000 से 28,000 रुपये प्रति माह तक वेतन मिल जाता है। जैसे-जैसे काम का अनुभव और तकनीकी समझ बढ़ती है, आमदनी में भी तेजी से इजाफा होता है। करीब 2-3 साल के अनुभव के बाद सैलरी बढ़कर 35,000 से 60,000 रुपये प्रति माह तक पहुंच सकती है।

देश की बड़ी मोबाइल कंपनियों और उनके सप्लायर जैसे Samsung, Xiaomi, Vivo, Oppo और Apple में काम करने वाले टेस्टिंग इंजीनियर्स को अपेक्षाकृत ज्यादा पैकेज मिलता है। वहीं मल्टीनेशनल और इंटरनेशनल कंपनियों में अवसर मिलने पर कमाई और करियर ग्रोथ दोनों ही काफी तेजी से आगे बढ़ते हैं। करियर के लिहाज से भी यह प्रोफाइल कई संभावनाएं खोलता है। अनुभव बढ़ने के साथ टेस्टिंग इंजीनियर, सीनियर टेस्टिंग इंजीनियर, क्वालिटी एश्योरेंस इंजीनियर, आर एंड डी इंजीनियर, प्रोडक्ट वैलिडेशन इंजीनियर या टेस्टिंग टीम लीडर जैसे महत्वपूर्ण पदों तक पहुंच सकता है। हर नए स्तर पर जिम्मेदारियां बढ़ती हैं और उसके साथ सैलरी व प्रोफेशनल ग्रोथ भी लगातार मजबूत होती जाती है।

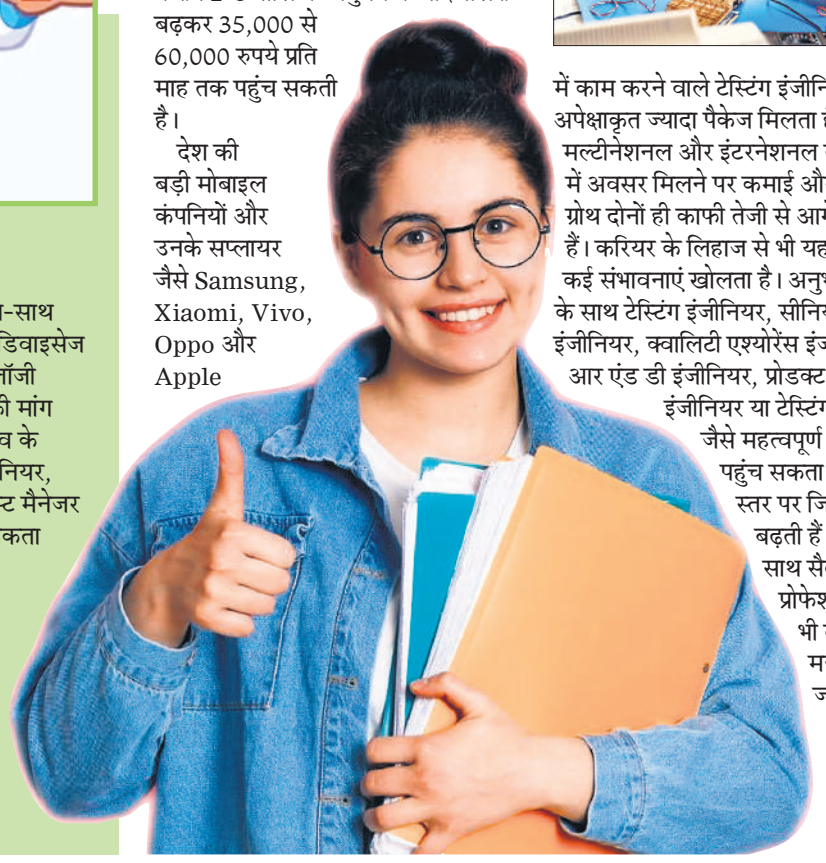

टेस्टिंग इंजीनियर के लिए योग्यता

टेस्टिंग इंजीनियर बनने के लिए बहुत बड़ी या महंगी डिग्री होना जरूरी नहीं है। अगर आपके पास तकनीक की बुनियादी समझ और सीखने की इच्छा है, तो इस फील्ड में करियर बनाया जा सकता है। आमतौर पर Electronics, IT, Electrical, ECE या Mechanical से B.Tech करने वाले उम्मीदवारों को इस प्रोफाइल में आसानी से अवसर मिल जाते हैं। इसके अलावा Diploma in Electronics, Mobile Technology या इससे जुड़े अन्य टेक्निकल डिप्लोमा कोर्स करने वाले भी टेस्टिंग इंजीनियर के रूप में कार्य कर सकते हैं। कई मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग और टेक कंपनियां फ्रेशर्स को खुद ट्रेनिंग देती हैं, जिसमें उन्हें मोबाइल हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की टेस्टिंग सिखाई जाती है। इस प्रोफाइल के लिए जरूरी है कि उम्मीदवार को बेसिक टेक्निकल नॉलेज हो, जैसे मोबाइल के फीचर्स की समझ, सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर में अंतर तथा छोटी-छोटी तकनीकी समस्याओं को पहचानने की क्षमता। अगर आपके पास ये स्किल्स हैं और आप नई टेक्नोलॉजी सीखने के लिए तैयार रहते हैं, तो टेस्टिंग इंजीनियर के रूप में नौकरी पाना ज्यादा मुश्किल नहीं होता।

जॉब अलर्ट

भारतीय रिजर्व बैंक सेवा बोर्ड

- पद का नाम - पद (डेटा साइंटिस्ट, डेटा इंजीनियर, IT सिक्योरिटी एक्सपर्ट, IT सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर, IT प्रोजेक्ट एडमिनिस्ट्रेटर, AI/ML स्पेशलिस्ट, IT-साइबर सिक्योरिटी एनालिस्ट, नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर, प्रोजेक्ट मैनेजर, रिस्क स्पेशलिस्ट, एनालिस्ट, प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर)
- पदों की संख्या-93
- योग्यता- पदों के अनुसार
- आयु सीमा-21 से 62 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि- 06 जनवरी, 2026
- वेबसाइट- www.rbi.org.in

पुणे डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक

- पद का नाम- क्लर्क
- पदों की संख्या- 434
- आवेदन की अंतिम तिथि-20-12-2025
- वेबसाइट-pdcc.bank.in

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI)

- पद का नाम-स्पेशलिस्ट कैडर ऑफिसर (VP वेल्थ SRM, AVP वेल्थ RM, कस्टमर रिलेशनशिप एग्जीक्यूटिव)
- पदों की संख्या-996
- योग्यता- सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी या संस्थान से ग्रेजुएशन
- आयु सीमा- पदों के अनुसार
- आवेदन की अंतिम तिथि- 23-12-2025
- वेबसाइट-sbi.bank.in

रेलवे भर्ती सेल, उत्तरी रेलवे

- पद का नाम-एक्ट अप्रेंटिस
- पदों की संख्या- 4116
- योग्यता-मैट्रिकुलेशन/10वीं कक्षा (न्यूनतम 50% अंक) और संबंधित ट्रेड में ITI, NCVT/SCVT मान्यता प्राप्त
- आयु सीमा- 15 से 24 वर्ष (नियमों के अनुसार आयु में छूट)
- आवेदन की अंतिम तिथि-12/24/2025
- वेबसाइट- www.rrcnr.org

कैंपस में पहला दिन

सीनियर का रहा खौफ, बाद में बने दोस्त

इंजीनियरिंग कॉलेज में मेरा पहला दिन आंखों में तैरते भविष्य के सपनों के बीच काफी सहमा, सकुचा रहा। आज का एचबीटीयू उस वक्त का एचबीटीआई में मेरा सलेक्शन हुआ। यहां पर आने से पहले मैंने सीनियर्स के बारे में काफी सुन रखा था। इन्हीं सीनियर्स के खौफ और आंखों में सपने लेकर मैं पहले दिन कैंपस पहुंचा। सीनियर्स का डर इस कदर था कि कैंपस में जाने के बाद मैंने उनसे अपने डिपार्टमेंट का रास्ता तक पूछना उचित नहीं समझा, खैर एक टीचर मिले उनसे जानकारी लेकर मैं अपनी क्लास तक पहुंचा। काफी दिन तक सीनियर्स से अनायास ही दूरी बनाता रहा, लेकिन जब उन लोगों से बात हुई तो वे काफी सपोर्टिव निकले। कुछ के साथ मित्रता ऐसी हुई कॉलेज में उन लोगों ने पढ़ाई में भी सहायता की। आज उनमें से कई मेरे बहुत अच्छे मित्र भी हैं।

कॉलेज का पहला दिन मेरे जीवन का एक अविस्मरणीय क्षण था। उच्च शिक्षा प्राप्त करना बचपन से मेरा सपना था और उस दिन मैं दिल में बड़े सपने और उम्मीदें लेकर कॉलेज के द्वार पर पहुंचा था। अपने पिता को एक इंजीनियर के रूप में कड़ी मेहनत करते हुए देखता आया था। उन्हीं के पदचिह्नों पर चलना हमेशा से मेरी आकांक्षा रही। उन्हें हर संभव तरीके से सहायता करने की इच्छा ही मेरे भीतर इंजीनियर बनने का जुनून जगाती थी। इस सपने को पूरा करने के लिए मैंने अत्यंत परिश्रम किया। कई बार बिजली न होने पर मंद रोशनी में पढ़ाई की। खुद को व्यवधानों से दूर रखने के लिए अक्सर अकेला बैठकर सिर्फ अध्ययन पर ध्यान केंद्रित किया। मेरे इन निरंतर प्रयासों का फल मुझे तब मिला जब मेरा चयन एचबीटीआई, कानपुर में हुआ। एक ऐसा परिसर, जिसने मेरे जीवन की दिशा बदल दी। उस समय न तो करियर काउंसलर थे और न ही इंटरनेट जैसी सुविधाएं। फिर भी, मुझे हमेशा विश्वास था कि एचबीटीआई ही वह स्थान है, जहां मुझे होना चाहिए। परिसर को देखने और ज्ञान से परिपूर्ण प्रोफेसरों से मिलकर यह विश्वास और भी दृढ़ हो गया कि यही वह विश्वविद्यालय है, जिसके लिए मैं बना हूं। कॉलेज जीवन शुरू हुआ, तो पढ़ाई का असली अध्याय भी शुरू हुआ। माता-पिता से दूर, एक ऐसे शहर में जहां कुछ ही लोग परिचित थे। अकेलापन कई बार चुनौती बना, पर इंजीनियर बनने की मेरी प्यास और अपने सपने को पूरा करने की लगन ने मुझे कभी रुकने नहीं दिया। मेरे प्रोफेसर वास्तव में असाधारण व्यक्तित्व थे। आज भी उनके पढ़ाए हुए सिद्धांत और अवधारणाएं मुझे उतनी ही स्पष्टता से याद हैं। पढ़ाई में मेरी रुचि केवल अंकों तक सीमित नहीं थी। मुझे यह समझने में आनंद आता था कि कोई सिद्धांत वास्तव में क्या कहता है, उसका मूल क्या है और वह वास्तविक जीवन में कैसे काम आता है। शिक्षा मेरे लिए केवल सिद्धांत नहीं, बल्कि उसका व्यावहारिक उपयोग थी। इसी दृष्टिकोण का लाभ मुझे आज भी मिलता है। अपने कार्यस्थल पर बैठकर जब मैं नवाचार या किसी उत्पाद को और बेहतर बनाने के बारे में सोचता हूं, तब बचपन और कॉलेज के दिनों में सीखे गए अनेक सिद्धांत स्वतः ही मेरी आंखों के सामने उभर आते हैं। कॉलेज जीवन मित्रता, मनोरंजन और स्वतंत्रता का पहला अनुभव देता है। पर इससे भी अधिक, यह वह समय है जब हम ज्ञान की वह नींव बनाते हैं, जिस पर हमारा पूरा जीवन टिका रहता है। आज मैं कई विद्यार्थियों को केवल अच्छे अंकों के पीछे भागते देखता हूं। देश के सभी प्रतिभाशाली युवाओं से मैं यही कहना चाहता हूं, केवल अंक प्राप्त करने के लिए न पढ़ें। ज्ञान को समझिए, उसे अपनाइए और उसके वास्तविक जीवन में उपयोग को पहचानिए। देखें कि जो आप आज सीख रहे हैं, उसे अपने जीवन के अन्य क्षेत्रों में कैसे लागू कर सकते हैं। यदि आप यह दृष्टिकोण अपनाएंगे, तो सफलता स्वयं आपके कदम चूमेगी।

- हरेंद्र मूरजानी, एमडी, यूपी पंप प्राइवेट लिमिटेड, कानपुर

नोटिस बोर्ड

- एमजेपी रुहेलखंड विवि से संबद्ध कालेजों के स्नातक और परास्नातक प्रथम सेमेस्टर के परीक्षा फार्म भरे जा रहें हैं। फॉर्म समर्थ पोर्टल के माध्यम से भरे जा रहे हैं। इसमें जिन छात्र-छात्राओं को आवेदन करने में परेशानी हो रही है, उनके लिए विवि ने एक वीडियो भी जारी कर दी है। इसमें पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई है। परीक्षा फार्म की लास्ट डेट 19 दिसंबर है। वहीं 20 दिसंबर तक छात्र-छात्राएं आवेदन पत्र कालेज में जमा कर सकेंगे।

- लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2025-26 सेमेस्टर परीक्षा के तहत शारीरिक शिक्षा विभाग ने इंटर्नशिप वायवा परीक्षा की डेट घोषित कर दी है। विश्वविद्यालय के अनुसार बीए पंचम सेमेस्टर की इंटर्नशिप वायवा परीक्षा 20 दिसंबर को सुबह 11.30 बजे से होगी। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले सभी विद्यार्थियों को अपनी फाइल के साथ पहुंचना होगा।

कंफर्ट जोन से बाहर निकलकर बनाएं सफल करियर

आज के दौर में नौकरी पाना जितना चुनौतीपूर्ण हो गया है, उतना ही मुश्किल उसे लंबे समय तक सुरक्षित रखना भी है। तेजी से बदलती टेक्नोलॉजी और नई स्किल्स की बढ़ती मांग ने Job Market को बेहद प्रतिस्पर्धी बना दिया है। ऐसे में जरूरी है कि हम खुद को समय के साथ अपडेट रखें और लगातार नई चीजें सीखते रहें। अगर आप अपने करियर को मजबूत और भविष्य को सुरक्षित बनाना चाहते हैं, तो बदलाव को अपनाना और नए अवसरों के लिए खुद को तैयार रखना बेहद जरूरी है।

-फीचर डेस्क

कंफर्ट जोन से बाहर निकलें

अक्सर लोग वही काम करते रहना पसंद करते हैं, जिसमें उन्हें आराम महसूस होता है, लेकिन अगर आप हमेशा परिचित कामों तक ही सीमित रहेंगे, तो आगे बढ़ना मुश्किल हो जाएगा। कभी-कभी नए कामों और नई जिम्मेदारियों को अपनाना जरूरी होता है। इससे न सिर्फ आपके अनुभव बढ़ते हैं, बल्कि करियर को भी नई दिशा मिलती है।

लगातार सीखते रहना है जरूरी

यह सोच गलत है कि पढ़ाई खत्म होते ही सीखना भी खत्म हो जाता है। असल जिंदगी में सीखने की कोई उम्र नहीं होती। नई कंप्यूटर स्किल्स, नई भाषा या नए टूल्स हर नई जानकारी आपको Job Market में आगे रखती है। छोटे-छोटे प्रयास भविष्य में बड़े अवसर बन सकते हैं।

जानकारी और नेटवर्क बढ़ाते रहें

Job Market से जुड़ी खबरों और भर्तियों पर नजर रखें। अपने क्षेत्र के लोगों से संपर्क बनाए रखें और नए लोगों से जुड़ते रहें। सही जानकारी और मजबूत नेटवर्क आपको नए और बेहतर अवसर दिला सकता है।

हमेशा तैयार रहें

नौकरी बदलने की संभावना को ध्यान में रखकर खुद को हर समय तैयार रखें। अपने फील्ड के नए ट्रेंड्स पर नजर रखें और स्किल्स को अपडेट करते रहें। वैकल्पिक करियर विकल्पों पर भी सोचें, ताकि किसी भी बदलाव के लिए आप मानसिक और पेशेवर रूप से तैयार रहें।

समय का करें सही उपयोग

समय सबसे कीमती पूंजी है। टालमटोल करने की आदत करियर को नुकसान पहुंचा सकती है। आज से ही छोटे लक्ष्य तय करें और उन्हें पूरा करने की कोशिश करें। सही समय पर उठाया गया कदम आपको सही मुकाम तक पहुंचा सकता है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,559.65	25,818.55
गिरावट	120.21	41.55
प्रतिशत में	0.14	0.16

सोना 1,36,500 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,05,800 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 18 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

जैगल ने पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी बनाई

नई दिल्ली। खर्च प्रबंधन एवं वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी जैगल प्रीपेड ओशन सर्विसेज ने गुजरात के गिफ्ट सिटी में जैगल पेमेंट्स आईएफएससी लि. नाम से पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी का गठन किया है। सॉफ्टवेयर एज ए सर्विसेज (एसएएएस) आधारित वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी ने कहा कि नई इकाई को विदेशी इकाई माना जाएगा, जिससे वह वैश्विक वित्तीय संचालन को सुचारू रूप से संचालित कर सकेगी। नई अनुषंगी कंपनी एसएएएस वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी होगी। यह अपने ऑनलाइन मंच और समाधानों के माध्यम से कंपनियों तथा उनके उपयोगकर्ताओं को खर्च प्रबंधन समाधान प्रदान करेगी।

एसबीआई के एमडी का बढ़ाया गया कार्यकाल

नई दिल्ली। सरकार ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एमडी अश्विनी तिवारी का कार्यकाल दो साल के लिए बढ़ा दिया है। एसबीआई ने बुधवार को शेयर बाजार को बताया कि तिवारी को मौजूदा कार्यकाल समाप्त होने की तिथि 27 जनवरी, 2026 के बाद पुनर्नियुक्त किया गया है। उनका विस्तारित कार्यकाल उनके सेवानिवृत्त होने की तिथि 31 दिसंबर 2027 तक रहेगा। यह पुनर्नियुक्ति उनके पदभार ग्रहण की तिथि से प्रभावी होगी। यह दूसरा मौका है जब तिवारी के कार्यकाल को दो साल के लिए बढ़ाया गया है।

टाटा केमिकल्स ने जुटाए 1,500 करोड़

नई दिल्ली। टाटा केमिकल्स ने निजी निर्गम के आधार पर गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र (एनसीडी) के आवंटन के माध्यम से 1,500 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने एक लाख रुपये के अंकित मूल्य वाले 1,50,000 सूचीबद्ध, असुरक्षित, रेटेड, रिडीमेबल, कर योग्य, गैर-संचयी गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र नकद में आवंटित किए हैं। टाटा केमिकल्स ने बताया कि इन एनसीडी की अवधि दो साल और 364 दिन है। इन पर 7.06% की निश्चित दर का कूपन मिलता है। ये एनसीडी, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) के ऋण खंड में सूचीबद्ध होंगे। टाटा केमिकल्स ने बताया कि कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा गठित आंतरिक समिति ने आवंटन को मंजूरी दे दी है।

हथियार की तरह वैश्विक व्यापार का हो रहा प्रयोग

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा- अर्थव्यवस्था की समग्र मजबूती देश को अतिरिक्त लाभ प्रदान करेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि शुल्क और अन्य उपायों के जरिये वैश्विक व्यापार का हथियार के तौर पर इस्तेमाल तेजी से बढ़ता जा रहा है और भारत को ऐसे में सावधानीपूर्वक आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था की समग्र मजबूती देश को अतिरिक्त लाभ प्रदान करेगी।

सीतारमण ने एक कार्यक्रम में कहा कि वैश्विक स्तर पर अब यह बिल्कुल स्पष्ट है कि व्यापार स्वतंत्र एवं निष्पक्ष नहीं है। वित्त मंत्री ने कहा कि शुल्क और अन्य कई उपायों के जरिये व्यापार को हथियार बनाया जा रहा है। भारत को इसलिए सावधानीपूर्वक बातचीत करनी होगी और केवल शुल्क से निपटना काफी नहीं होगा... बल्कि मुझे लगता है कि हमारी समग्र आर्थिक मजबूती ही हमें वह अतिरिक्त लाभ प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि भारत को यह कहकर उपदेश दिया जा सकता है कि आप (भारत) बहुत अंतर्मुखी हैं, आप शुल्क के बादशाह हैं इत्यादि। हालांकि शुल्क का दुरुपयोग हथियार के रूप में किया गया है।

मंत्री ने कहा कि भारत का इरादा कभी भी शुल्क का इस्तेमाल हथियार के रूप में करने का नहीं रहा। भारत ने केवल अपने घरेलू उद्योगों की रक्षा की है ताकि वे ऐसे हालात से बच सकें जहां कोई शिकारी (देश/कंपनी) अपने सस्ते या अत्यधिक सामान को बाजार में लाकर उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है।

मंत्री ने कहा कि आज व्यापार का हथियार के रूप में इस्तेमाल बिना किसी आलोचना के हो रहा है और कुछ देश कहते हैं कि शुल्क अच्छे नहीं हैं और किसी को भी यह कदम नहीं उठाना चाहिए लेकिन अचानक नए लोग सामने आकर कहते हैं कि हम शुल्क बाधाएं खड़ी करेंगे और इस पर कोई सवाल नहीं उठाया जाता। इसलिए ऐसा लगता है कि यही नया सामान्य चलन बन गया है। ये टिप्पणियां महत्वपूर्ण हैं क्योंकि अमेरिका द्वारा लगाए उच्च शुल्कों के कारण वैश्विक व्यापार बाधित हुआ है। मैक्सिको ने भी हाल ही में उन देशों पर उच्च शुल्क लगाने की घोषणा की है जिनके साथ उसके मुक्त व्यापार समझौते नहीं हैं।

वित्तीय प्रबंधन को लेकर केंद्र ने लक्ष्य स्पष्ट, राज्य करें अनुसरण

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि केंद्र ने राजकोषीय प्रबंधन में पारदर्शिता के लिए स्पष्ट लक्ष्य तय किए हैं और अपने ऋण स्तर को कम किया है। उन्होंने साथ ही राज्यों से भी इन्हें लागू करने का आह्वान किया है। सीतारमण ने कहा कि अगले वित्त वर्ष 2026-27 से राजकोषीय घाटे के साथ ऋण स्तर पर ध्यान दिया जाएगा। राज्यों को भी अपने ऋण स्तर को कम करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं ताकि देश 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य को हासिल कर सके। केंद्र सरकार ने बजट तैयार करने में पारदर्शिता के लिए स्पष्ट लक्ष्य तय किए हैं जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि राजकोषीय प्रबंधन सभी के लिए पारदर्शी हो एवं जवाबदेही के उच्च मानकों को पूरा करे। परिणामस्वरूप, कोविड के बाद से हम ऋण-जीडीपी अनुपात को कम करने में सक्षम हुए हैं। उस समय यह 60% से अधिक हो गया था। अब यह घटता हुआ प्रतीत हो रहा है।

राजकोषीय प्रबंधन को प्राथमिकता दें राज्य सरकार

सीतारमण ने राज्यों से केंद्र की तरह राजकोषीय प्रबंधन में पारदर्शिता को प्राथमिकता देने का आह्वान किया] जिसने हर साल ऋण स्तर को कम किया है। वित्त मंत्री ने कहा कि जब तक ऋण-जीएसडीपी अनुपात को बेहतर ढंग से प्रबंधित नहीं किया जाता और इसे एफआरएमबी सीमाओं के भीतर नहीं रखा जाता और वर्षों से जमा हो रहे उच्च ब्याज दरों वाले ऋण को कम नहीं किया जाता (जिसे कई राज्य चुकाने में असमर्थ हैं)... तब तक आप ऋणों को चुकाने के लिए उधार लेते रहेंगे, विकासात्मक व्यय के लिए उधार नहीं ले पाएंगे। राजकोषीय परिदृश्य में यह एक गलत रणनीति है।

6जी तकनीक में हम दुनिया का नेतृत्व करेंगे : सिंधिया

नई दिल्ली, एजेंसी

दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि संचार की 5जी तकनीक के मामले में भारत की सफलता केवल देश की नहीं बल्कि पूरे विश्व की कहानी बन गई है और भारत 6जी में दुनिया का नेतृत्व करेगा।

उन्होंने कहा कि भारत में 5जी तकनीक देश की ही नहीं, विश्वव्यापी सफलता की कहानी बन गई है। भारत ने 4जी में दुनिया का अनुसरण किया, 5जी में दुनिया के साथ चला और हम 6जी में विश्व का नेतृत्व करेंगे। सिंधिया ने कहा कि 2023 में 5जी का क्रियान्वयन शुरू होने से लेकर आज तक 5 लाख बीटीएस (बेस ट्रांसीवर स्टेशनत) लग चुके हैं। देश के 778 जिलों में से 767 जिलों में 5जी की कनेक्टिविटी उपलब्ध है। सिंधिया के मुताबिक आज देश में कुल मिलाकर 36 करोड़ 5जी उपभोक्ता हैं जिनकी संख्या 2026 तक बढ़कर 42 करोड़ होने और 2030 तक 100 करोड़ होने का पूर्वानुमान है। मंत्री ने कहा कि 5जी के आधार पर ही हम 6जी की दिशा में निरंतर चल रहे हैं।

● केंद्रीय मंत्री बोले- देश के 778 में से 767 जिलों में 5जी की कनेक्टिविटी उपलब्ध

सिंधिया ने कहा कि ऐसे क्षेत्रों में सेटेलाइट कनेक्टिविटी की जरूरत है, जहां सामान्य दूरसंचार संपर्क नहीं है। ऐसे नागरिकों को हम सेटकॉम के माध्यम से संपर्क प्रदान करते हैं। हम इस दिशा में काम कर रहे हैं। दूरसंचार मंत्री के रूप में मेरा लक्ष्य सभी उपभोक्ताओं को सारे विकल्प उपलब्ध कराने का है।

भारत-ओमान आज करेंगे मुक्त व्यापार समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और ओमान आर्थिक संबंधों को मजबूत बनाने के उद्देश्य से मस्कट में मुक्त व्यापार समझौते पर गुरुवार को हस्ताक्षर करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी उपस्थिति रहेंगे, जो तीन देशों की चार दिवसीय यात्रा पर हैं। मोदी मंगलवार को जॉर्डन से इथियोपिया पहुंचे और अदीस अबाबा से ओमान के लिए रवाना होंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए मस्कट पहुंच चुके हैं।

मुक्त व्यापार समझौते को आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) कहा जाता है। इस पर बातचीत औपचारिक रूप से नवंबर 2023 में शुरू हुई जो इस वर्ष संपन्न हो गई। इस प्रकार के समझौते में दो व्यापारिक साझेदार अपने बीच व्यापार की जाने वाली

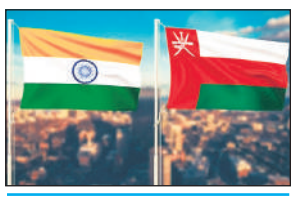

● वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री गोयल हस्ताक्षर के लिए मस्कट पहुंचे

वस्तुओं की अधिकतम संख्या पर सीमा शुल्क को काफी हद तक कम कर देते हैं या समाप्त कर देते हैं। वे सेवाओं में व्यापार को बढ़ावा देने और निवेश आकर्षित करने के लिए नियमों में ढील भी देते हैं। खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों में ओमान भारत के लिए तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। इस बीच, मस्कट में ओमान-भारत व्यापार मंच को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि दोनों देशों के दलों ने समझौते को अंतिम रूप देने के लिए काफी प्रयास किए हैं।

ओमान मध्य एशिया के लिए प्रवेश द्वार

मंत्री ने कहा कि ओमान अन्य जीसीसी देशों अफ्रीका एवं मध्य एशिया के लिए प्रवेश द्वार है। हम चार्टर्ड अकाउंटेंट, अनुसंधान एवं विकास, पर्यटन, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसे सेवा क्षेत्रों में सहयोग पर विचार कर सकते हैं। सहयोग के चार प्रमुख क्षेत्र ऊर्जा बदलाव, अवसंरचना विकास, खाद्य सुरक्षा और स्टार्टअप हैं। भारत का पहले से ही जीसीसी के अन्य सदस्य देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ समझौता है जो मई 2022 में लागू हुआ था। जीसीसी के सदस्य बहरीन, कुवैत, सऊदी अरब और कतर हैं। भारत और कतर भी जल्द ही व्यापार समझौते के लिए बातचीत शुरू करेंगे।

2024-25 में हुआ था 10.5 अरब डॉलर का व्यापार

2024-25 में भारत-ओमान का द्विपक्षीय व्यापार 10.5 अरब डॉलर (निर्यात 4 अरब डॉलर और आयात 6.54 अरब डॉलर) था। भारत के प्रमुख आयात पेट्रोलियम उत्पाद और यूरिया हैं, जिनकी कुल आयात में हिस्सेदारी 70% से अधिक है। अन्य प्रमुख उत्पादों में प्रोपलीन और एथिलीन पॉलिमर, पेट कोक, जिप्सम, रसायन, लोहा और इस्पात तथा अपरिष्कृत एल्युमीनियम शामिल हैं।

एक अधिकारी ने बताया कि ओमान 20 वर्ष के बाद मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर कर रहा है। देश ने आखिरी बार जनवरी 2006 में अमेरिका के साथ इसी तरह का समझौता किया था। गोयल ने उद्योगपतियों से कहा कि मुक्त व्यापार समझौता आप सभी के लिए अपार अवसर लाता है। वस्त्र, जूते, मोटर वाहन व उसके कलपुर्जे, रत्न एवं आभूषण, कृषि रसायन तथा नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की काफी संभावनाएं हैं।

दो दशकों में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता तय करेगी वृद्धि की रफ्तार: सीईए

नई दिल्ली, एजेंसी

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने बुधवार को कहा कि उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और प्रासंगिकता क्षमता अगले 20 वर्षों में भारत के जनसांख्या संबंधी लाभांश को वृद्धि का इंजन बनाने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। नागेश्वरन ने उद्योग मंडल सीआईआई की तरफ से उच्च शिक्षा पर सम्मेलन में कहा कि भारत में उच्च शिक्षा सुधार के अगले चरण की कुंजी राज्यों के पास है। उन्होंने शिक्षकों की कमी को तत्काल दूर करने की जरूरत पर जोर देते हुए उद्योग एवं व्यावहारिक अनुभव रखने वाले विशेषज्ञ शिक्षकों की नियुक्ति जैसे विकल्पों को अपनाने का सुझाव भी दिया।

● उद्योग एवं व्यावहारिक अनुभव वाले शिक्षकों की नियुक्ति को अपनाने का दिया सुझाव

नागेश्वरन ने कहा कि राज्यों के लिए अन्य प्रमुख प्राथमिकताओं में प्रशासनिक नियंत्रण से आगे बढ़कर संरक्षण एवं मार्गदर्शन की भूमिका निभाना, इनपुट आधारित नियमन से हटकर परिणाम एवं गुणवत्ता पर आधारित नियमन, सार्वजनिक प्रशासन में उद्यमशील दृष्टिकोण अपनाना और संस्थानों को उनकी भूमिका एवं प्रदर्शन के आधार पर वित्तपोषण शामिल है। सीईए ने कहा कि भारत इस समय जनसांख्यिकीय और आर्थिक मुहाने पर खड़ा है। दो दशकों में लाखों युवा कामकाजी उम्र में प्रवेश करेंगे। जनसंख्या का यह लाभांश आर्थिक वृद्धि को रफ्तार देगा या सामाजिक दबाव का कारण बनेगा, यह काफी हद तक हमारी उच्च शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता और प्रासंगिकता पर निर्भर करेगा। नागेश्वरन ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) ने सुधारों के लिए रास्ता खोला है और नियामकीय सोच में बदलाव आ रहा है, लेकिन अब जरूरत प्रभावी क्रियान्वयन, संस्थागत साहस और सहकारी संघवाद की है।

कैपएक्स एक बार निवेश वर्षों तक लाभ

कैपिटल एक्सपेंडिचर या कैपएक्स वह खर्च होता है जो किसी व्यवसाय या सरकार दीर्घकालिक परिसंपत्तियों (जैसे मशीनरी, इमारत, भूमि, प्रौद्योगिकी, इंफ्रास्ट्रक्चर) को खरीदने, सुधारने या बढ़ाने पर करती है। यह खर्च रोजमर्रा के ऑपरेशनल खर्च (ओपरेटिंग खर्च) से अलग होता है क्योंकि इसका लाभ कई वर्षों तक मिलता है। वैश्विक और घरेलू बाजार पर कैपिटल एक्सपेंडिचर का महत्वपूर्ण प्रभाव होता है। उच्च कैपएक्स अर्थव्यवस्था में निवेश बढ़ाता है, उत्पादन क्षमता बढ़ाता है और दीर्घकालिक विकास को प्रोत्साहित करता है। वहीं, मंदी के समय कैपएक्स में कटौती बाजार में नकारात्मक भावना ला सकती है, जिससे रोजगार, मांग और आर्थिक वृद्धि पर दबाव पड़ता है।

लाभप्रदता का उद्देश्य

कैपएक्स किसी भी संगठन या सरकार की ओर से दीर्घकालिक परिसंपत्तियों में किया गया निवेश होता है, जो भविष्य में उत्पादन क्षमता और लाभप्रदता बढ़ाने के उद्देश्य से किया जाता है। इसमें मशीनरी, निर्माण, भूमि, प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर और अन्य पूंजीगत संसाधनों में खर्च शामिल है। यह खर्च वित्तीय वर्ष में एक बार बड़े निवेश के रूप में दिखाया जाता है और इसका लाभ कई वर्षों तक मिलता है।

भारत पर सीधा और गहरा असर

भारत जैसे विकासशील देशों में कैपएक्स का घरेलू बाजार पर सीधा और गहरा असर होता है। जब भारतीय कंपनियां नई फैक्ट्रियों, तकनीकी प्रणालियों और आधारभूत संरचनाओं में निवेश बढ़ाती हैं, तो इससे रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और स्थानीय मांग को प्रेरणा मिलती है। उच्च कैपएक्स आर्थिक विकास दर को समर्थन देता है और दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करता है। सरकार की ओर से बड़े सार्वजनिक निवेश जैसे सड़क, रेलवे, ऊर्जा परियोजनाएं आदि न केवल सीधे देश की जीडीपी को बढ़ाते हैं बल्कि निजी निवेश को भी आकर्षित करते हैं। अगर सरकार भारी पूंजी निवेश करती है, तो इससे निर्माण सामग्री, मशीनरी और श्रमिकों की मांग बढ़ती है, जिससे कई उद्योगों को फायदा होता है।

कंपनी का आइना

कैपएक्स न केवल कंपनी की दीर्घकालिक रणनीति को दर्शाता है, बल्कि व्यापक आर्थिक स्वास्थ्य और भविष्य की वृद्धि की दिशा का भी अनुमान देता है। उच्च कैपएक्स आमतौर पर आर्थिक विकास और नवोन्मेष को दर्शाता है, जबकि कम कैपएक्स संभावित आर्थिक मंदी या सतर्कता की ओर संकेत करता है। इसलिए निवेशक, नीति निर्माता तथा उद्योग विश्लेषक कैपएक्स का बहुत ही ध्यान से अध्ययन करते हैं ताकि आर्थिक और बाजार की दिशा का अंदाज लगाया जा सके।

वैश्विक बाजार पर प्रभाव

वैश्विक अर्थव्यवस्था में कैपएक्स एक प्रमुख संकेतक के रूप में देखा जाता है कि कंपनियां और सरकारें भविष्य के विकास के लिए कितना निवेश कर रही हैं। जब वैश्विक कैपएक्स उच्च होता है, तो यह आम तौर पर निवेशकों का भरोसा दर्शाता है कि बाजार में मांग बढ़ेगी और कंपनियां विस्तार की योजना बना रही हैं। ऐसे निवेश वैश्विक आर्थिक वृद्धि को प्रोत्साहित करते हैं, नए रोजगार सृजित करते हैं और प्रौद्योगिकी उन्नति को बढ़ावा देते हैं। वैश्विक मंदी या अस्थिरता के समय कैपएक्स में कटौती देखी जा सकती है क्योंकि कंपनियां वित्तीय अनिश्चितताओं के कारण बड़े निवेश को टाल देती हैं या करने से बचती हैं। इससे वैश्विक आर्थिक गतिविधियां सुस्त होती हैं, जिससे शेयर बाजारों में नकारात्मक भावनाएं पैदा हो सकती हैं और विकास दर प्रभावित हो सकती है।

जीडीपी वृद्धि के 7.5% रहने का अनुमान : केयरएज

मुंबई, एजेंसी

देश की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर वित्त वर्ष 2025-26 में 7.5% रह सकती है, जबकि अगले वित्त वर्ष में इसके कुछ नरम होकर 7% पर आने का अनुमान है। घरेलू रेटिंग एजेंसी केयरएज ने बुधवार को एक रिपोर्ट में यह कहा।

रिपोर्ट के अनुसार, हाल में 91 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक फिसल चुका रुपया आगे चलकर मजबूत हो सकता है। इसने वित्त वर्ष 2026-27 में रुपये के 89-90 रुपये प्रति डॉलर के दायरे में रहने का अनुमान जताया है। केयरएज की मुख्य अर्थशास्त्री रजनी सिन्हा ने कहा कि 2026-27 की तरफ कदम बढ़ाते समय भारत का वृहद आर्थिक परिदृश्य सकारात्मक बना हुआ है। बाहरी अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था अगले वित्त वर्ष में करीब सात प्रतिशत की स्वस्थ वृद्धि दर्ज करने में सक्षम रहेगी।

● घरेलू रेटिंग एजेंसी के अनुसार, 91 रुपये प्रति डॉलर तक फिसला रुपया आगे चलकर मजबूत हो सकता है

उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति के नियंत्रण में रहने, ब्याज दरों में नरमी आने और कर बोझ में कमी जैसे कारक आर्थिक वृद्धि को समर्थन देंगे। संभावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौता भी वृद्धि को और रफ्तार दे सकता है। पूंजीगत व्यय चक्र में शुरुआती स्तर पर सुधार के संकेत दिखने लगे हैं, जिसका प्रमाण वस्तु कंपनियों के ऑर्डर बुक में मजबूत वृद्धि से मिलता है।

भारत की वृद्धि दर में हो सकती है बढ़ोत्तरी : गोपीनाथ

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में 7% की वृद्धि दर दर्ज कर सकती है। यह आंकड़ा अक्टूबर में आईएमएफ के अनुमान 6.6% से थोड़ा अधिक है। एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि आईएमएफ ने भारत के वृद्धि के अनुमान राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जुलाई-सितंबर तिमाही में 8.2% वृद्धि दर घोषित होने से पहले लगाए थे। गोपीनाथ ने कहा कि आईएमएफ का अनुमान 6.6% था, लेकिन दूसरी तिमाही की वास्तविक वृद्धि दर 8% से अधिक है। ऐसे में मैं मानती हूं कि भारत की जीडीपी वृद्धि दर करीब 7% तक जाएगी। इस महीने की शुरुआत में भारतीय रिजर्व बैंक ने भी अपने जीडीपी वृद्धि दर के पूर्वानुमान को 6.8 से बढ़ाकर 7.3% कर दिया था। अगर भारत 20 साल तक 8% की वृद्धि दर बनाए रख सकता है तो 2047 के लक्ष्यों के करीब पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसा करने के लिए सुधारों की जरूरत है। गोपीनाथ ने कहा कि भारत इस समय अमेरिका-भारत व्यापार संकट से पहले की अपेक्षा बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता पर उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत का एक महत्वपूर्ण साझेदार है और दोनों देशों को सहयोग करके आपसी सहमति से समाधान निकालना चाहिए।

साथ ही, सकल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में हुई बढ़ोतरी यह दर्शाती है कि विदेशी निवेशक भारत की वृद्धि संभावनाओं पर भरोसा जता रहे हैं।

रिपोर्ट कहती है कि श्रम संहिता जैसे नए सुधार घरेलू और वैश्विक निवेशकों का विश्वास और मजबूत करेंगे। वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही में निर्यात में अग्रिम ऑर्डरों का असर कम होने और त्योहारों के बाद खपत के सामान्य होने से वृद्धि दर कुछ धीमी होकर सात प्रतिशत रह सकती है। इसके बावजूद समूचे वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि 7.5% रहने की संभावना है। चालू वित्त वर्ष में वस्तु निर्यात में करीब एक प्रतिशत की गिरावट आ सकती है।

सेबी की बैठक बाजार नियामक ने कंपनी और निवेशकों के लिए प्रक्रिया सरल बनाने के लिए किए कई बड़े बदला

पारदर्शिता बढ़ाने के लिए एमएफ नियमों में किए बड़े बदलाव

मुंबई, एजेंसी

बाजार नियामक सेबी ने बुधवार को पारदर्शिता बढ़ाने को म्यूचुअल फंड (एमएफ) नियमों में व्यापक बदलाव को मंजूरी दी। इसमें व्यय अनुपात ढांचे और ब्रोकरेज शुल्क की सीमाओं में बदलाव शामिल हैं। इनका मकसद नियामकीय स्पष्टता लाना, अनावश्यक दोहराव को कम करना और अनुपालन को आसान बनाना है।

सेबी प्रमुख तुहिन कांत पांडेय ने बताया कि बोर्ड बैठक में सेबी ने एक प्रस्ताव को मंजूरी दी है, जिसके तहत सभी वैधानिक शुल्क - एसटीटी (प्रतिभूति लेनदेन शुल्क), जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर), सीटीटी (जिंस लेनदेन कर) और स्टांप शुल्क - को व्यय अनुपात की सीमा से बाहर रखा जाएगा। इसके साथ ही ब्रोकरेज, एक्सचेंज और नियामकीय शुल्क से संबंधित मौजूदा खर्च भी इससे बाहर होंगे। इस व्यय अनुपात सीमा को अब 'बुनियादी खर्च अनुपात' कहा जाएगा। इस समय प्रबंधन शुल्क पर लगने वाला जीएसटी को छोड़कर अन्य सभी वैधानिक शुल्क म्यूचुअल

फंड योजनाओं के लिए निर्धारित टीईआर (कुल व्यय अनुपात) सीमा के भीतर शामिल होते हैं।

प्रस्तावित बदलाव के तहत व्यय अनुपात की सीमा को वैधानिक शुल्क से अलग रखा जाएगा, ताकि भविष्य में वैधानिक शुल्क में होने वाला कोई भी बदलाव सीधे निवेशकों तक पहुंच सके। इसके साथ ही बोर्ड ने परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमसी) द्वारा म्यूचुअल फंड योजनाओं पर पहले से दिए गए अतिरिक्त पांच बेसिस प्वाइंट (बीपीएस) शुल्क को खत्म करने का फैसला किया है। यूनिटधारकों के लिए लागत को तर्कसंगत बनाने के लिए इस खर्च को हटाने का फैसला लिया गया है।

आईपीओ में बिक्री पेशकश की अधिक हिस्सेदारी नई प्रवृत्ति नहीं

आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में ताजा वित्त पोषण के बजाय कंपनियों के शुरुआती निवेशकों की तरफ से बिक्री पेशकश (ओएफएस) की हिस्सेदारी अधिक होने को लेकर उठ रही चिंताओं के बीच सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने कहा कि इस मुद्दे को पूंजी निर्माण के व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। शुरुआती निवेशकों का कंपनी से बाहर होना कोई नई या असामान्य प्रवृत्ति नहीं है। अप्रैल-अक्टूबर 2024 के दौरान आईपीओ के जरिये जुटाई राशि में ओएफएस का हिस्सा 51% था, जो चालू वर्ष में बढ़कर 57% हो गया है। ऐसे में यह कहना कि कोई असाधारण घटना हो रही है तथ्यों से मेल नहीं खाता है। सेबी के पूर्णकालिक सदस्य कमलेश वार्ष्णेय ने कहा कि निवेशकों के लिए निकासी के रास्ते जरूरी हैं और इनके बिना भारत को आवश्यक निवेश नहीं मिल पाएगा।

शेयर ब्रोकर से संबंधित नियमों में में भी व्यापक बदलाव

सेबी ने शेयर ब्रोकर से जुड़े नियमों में व्यापक सुधार को मंजूरी दी। अनुपालन को आसान बनाने और बाजार की बदलती जरूरतों के अनुरूप नियामकीय ढांचे को आधुनिक बनाने के लिए तीन दशक पुराने नियमों में बदलाव किए गए हैं। निदेशक मंडल की बैठक में सेबी (शेयर ब्रोकर) विनियम, 2025 को मंजूरी दी गई। सेबी ने कहा कि नए विनियमों में नियामकीय भाषा को सरल किया गया है, पुराने और अप्रासंगिक प्रावधान हटा दिए गए हैं और परिभाषाओं एवं रिपोर्टिंग जरूरतों को अधिक स्पष्ट और सुव्यवस्थित किया गया है। नए ढांचे में शेयर ब्रोकरों से जुड़े प्रमुख पहलुओं को शामिल करते हुए नियमों को 11 अध्यायों में बांटा गया है। सेबी ने कई ऐसे अनुसूचियों को हटाया है, जिनकी जरूरत नहीं थी। वहीं जरूरी प्रावधानों को सीधे अध्यायों के रूप में नियमों में शामिल किया गया है, ताकि आसानी से समझ में आ सके। वहीं, अंडरराइटिंग, आचार संहिता और शेयर ब्रोकरों को अनुमति प्राप्त गतिविधियों से जुड़े प्रावधानों को एकीकृत और पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

दूसरी छमाही में रुपया कर सकता है वापसी

● एसबीआई के शोध विभाग ने रुपये पर भरोसा नामक रिपोर्ट किया जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी के भारत पर लगाए 50% शुल्क से मुख्य रूप से कमजोर हो रहा भारतीय रुपया, अगले वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में वापसी कर सकता है। भारतीय स्टेट बैंक के आर्थिक शोध विभाग की रुपये पर भरोसा नामक जारी रिपोर्ट में बुधवार को यह कहा गया। अमेरिकी शुल्क बढ़ोतरी के बाद से रुपया, डॉलर के मुकाबले 5.7% कमजोर हुआ है। यह प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे ज्यादा है।

रिपोर्ट अनुसार, भारतीय रुपया बाकियों के मुकाबले सबसे ज्यादा कमजोर हुआ है, लेकिन यह अस्थिर नहीं है। यह स्पष्ट रूप से बताता है कि भारत पर लगाया 50% शुल्क रुपये की विनिमय दर में मौजूदा गिरावट के पीछे प्रमुख कारणों में से एक है। भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के साथ निवेशकों का पूंजी प्रवाह अब बीते दिनों की बात है। पिछले रुझान बताते हैं कि 2007-14 में शुद्ध पोर्टफोलियो प्रवाह औसतन 162.8 अरब डॉलर था, जबकि 2015-25 (अब तक) से पोर्टफोलियो प्रवाह 87.7 अरब डॉलर यानी बहुत कम रहा है।

2014 से निवेश प्रवाह अधिक होना उतार-चढ़ाव का था कारण

शोध रिपोर्ट में कहा गया है कि 2014 से पहले पोर्टफोलियो निवेश प्रवाह अधिक रहना रुपये में उतार-चढ़ाव का मुख्य कारण था। व्यापार समझौते में देरी के कारण उत्पन्न भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के चलते अब ऐसी स्थिति नहीं है...। व्यापार आंकड़ों से पता चलता है कि भारत ने लंबे समय तक अनिश्चितता, बढ़ते संरक्षणवाद और श्रम आपूर्ति में आए झटकों से निपटने में उल्लेखनीय मजबूती दिखाई है। रुपये पर भरोसा शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल 2025 से भू-राजनीतिक जोखिम सूचकांक में कमी आई है, लेकिन अप्रैल-अक्टूबर 2025 के लिए सूचकांक का मौजूदा औसत मूल्य इसके दस साल के औसत से कहीं अधिक है। यह बताता है कि वैश्विक अनिश्चितताएं भारतीय रुपये पर कितना दबाव डाल रही हैं।

90 से 91 प्रति डॉलर पहुंचने में सिर्फ 13 दिन लगे

एसबीआई के अध्ययन में कहा गया है, हमारे विश्लेषण के अनुरूप, रुपया वर्तमान में मूल्य में गिरावट के दौर से गुजर रहा है। रुपये के इस दौर से बाहर निकलने की संभावना है...। हमारा मानना है कि अगले वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में रुपये में जोरदार उछाल आने की संभावना है। घरेलू मुद्रा को 90 से 91 प्रति डॉलर तक पहुंचने में सिर्फ 13 दिन लगे। बुधवार को रुपये में तेजी से सुधार हुआ और यह डॉलर के मुकाबले 55 पैसे बढ़कर 90.38 पर बंद हुआ।

ओमान पहुंचे मोदी, गर्मजोशी से स्वागत

● दोनों देशों के बीच चार समझौता ज्ञापन पर भी हुए हस्ताक्षर

मस्कट, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को ओमान के रक्षा मामलों के उप प्रधानमंत्री सैयद शिहाब बिन तारिक अल सईद से बातचीत की और दोनों देशों के बीच मित्रता पर अपने विचार साझा किए। प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को दो दिवसीय यात्रा पर ओमान पहुंचे जहां वह खाड़ी देश के शीर्ष नेतृत्व से बातचीत करेंगे।

इस दौरान दोनों देशों के बीच एक महत्वाकांक्षी व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा कि मैं मस्कट, ओमान पहुंचा हूं। यह भारत के साथ अटूट मित्रता और गहरे ऐतिहासिक संबंधों की भूमि है। यह यात्रा सहयोग के नए रास्ते तलाशने और हमारी साझेदारी को नई गति प्रदान करने का अवसर है। भारत-ओमान में चार समझौते हुए जिसमें संयुक्त समुद्री विज़न, बाजरे की खेती तथा खाद्य एवं कृषि उद्योगों में नवाचार तथा समुद्री विरासत और संग्रहालय, वैज्ञानिक अनुसंधान, कौशल विकास तथा ओमान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और भारतीय उद्योग परिसंघ के बीच सहयोग के समझौते शामिल हैं।

ओमान के मस्कट पहुंचने पर एक होटल में भारतीय और स्थानीय कलाकारों ने नृत्य प्रस्तुतियों से प्रधानमंत्री मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया।

हर साल जा रही हजारों की जान

पिछले कुछ दिनों से दिल्ली-एनसीआर का कोहरा और प्रदुषण सुर्खियों में है। एक ओर एटर क्वालिटी इंडेक्स का स्तर बढ़ता जा रहा है तो दूसरी ओर धुंध और कोहरे की वजह से लोगों की जान पर आफत बन आई है। मथुरा, नूंह, मेरठ और एनसीआर के कई इलाकों से सड़क हादसे सामने आए हैं। इसमें कई लोगों ने जान गंवाई है। ऐसा पहली बार नहीं है कि कोहरे के कारण हुए सड़क हादसों में लोगों की जान गई हो। सड़क एवं परिवहन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 2015 से 2021 तक हर साल करीब 1150 एक्सीडेंट हुए जिनमें करीब 800 लोगों की मौत हुई। रिपोर्ट के अनुसार होने वाले कुल सड़क हादसों में करीब 9 फीसदी धुंध की वजह से होते हैं। धुंध की वजह से होने वाले सड़क हादसों में मौतों से दोगुनी संख्या घायलों की होती है। कई हजार से ज्यादा लोग घायल हो जाते हैं।

सड़क पर कोहरा बना काल

अच्छी सड़कें पर ओवरस्पीड से हादसे

● भारत में एक्सप्रेस-वे और हाईवे के जाल ने सफर की दूरी तो कम कर दी है, लेकिन कोहरा और स्मॉग इन सड़कों को डेथ ट्रैप में बदल देते हैं। अच्छी सड़कें हमारी सुविधा के लिए हैं, लेकिन वे सुरक्षा की गारंटी नहीं हैं। एक्सप्रेस वे और हाईवे पर वाहन 100-120 किमी/घंटा की रफ्तार से चलते हैं। कोहरे में जब दृश्यता शून्य के करीब होती है, तो इतनी तेज गति पर ब्रेक मारना असंभव हो जाता है, जिससे अक्सर चेन रिएक्शन होता है। घने कोहरे के बावजूद कई वाहन चालक हजार्ड लाइट्स का गलत उपयोग करते हैं या बिना फॉग लाइट्स के तेज गति से चलते हैं। एक्सप्रेस-वे पर सड़क किनारे अवैध रूप से वाहन खड़े करना कोहरे में घातक सिद्ध होता है।

7 साल में पौने दो लाख हादसे

● सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2019 में 33,602 हादसे हुए जबकि 2020 में 26,541, वर्ष 2021 में 28,934 और वर्ष 2022 में 34,262 दुर्घटनाएं हुईं। 2019-2025 तक अनुमानित दुर्घटनाएं 1 लाख 75 हजार से अधिक हैं। इन सालों में मौतों की अनुमानित संख्या 85 हजार से 1 लाख 05 हजार से अधिक है। इस तरह अनुमानत : 10 से 15 हजार मौतें हर साल होती हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की 2021 की एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले सात वर्षों में कोहरे के कारण 7,994 दुर्घटनाएं हुईं। इन हादसों में 5,740 लोगों की मौत हुई, जबकि 4,322 घायल हुए।

प्रतिवर्ष 1.8 लाख मौतें

● भारत में हर साल सड़क हादसों में 1.7 लाख से 1.8 लाख लोग मारे जाते हैं। वर्ष 2023 में यह आंकड़ा लगभग 1.72 लाख था और 2024 के शुरुआती महीनों के आंकड़ों के अनुसार यह 1.77 लाख तक पहुंच गया, औसतन हर दिन 485 लोगों की मौत होती है। यह संख्या दुनिया में सबसे ज्यादा है और इसमें लगातार वृद्धि हो रही है, जिसमें युवा और व्यस्क सबसे अधिक जोखिम की स्थिति में होते हैं।

विकसित देशों में कोहरे में हादसों की स्थिति

● विकसित देशों में कोहरे के कारण सड़क हादसों की स्थिति भारत की तरह बेहद गंभीर और उतनी व्यापक नहीं है, लेकिन कोहरे से जुड़ी दुर्घटनाएं वहां भी होती हैं। ब्रिटेन में घना कोहरा साल में लगभग 10 दिनों के लिए होता है। एक पुराने सड़क सुरक्षा अध्ययन के अनुसार वहां लगभग 2 प्रतिशत सड़क दुर्घटनाएं कोहरे में होती हैं। एम4 मोटरवे पर 13 मार्च 1991 को कोहरे के कारण 51 वाहनों की टक्कर में लगभग 10 लोगों की मौत हो गई थी। कनाडा के ऑन्टेरियो में 3 सितंबर 1999 को 87 वाहनों की भिड़ंत में 8 लोगों की मौत हुई थी।

वर्ल्ड ब्रीफ

ग्लोबल साउथ के लिए मौका है एआई समिट

संयुक्त राष्ट्र। इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने यहां कहा कि अगले साल की शुरुआत में भारत में होने वाले एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन में ग्लोबल साउथ के देशों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एजेंडे को सक्रियता से आकार देने का अवसर मिलेगा। ग्लोबल साउथ से तात्पर्य उन देशों से है, जो प्रौद्योगिकी और सामाजिक विकास के मामले में कम विकसित माने जाते हैं। ये देश मुख्यत: दक्षिणी गोलार्द्ध में स्थित हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस 19-20 फरवरी को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट में भाग लेंगे।

पाकिस्तान ने हवाई रोक एक माह बढ़ाया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए हवाई क्षेत्र पर लगाए गए प्रतिबंध को एक और माह के लिए बढ़ाते हुए 23 जनवरी तक लागू कर दिया है। पहलगाम हमले के बाद अप्रैल में पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। भारत ने भी पाकिस्तान पर इसी तरह का प्रतिबंध लगाया है। पिछला विस्तारित प्रतिबंध 24 दिसंबर को समाप्त होने वाला था, लेकिन पाकिस्तान हवाई अड्डा प्राधिकरण ने बुधवार को इसे 23 जनवरी तक बढ़ा दिया। प्राधिकरण ने कहा कि पाकिस्तान का हवाई क्षेत्र भारतीय पंजीकृत विमानों के लिए बंद रहेगा।

सीमा पार से पुंछ में घुसी पाकिस्तानी

जम्मू। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में अपने पिता से हुए विवाद के बाद नियंत्रण रेखा पार कर जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले घुसने वाली एक पाकिस्तानी महिला को सेना के जवानों ने हिरासत में ले लिया है। अधिकारियों ने बताया, "मंगलवार को सेना के जवानों ने पीओके के कोटली जिले के गिम्मा इलाके की रहने वाली 35 वर्षीय शहनाज अख्तर को बालाकोट सेक्टर के अग्रिम क्षेत्र डब्बी से गिरफ्तार किया है।

आईएसआईएस के आठ आतंकी गिरफ्तार

इदलिब। सीरियाई सुरक्षा बलों ने इदलिब और सीरिया में आतंकवादी हमले के आरोप में आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। जो आतंकवादी इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक-सीरिया (आईएसआईएस) से उस सेल से जुड़े हैं जो उत्तरी सीरिया में सुरक्षा और सैन्य कर्मियों पर कई हमले करने के लिए जिम्मेदार है।

द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगे इजराइल-भारत

विदेश मंत्री जयशंकर की इजराइली पीएम नेतन्याहू से मुलाकात में कई मुद्दों पर चर्चा

● प्रौद्योगिकी, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा क्षेत्र में बढ़ाएंगे सहयोग

यरुशलम, एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात कर प्रौद्योगिकी, अर्थव्यवस्था, संपर्क और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने विश्वास जताया कि भारत-इजराइल की द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होगी। जयशंकर मंगलवार को दो दिवसीय यात्रा पर इजराइल पहुंचे। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग से भी मुलाकात की और अपने इजराइली समकक्ष गिदोन सार तथा अर्थव्यवस्था एवं उद्योग मंत्री नीर बरकत के साथ वार्ता की। बाद में दिन में उन्होंने प्रधानमंत्री नेतन्याहू से मुलाकात की।

जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि आज शाम यरुशलम में इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू से मुलाकात कर अत्यंत प्रसन्नता हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं। प्रौद्योगिकी, अर्थव्यवस्था, कौशल एवं प्रतिभा, संपर्क और सुरक्षा में सहयोग को और गहरा करने पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय एवं वैश्विक घटनाक्रम पर उनके विचारों को महत्व देते हैं। विश्वास है कि हमारी रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होगी। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। जयशंकर की यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब नेतन्याहू की भारत यात्रा की तैयारियां जारी हैं।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से हाथ मिलाते विदेश मंत्री जयशंकर।

नेतन्याहू और मोदी में जल्द होगी मुलाकात

नेतन्याहू और प्रधानमंत्री मोदी के बीच हाल में फोन पर बातचीत हुई थी, जिसके बाद इजराइली नेता ने कहा था कि दोनों बहुत जल्द मुलाकात करेंगे। जयशंकर अबू धाबी से तेल अवीव पहुंचे, जहां उन्होंने प्रतिष्ठित सर बानी यस फोरम में हिस्सा लिया था। अबू धाबी में वह 15 दिसंबर को आयोजित भारत-यूएई (संयुक्त अरब अमीरात) आयोग की 16वीं बैठक और भारत-यूएई रणनीतिक संवाद के पांचवें दौर में भी शामिल हुए थे।

इजराइल ने कनाडाई प्रतिनिधिमंडल को वेस्ट बैंक में प्रवेश से रोका

ओटावा। इजराइल ने मंगलवार को कनाडा के एक निजी प्रतिनिधिमंडल को वेस्ट बैंक में प्रवेश करने से रोक दिया, जिसमें संसद के छह सदस्य भी शामिल थे। कनाडा स्थित इजराइली दूतावास ने कहा कि इस समूह को इसलिए प्रवेश नहीं दिया गया क्योंकि इसके संबंध गैर-सरकारी संगठन 'इस्लामिक रिलीफ वर्ल्डवाइड' से हैं, जिसे इजराइल एक आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध करता है। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि कनाडा ने अपने इन नागरिकों के साथ किए गए दुर्व्यवहार को लेकर आपत्तियां दर्ज कराई हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी से ओंटारियो की सांसद इकरा खालिद ने कहा कि वह इस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थीं और इजराइली सीमा पर अधिकारियों ने उन्हें कई बार धक्का दिया। उन्होंने बताया कि जब समूह जॉर्डन और इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक के बीच एलेनबी सीमा चौकी पर था, तब प्रतिनिधिमंडल के लगभग 30 सदस्यों में से एक को पूछताछ के लिए अलग ले जाया गया। उसी सदस्य की स्थिति जानने की कोशिश पर उन्हें धक्का दिया गया। खालिद ने कहा कि सीमा अधिकारियों को पता था कि वह सांसद हैं, क्योंकि उन्होंने उनका विशेष पासपोर्ट जब्त कर लिया था, जो सामान्य कनाडाई पासपोर्ट से अलग होता है। वहीं, इजराइली दूतावास ने कहा कि इजराइल नामित आतंकवादी संगठनों से जुड़े संगठनों और व्यक्तियों को प्रवेश की अनुमति नहीं देगा। द कैनेडियन-मुस्लिम वोट नामक समूह द्वारा प्रायोजित इस प्रतिनिधिमंडल की योजना वेस्ट बैंक में विस्थापित फलस्तीनियों से मिलने की थी। हाल में इजराइली सरकार ने वहां यहूदी बस्तियों में 764 नए घरों के निर्माण को मंजूरी दी है। इजराइली बयान में कहा गया कि द कैनेडियन-मुस्लिम वोट को अधिकांश वित्त इस्लामिक रिलीफ कनाडा से मिलता है।

वेनेजुएला के तेल टैंकरों पर अब होगी अमेरिकी नाकेबंदी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने वेनेजुएला में आने-जाने वाले सभी प्रतिबंधित तेल टैंकरों की नाकेबंदी का आदेश दिया है। इस कदम से दक्षिण अमेरिकी देश के नेता निकोलस मादुरो पर दबाव और बढ़ गया है तथा इसका उद्देश्य वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को और कमजोर करना प्रतीत होता है। यह घोषणा उस घटना के एक सप्ताह बाद आई है, जब अमेरिकी बलों ने वेनेजुएला के तट के पास एक तेल टैंकर जब्त किया था। यह असामान्य कार्रवाई क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य जमावड़े के बाद की गई थी। मंगलवार रात को सोशल मीडिया पर नाकेबंदी की घोषणा करते हुए ट्रंप ने आरोप लगाया कि वेनेजुएला तेल का इस्तेमाल मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य अपराधों के वित्तपोषण के लिए कर रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका सैन्य दबाव तब तक बढ़ाता रहेगा, जब तक वेनेजुएला अमेरिका को उसका तेल, ज़मीन और संपत्तियां लौटा नहीं देता। ट्रंप ने कहा दक्षिण अमेरिका के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी नौसेना द्वारा वेनेजुएला को पूरी तरह घेर लिया गया है। वहीं, वेनेजुएला सरकार ने आरोप लगाया कि ट्रंप अंतर्राष्ट्रीय कानून, मुक्त व्यापार और नौवहन की स्वतंत्रता का उल्लंघन कर रहे हैं। उसने कहा कि अमेरिका इस कथित नौसैनिक नाकेबंदी के जरिए देश की संपदा लूटना चाहता है।

अमेरिका ने 20 और देशों पर लगाए यात्रा प्रतिबंध

वाशिंगटन, एजेंसी

● राष्ट्रपति ट्रंप के प्रशासन ने की घोषणा, दायरे में अब 40 देश

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने मंगलवार को घोषणा की कि उसने 20 और देशों पर यात्रा प्रतिबंध लगाए हैं जिसमें फलस्तीनी प्राधिकरण भी शामिल है। अमेरिका की यात्रा करने और वहां प्रवास करने को लेकर इस साल पहले घोषित व्यापक प्रतिबंधों से प्रभावित देशों की संख्या ट्रंप प्रशासन की इस घोषणा के बाद दोगुनी हो जाएगी।

ट्रंप प्रशासन ने उन देशों की सूची में पांच अन्य देशों को शामिल किया है जो यात्रा संबंधी पूर्ण प्रतिबंध झेल रहे हैं। इसके अलावा, फलस्तीनी प्राधिकरण द्वारा जारी दस्तावेजों पर यात्रा करने वाले लोगों को भी इस पूर्ण प्रतिबंध के दायरे में लाया गया है, जबकि 15 अन्य देशों पर नयी पाबंदियां लगाई गई हैं। यह कदम यात्रा और आव्रजन के लिए अमेरिका में प्रवेश के मानकों को और सख्त करने के प्रशासन के जारी प्रयासों का हिस्सा है। आलोचकों का कहना है कि इससे कई देशों के लोगों की यात्रा पर अनुचित रूप से रोक लग रही है। जिन लोगों के पास पहले से वीजा है, जो अमेरिका के वैध स्थायी निवासी हैं, जो राजनयिकों या खिलाड़ियों जैसी कुछ विशेष वीजा श्रेणियां के तहत अमेरिका आते हैं या जिनका अमेरिका में प्रवेश देश के हित में माना जाता है, उन्हें इन प्रतिबंधों से छूट दी गई है। घोषणा में कहा गया है कि ये बदलाव एक जनवरी से प्रभावी होंगे।

जून में ट्रंप ने घोषणा की थी कि 12 देशों के नागरिकों को अमेरिका आने से पूरी तरह प्रतिबंधित किया जाएगा, जबकि सात अन्य देशों के नागरिकों पर यात्रा संबंधी पाबंदियां लगाई जाएंगी। उस समय प्रतिबंध की सूची में अफगानिस्तान, म्यांमा, चाड, कांगो गणराज्य, इक्वेटोरियल गिनी, इरिट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान और यमन शामिल थे, जबकि बुरुंडी, क्यूबा, लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेजुएला से आने वाले आगंतुकों पर कड़े प्रतिबंध लगाए गए थे। ट्रंप प्रशासन ने मंगलवार घोषणा की कि अमेरिका में प्रवेश पर प्रतिबंध झेल रहे देशों की सूची का विस्तार करते हुए इसमें बुर्किना फासो, माली, नाइजर, दक्षिण सूडान और सीरिया को भी शामिल किया जा रहा है।

नवलखा को दिल्ली भेजने की अदालत ने दी अनुमति

मुंबई, एजेंसी

● एल्गार परिषद मामले में आरोपी हैं गौतम नवलखा

बंबई उच्च न्यायालय ने एल्गार परिषद-माओवादी संबंध मामले में आरोपी मानवाधिकार कार्यकर्ता गौतम नवलखा को बुधवार को दिल्ली स्थित उनके घर में स्थानांतरित करने की अनुमति दे दी लेकिन साथ ही कहा कि उन्हें जरूरत पड़ने पर सुनवाई के लिए यहां विशेष एनआईए अदालत के समक्ष पेश होना होगा।

न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायामूर्ति श्याम चंदक की पीठ ने कहा कि नवलखा को अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए प्रत्येक शनिवार को दिल्ली के स्थानीय थाने में हाजिरी लगानी पड़ेगी। साथ ही उन्हें अपना पासपोर्ट जमा कराना पड़ेगा और वह विशेष अदालत की अनुमति के बिना दिल्ली छोड़कर नहीं जा सकते। कोर्ट ने कहा कि आवेदक आरोप तय किए जाने के समय विशेष अदालत के समक्ष तब उपस्थित होगा और बुलाए जाने पर तब तक रहेगा जब तक कि अदालत द्वारा उसे छूट नहीं दी जाती।

यूक्रेन का ईयू में आने का विरोध नहीं करेगा नीदरलैंड

एम्स्टर्डम। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री डिक शूफ़ ने कहा है कि वह यूक्रेन के यूरोपीय संघ (ईयू) में शामिल होने को नहीं रोकेंगे। शूफ़ ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की के साथ बैठक के बाद मंगलवार को कहा कि डच लोग यूरोपीय संघ में यूक्रेन की पूर्ण सदस्यता का पूरी तरह समर्थन करते हैं। दूसरे देश परिषद में इस प्रक्रिया को रोकते हैं, लेकिन नीदरलैंड की तरफ से कोई राजनीतिक रुकावट नहीं होगी। जून 2022 में मोल्दोवा के साथ-साथ यूक्रेन को भी ईयू उम्मीदवार का दर्जा दिया गया था।

भारत ने बांग्लादेश के उच्चायुक्त को किया तलब

● ढाका में अपने मिशन की सुरक्षा पर चिंता जताई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने बुधवार को बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हमीदुल्लाह को तलब किया और कुछ चरमपंथी तत्वों द्वारा ढाका स्थित भारतीय मिशन के आसपास सुरक्षा संकट पैदा करने की साजिश के ऐलान को लेकर अपनी कड़ी चिंता जताई।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में यह भी कहा कि बांग्लादेश में हाल की कुछ घटनाओं को लेकर चरमपंथी तत्वों द्वारा गढ़ी जा रही झूठी कहानी को भारत पूरी तरह खारिज करता है। हमीदुल्लाह को तलब किए जाने के तुरंत बाद विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अंतरिम सरकार ने न तो इन घटनाओं की गहन जांच की है और न ही भारत के साथ कोई ठोस सबूत साझा किए हैं। मंत्रालय ने कहा कि अंतरिम सरकार बांग्लादेश में भारतीय मिशनों कार्यालयों की सुरक्षा करे।

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में भारतीय उच्चायोग के बाहर तैनात सुरक्षाकर्मी।

भारतीय उच्चायोग की ओर किया मार्च

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में पुलिस ने भारतीय उच्चायोग की तरफ मार्च कर रहे सैकड़ों प्रदर्शनकारियों को बुधवार को बीच रास्ते में रोक दिया। यह घटनाक्रम भारत के ढाका में अपने उच्चायोग के आसपास सुरक्षा स्थिति को लेकर गंभीर चिंता जताए जाने के कुछ घंटों बाद हुआ। जुलाई यूनिटी के बैनर तले मार्च निकाल रहे प्रदर्शनकारियों ने भारत-विरोधी नारे लगाए और पिछले साल जुलाई-अगस्त में छात्रों के नेतृत्व में हुए आंदोलन के बाद देश छोड़कर भागीं प्रधानमंत्री शेख हसीना व अन्य के प्रत्यर्ण की मांग की।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 18 दिसंबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी 19 दिसंबर 04 .59 तक तत्पश्चात अमावस्या।

आज का पंचांग

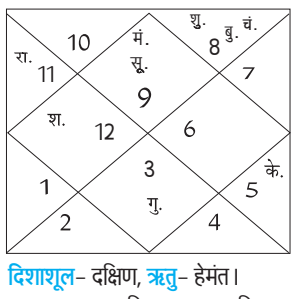

दिशाशूल- दक्षिण, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- अनुराधा 20 .07 तक तत्पश्चात ज्येष्ठा।

मेष — आज का दिन आपके लिए शुभ नहीं रहेगा। एंटीक वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं। विरोधियों के बीच आपका वर्चस्व बढ़ेगा। प्राइवेट नौकरी कर रहे लोगों को अधिकारियों से परेशानी हो सकती है।

वृष — आज इंटरव्यू में आपको उत्तम सफलता मिलेगी। रुका हुआ सरकारी काम शुरू होने के योग बन रहे हैं। व्यावसायिक निवेश से आर्थिक लाभ में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश मिल सकता है।

मिथुन — आज अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखें। अपने अहंकारी स्वभाव पर नियंत्रण करें। अपनी रुचि के अनुसार कार्य करने का प्रयास करेंगे। नई स्किल सीखने के अवसर मिल सकते हैं। प्रभावशाली लोगों के बीच आपका प्रभाव बढ़ेगा।

कर्क — आज यदि यात्रा के लिए जा रहे हैं, तो सावधानी रखें। जल्दबाजी में कोई कार्य न करें। मन में विचारों की भरमार रहेगी। वरिष्ठजनों के साथ आपके संबंध अत्यंत मधुर रहेंगे। बुरी संगत से आपको दूर रहना चाहिए।

सिंह — आज सहकर्मियों के साथ मनमुटाव हो सकता है। धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन कर सकते हैं। समय पर नया कार्य आरंभ करने के योग बन रहे हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को अपनी प्रतिष्ठा की चिंता रहेगी। म्यूचुअल फंड से आपको धन लाभ मिलेगा।

कन्या — आज अपनी रचनात्मक क्षमता का अच्छा प्रयोग कर पाएंगे। कीमती वस्तुओं को संभालकर रखें। अपनी गलतियों का ठीकरा किसी पर न फोड़ें। व्यवसाय में किसी बड़ी कंपनी से डील हो सकती है। विरोधियों से सीधे भिड़ने से बचें।

तुला — आज कोई बहुप्रतीक्षित कार्य आरंभ हो सकता है। आपके मृदु व्यवहार की प्रशंसा होगी। नई संपत्ति खरीदने के लिए समय उत्तम है। अविवाहित लोगों का विवाह तय हो सकता है। संतान की उन्नति से आपको प्रसन्नता होगी।

वृश्चिक — आज कानूनी अड़चनों का सामना करना पड़ सकता है। आपकी विचारधारा से सहकर्मी असहमत हो सकते हैं। सुख के साधनों पर धन खर्च करेंगे। आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लोग आपसे प्रेरणा लेंगे। जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा।

धनु — आज जॉब में आपके अधिकार कम हो सकते हैं। अपरिचित लोगों पर अधिक विश्वास न करें। दोपहर के बाद नया काम शुरू न करें। आपको व्यवहारिक निर्णय लेने चाहिए। कार्यक्षेत्र में काम का दबाव कम होगा। अपनी उपलब्धियों पर गर्व करेंगे।

मकर — आज अपनी योजनाओं को लेकर थोड़ा कन्फ्यूज हो सकते हैं। आपको संभलकर हास्य-विनोद करना चाहिए। परिवार की सुख-सुविधाओं पर आप ध्यान देंगे। विवाह योग्य लोगों को विवाह के रिश्ते मिल सकते हैं।

कुंभ — आज कारोबार में अपेक्षा से अधिक धन लाभ प्राप्त होगा। विधिक मामलों में आपको सफलता मिलेगी। एआई के क्षेत्र से जुड़े लोगों की आय बढ़ सकती है। संपत्ति को लेकर विवादों का निपटारा होगा। अविवाहित लोगों को विवाह के रिश्ते मिल सकते हैं।

मीन — आज चिकित्सकों के लिए दिन बहुत ही शानदार रहने वाला है। फाइनेंस को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लेने वाले हैं। मीडिया से जुड़े लोगों को सम्मान मिल सकता है। दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें। पित्त की वजह से एलर्जी की समस्या हो सकती है।

सुडोकू-5

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

				3	9		1	
		9		7	1		8	4
		7			5	6		
1		3		9		2		
	5						7	
		4		8		1		6
		2	9			3		
8	3		7	6		9		
	9		1	2				

सुडोकू - 4 का हल

6	1	9	3	5	4	2	7	8
4	8	5	2	1	7	6	9	3
2	7	3	8	9	6	1	4	5
8	6	1	9	7	3	5	2	4
3	5	7	4	2	8	9	6	1
9	2	4	5	6	1	8	3	7
1	3	2	6	4	5	7	8	9
7	4	6	1	8	9	3	5	2
5	9	8	7	3	2	4	1	6

हमारी स्ववाश टीम का अपनी धरती पर विश्व कप जीतना गर्व का बहुत बड़ा क्षण है। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं हारा। मुझे खुशी है कि खेल क्षेत्र का यह विकास देश के लिए और भी गौरव लाएगा।
–डॉ. मनसुख मांडविया, खेल मंत्री

स्टेडियम

लखनऊ, गुरुवार, 18 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

अनंतजीत-दर्शना की जोड़ी को मिश्रित स्कीट में स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। एशियाई चैंपियन निशानेबाज अनंतजीत सिंह नरूका और दर्शना राठौड़ ने 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप (शॉटगन) में सीनियर स्कीट मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। राजस्थान की इस जोड़ी ने उत्तर प्रदेश के मैराज अहमद खान और अरीबा खान को करीबी मुकाबले में 45-43 से हराया। फाइनल में अनंतजीत ने 21 निशाने लगाए जबकि दर्शना ने 24 का योगदान दिया। उत्तर प्रदेश ने क्वालीफिकेशन में शूटआउट में हरियाणा को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। हरियाणा की रेजा ढिल्लों और ईशान सिंह लिबरा की टीम ने कांस्य पदक के मुकाबले में मध्यप्रदेश के रितुराज बुंदेला और मानसी रघुवंशी को हराया।

जूनियर खिलाड़ियों की निगाह सीनियर टीम पर

नई दिल्ली। विश्व कप में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के खिलाड़ियों की निगाह अब आगामी हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में अच्छा प्रदर्शन करके सीनियर टीम में जगह बनाने पर टिकी है। भारत ने हाल ही में समाप्त हुए जूनियर विश्व कप में तीसरे स्थान के मैच में अर्जेंटीना को 4-2 से हराकर कांस्य पदक जीता था। पुरुषों की एचआईएल लीग तीन जनवरी को चेन्नई में जबकि महिलाओं की लीग 28 दिसंबर को रांची में शुरू होगी।जूनियर खिलाड़ी इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि सीनियर टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन एचआईएल के दौरान उनके खेल पर कड़ी नजर रखेंगे। टूर्नामेंट में पांच गोल करने वाले स्ट्राइकर दिलराज सिंह ने कहा जूनियर विश्व कप अभियान का समापन पदक के साथ करना निश्चित रूप से शानदार है, लेकिन हॉकी इंडिया लीग में अच्छा प्रदर्शन करना सीनियर टीम में जगह बनाने की दिशा में अगला बड़ा कदम होगा।

घने कोहरे के कारण चौथा टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच रद्द

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के कार्यक्रम पर उठे गंभीर सवाल

लखनऊ, एजेंसी

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चौथा टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच बुधवार को खराब दृश्यता के कारण रद्द कर दिया गया जब घने कोहरे की एक परत ने इकाना स्टेडियम को घेर लिया। जिससे सर्दियों के महीनों में उत्तरी भारत में मुकाबले कराने के भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के कार्यक्रम पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पूरी सीरीज के लिए नवंबर और दिसंबर के दौरान न्यू चंडीगढ़, धर्मशाला, लखनऊ, रांची, रायपुर, विशाखापत्तनम, कटक, अहमदाबाद, गुवाहाटी और कोलकाता को आयोजन स्थल के तौर पर चुना गया था।

यह वह समय होता है जब लखनऊ, न्यू चंडीगढ़ और धर्मशाला जैसे मेजबान शहरों में प्रदूषण का स्तर आमतौर पर सबसे खराब होता है। चौथा टी20 अंतरराष्ट्रीय आधिकारिक तौर पर 'अत्यधिक कोहरे' के कारण बिना एक भी गेंद फेंके रद्द कर दिया गया लेकिन सच्चाई यह थी कि प्रदूषण और कोहरे की एक मोटी चादर ने इकाना स्टेडियम को घेर लिया था जिससे दृश्यता बहुत कम हो गई थी। बुधवार को लखनऊ में वायु गुणवत्ता सूचकांत (एक्यूआई) 400 से ऊपर खतरनाक स्तर में रहा जिससे खिलाड़ियों के कल्याण के प्रति बीसीसीआई की प्रतिबद्धता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को मैच से पहले भारतीय टीम के वार्म-अप के दौरान प्रदूषण से बचने के लिए सर्जिकल मास्क पहने देखा गया।

लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में अंपायर आपस में बातचीत करते हुए। एजेंसी

शाम सात बजे शुरू होने वाला मैच आखिरकार छठे निरीक्षण के बाद रात साढ़े नौ बजे रद्द कर दिया गया। हालांकि यह एक औपचारिकता से ज्यादा कुछ नहीं था क्योंकि वहां मौजूद सभी लोग जानते थे कि रात बढ़ने के साथ दृश्यता और खराब होती जाएगी। खिलाड़ियों ने शाम साढे.सात बजे तक अपना वार्म-अप सत्र खत्म कर दिया था और ड्रेसिंग रूम में लौट गए थे। ठंड का सामना करते हुए रात नौ बजे तक दर्शकों की भीड़ भी कम होने लगी थी। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष और उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ के राजीव शुक्ला निरीक्षण के दौरान मैदान पर आए लेकिन मैच अधिकारियों से बात करने के बाद उनकी भावभंगिमा से निराशा साफ झलक रही थी। कोई रिजर्व दिन नहीं होने के कारण दोनों टीमें अब शुक्रवार को होने वाले अंतिम टी20 अंतर्राष्ट्रीय के लिए अहमदाबाद जाएंगी। भारत सीरीज में 2-1 से आगे है। बीसीसीआई आयोजन स्थलों का आवंटन करते समय रोटेशन नीति का पालन करता है लेकिन बोर्ड 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज से पहले स्थल बदलने पर विचार कर सकता था। भारतीय टीम न्यूजीलैंड का सामना पश्चिमी और दक्षिणी भारत के स्थलों पर करेगी जो मैच वडोदरा, राजकोट, इंदौर, नागपुर, रायपुर, विशाखापत्तनम और तिरुवनंतपुरम में खेले जाएंगे।

गिल चोटिल, सीरीज से बाहर होने की आशंका

लखनऊ : खराब फॉर्म से जूझ रहे भारत के उप कप्तान शुभमन गिल पैर के अंगूठे में चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी टी20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले से बाहर होने की आशंका है। टीम के करीबी सूत्रों ने पीटीआई को यह जानकारी दी। पता चला है कि गिल को ट्रेनिंग सत्र के दौरान चोट लगी और उनके जल्दी ठीक होने के लिए सभी एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के एक सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर पीटीआई को बताया शुभमन ने चौथे टी20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले से एक दिन पहले नेट में लंबे बल्लेबाजी सत्र में हिस्सा लिया था। सत्र के आखिर में उनके पैर के अंगूठे पर चोट लग गई। उन्हें दर्द हो रहा था और वह लंगड़ा रहे थे।

बढ़ाया हौसला

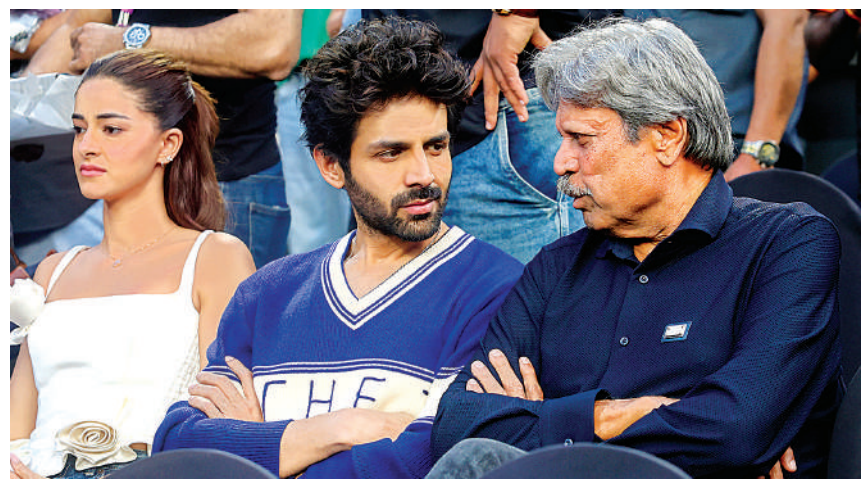

पूर्व क्रिकेटर कपिल देव (दाएं), बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन (बीच में) और अनन्या पांडे बुधवार को बेंगलुरु में कर्नाटक स्टेट लॉन टेनिस एसोसिएशन में विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) के चौथे एडिशन के उद्घाटन के दौरान मौजूद रहे और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। यहां दुनिया के 23वें नंबर के खिलाड़ी डेनिस शापोवालोव ने काइट्स के दक्षिणेश्वर सुरेश को हराकर शुरुआती मैच में हॉक्स को 25-21 से बढ़त दिला दी। पुरुष युगल वर्ग में आस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस और सुरेश ने हॉक्स के शापोवालोव और युकी भांबरी को 6-4 से हराया। महिला युगल में हॉक्स की एलिना स्वितोलिना और माया रेवती ने काइट्स की अंकिता रैना और मार्ता कोस्तियुक को 7-5 से हराया। स्वितोलिना ने कोस्तियुक को 7-5 से हराया। ● एजेंसी

सात्विक और चिराग ने बीडब्ल्यूएफ फाइनल्स में जीत के साथ की शुरुआत

हांगझोऊ, एजेंसी

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी ने बुधवार को यहां बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के ग्रुप बी के अपने पहले मैच में लियांग वेइ केंग और वैंग चैंग की चीन की ओलंपिक रजत पदक विजेता जोड़ी को तीन गेम चले कड़े मुकाबले में हराकर अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की।

सात्विक और चिराग की दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी ने पहला गेम गंवाने और मैच प्वाइंट बचाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए दुनिया की पांचवें नंबर की चीन की जोड़ी को 12-21, 22-20, 21-14 से हराया। मैच के बाद

चिराग ने कहा पहले गेम में हमारी शुरुआत उतनी अच्छी नहीं रही। सच कहूं तो इसका श्रेय उन्हें जाता है। उन्होंने हम पर बहुत दबाव बनाया और हमें गेम में मौका ही नहीं दिया। लेकिन मुझे लगता है कि दूसरे गेम से हम जानते थे कि हम अच्छी शुरुआत करना चाहते हैं। जितना हो सके उतना आक्रामक खेलना चाहते हैं और हमने वही किया। एशियाई खेलों की चैंपियन भारतीय जोड़ी अगले मुकाबले में बृहस्पतिवार को फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहीबुल फिकरी की इंडोनेशिया की जोड़ी से भिड़ेगी और इस मुकाबले के भी काफी कड़ा होने की उम्मीद है। सात्विक और चिराग की दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी ने इससे पहले लियांग और वैंग के खिलाफ तीन मैच जीते थे जबकि सात गंवाए थे लेकिन बुधवार को भारतीय जोड़ी ने महत्वपूर्ण लम्हों में धैर्य बरकरार रखते हुए जीत दर्ज की। दोनों जोड़ियों के बीच शुरुआत में कड़ी टक्कर देखने को मिली। दोनों जोड़ियां 7-7 से बराबर थी। चीन की जोड़ी ने लगातार चार अंक के साथ ब्रेक तक मजबूत बढ़त बना ली। वैंग ने नेट पर शानदार खेल दिखाया जिससे चीन की जोड़ी 14-9 से आगे हो गई और फिर उसे पहला गेम 13 मिनट में जीतने में अधिक परेशानी नहीं हुई।

कैरी और ख्वाजा के नाम रहा तीसरे टेस्ट मैच का पहला दिन

एडिलेड टेस्ट

एडिलेड, एजेंसी

विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी के करियर के तीसरे शतक और स्टीव स्मिथ के अस्वस्थ होने के कारण अंतिम समय में टीम में जगह बनाने वाले उस्मान ख्वाजा की 82 रन की लाजवाब पारी की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन शुरुआती झटकों से उबरकर आठ विकेट पर 326 रन बनाए। कैरी ने अपने घरेलू मैदान पर खेलते हुए ऐसे समय में क्रीज पर कदम रखा जब टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने के लिए उतरे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर चार विकेट पर 94 रन था। उन्होंने 143 गेंद का सामना करके 106 रन बनाए जिसमें आठ चौके और एक छक्का शामिल है।

इससे पहले ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया को शुरुआती झटकों से उबारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अनुभवी बल्लेबाज को उनके 39वें जन्मदिन की पूर्व संध्या पर स्मिथ के अस्वस्थ होने के कारण बाहर हो जाने से जल्दबाजी में टीम में शामिल किया गया। ख्वाजा चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे। जब वह पांच रन पर खेल रहे थे तब उन्हें जीवनदान मिला। उन्होंने इसका पूरा फायदा उठाकर मार्नस लाबुशेन (19) के साथ 61 रन की और कैरी के साथ 91 रन की दो महत्वपूर्ण साझेदारियां निभाई। कैरी ने जोश इंग्लिश (32) के साथ 59 रन और इस मैच में वापसी करने वाले कप्तान पैट कमिंस (13) के साथ 50 रन की साझेदारी की। दिन का खेल समाप्त होने के समय मिशेल स्टार्क 33 रन पर खेल रहे थे जबकि नाथन लियोन ने अभी अपना खाता नहीं खोला है। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर इंग्लैंड के सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 29 रन देकर तीन विकेट लिए हैं। उनके अलावा ब्रायडन कार्स और विल जैक्स ने दो-दो विकेट हासिल किए।

शतक लगाने के बाद जश्न मनाते एलेक्स कैरी। एजेंसी

चक्रवर्ती ने टी20 गेंदबाजी में सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की

दुबई : भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने बुधवार को जारी आईसीसी की नवीनतम पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली जब उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद करियर के सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंक हासिल किए। चौंतीस साल के चक्रवर्ती ने पांच मैच की घरेलू श्रृंखला में लगातार तीन बार दो विकेट चटकाते हुए अपने रेटिंग अंकों को 818 तक पहुंचाया जो उनकी सर्वश्रेष्ठ रेटिंग है।

इस दाएं हाथ के गेंदबाज ने श्रृंखला के शुरुआती तीन मैच में छह विकेट लिए जिसमें धर्मशाला में पिछले मैच में चार ओवर में 11 रन देकर दो विकेट चटकाकर किफायती गेंदबाजी करना भी शामिल है। भारत ने धर्मशाला में हुआ मैच सात विकेट से जीता था। चक्रवर्ती दूसरे स्थान पर मौजूद न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी (699) पर 119 अंक की विशाल बढ़त बनाए हुए हैं।

मैं आंसू नहीं रोक पा रहा था : कार्तिक

मुंबई, एजेंसी

पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स द्वारा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की मिनी नीलामी में 14.20 करोड़ रुपये में खरीदे जाने के बाद 19 वर्षीय कार्तिक शर्मा भावुक होकर रो पड़े। कार्तिक आईपीएल के इतिहास में संयुक्त रूप से सबसे अधिक कीमत पाने वाले अनकैप्ड (जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला हो) खिलाड़ी बन गए हैं।

अबूधाबी में मंगलवार को हुई नीलामी में कार्तिक और उत्तर प्रदेश के प्रशांत वीर 30 लाख रुपये के आधार मूल्य के साथ नीलामी में उतरे थे, लेकिन चेन्नई ने इन दोनों पर 14.20 करोड़ रुपये खरीद कर नया रिकॉर्ड बनाया। राजस्थान के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज कार्तिक ने जियोहॉटस्टार की एक विज्ञप्ति में कहा जब बोली शुरू हुई तो मुझे डर था कि कहीं मैं चूक न जाऊं। लेकिन जैसे-जैसे बोली बढ़ती गई, मैं रोने लगा। बोली

● आईपीएल की मिनी नीलामी में 14.20 करोड़ रुपये में खरीदे जाने के बाद हुए भावुक

समाप्त होने के बाद मैं आंसू नहीं रोक पाया। मैं भावनाओं और खुशी से अभिभूत था। सच कहूं तो मुझे नहीं पता कि इसे शब्दों में कैसे व्यक्त करूं। कार्तिक के लिए बोली लगाने की शुरुआत मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स ने की, जिसके बाद कोलकाता नाइट राइडर्स भी इसमें शामिल हो गया। मुंबई जल्द ही बोली से बाहर हो गया जिसके बाद कोलकाता और लखनऊ ने कार्तिक की कीमत को 2.80 करोड़ रुपये तक पहुंचा दिया।

इसके बाद ही चेन्नई ने बोली में प्रवेश किया। बाद में सनराइजर्स हैदराबाद भी इसमें शामिल हो गया था लेकिन आखिर में चेन्नई ने 14.20 करोड़ रुपये में सौदा पक्का कर लिया। कार्तिक ने कहा कि वह महेंद्र सिंह धोनी के साथ खेलने को लेकर उत्साहित हैं, लेकिन उन्होंने इसके साथ ही अपने परिवार और दोस्तों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने उन्हें यहां तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, ''मेरे परिवार के सभी सदस्यों और दोस्तों को विशेष आभार। उनके समर्थन के बिना मुझे नहीं लगता कि मैं इस मुकाम तक पहुंच पाता। मेरा पूरा परिवार बहुत खुश है। सब लोग जश्न मना रहे हैं और नाच रहे हैं। महेंद्र सिंह धोनी के साथ खेलने और उनसे सीखने को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं।

सरफराज ने सीएसके को धन्यवाद दिया

नई दिल्ली : भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज सरफराज खान ने कहा है कि पांच बार की आईपीएल चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की वजह से उन्हें 'नई जिंदगी' मिली है क्योंकि टीम ने उन्हें अबुधाबी में हुई खिलाड़ियों की नीलामी में 75 लाख रुपये के आधार मूल्य पर खरीदा है। मंगलवार को नीलामी से कुछ घंटे पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैच में 22 गेंद में 73 रन बनाने वाले 28 साल के सरफराज के लिए पहले दौर में किसी ने बोली नहीं लगाई लेकिन बाद में सुपरकिंग्स ने उन्हें खरीद लिया। मुंबई के बल्लेबाज सरफराज ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर लिखा मुझे नई जिंदगी देने के लिए सीएसके का बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि सीएसके 2026 का खिताब जीते।

डोपिंग की समस्या | वाडा ने 2024 परीक्षण रिपोर्ट जारी की, जांचे थे पांच हजार से अधिक नमूने

भारत में सबसे अधिक पॉजिटिव दर मिली

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की डोपिंग की समस्याओं का कोई अंत नहीं दिख रहा है क्योंकि विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की 2024 के परीक्षण आंकड़ों की रिपोर्ट के अनुसार जिन देशों ने पांच हजार या उससे अधिक परीक्षण किए हैं उनमें भारत में सबसे अधिक उल्लंघन के मामले पाए गए हैं। वाडा की रिपोर्ट के अनुसार भारत ने पिछले साल 7,113 परीक्षण (6,576 मूत्र के नमूने और 537 रक्त के नमूने) किए जिसमें 260 प्रतिकूल नतीजे आए जो 3.6 प्रतिशत की पॉजिटिव दर है जो सभी प्रमुख देशों में सबसे अधिक है।

जब अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) भविष्य में 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत की बोली का मूल्यांकन करेगी तो देश

का खराब डोपिंग रिकॉर्ड प्रमुख चिंताओं में से एक होगा। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने एक नोट में कहा, ''यह स्थिति राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर चिंताजनक लग सकती है लेकिन यह बताना जरूरी है कि ये आंकड़े डोपिंग के मामलों में बढ़ोतरी के बजाय भारत के कड़े डोपिंग रोधी प्रयासों का सीधा नतीजा है जिसमें अधिक परीक्षण और प्रतिबंधित पदार्थों का पता लगाने की मजबूत प्रणाली शामिल है। वर्ष 2023 के परीक्षण आंकड़ों में 5,606 परीक्षण में 213 प्रतिकूल नतीजों के बाद भारत की पॉजिटिव परीक्षण की दर 3.8 प्रतिशत थी। चीन ने 2024 में 24,214 परीक्षण किए और उसकी पॉजिटिव परीक्षण की दर सिर्फ 0.2 प्रतिशत थी। अमेरिका की डोपिंग रोधी एजेंसी ने भारत से कम 6,592 परीक्षण किए और उसकी पॉजिटिव दर 1.1 प्रतिशत रही। डोपिंग से निपटने में नाकाम रहने के कारण दुनिया भर में अलग-थलग कर दिए गए रूस ने 10,514 परीक्षण किए और सिर्फ 76 प्रतिकूल नतीजों के साथ उसकी पॉजिटिव परीक्षण की दर 0.7 प्रतिशत रही। पाकिस्तान और मंगोलिया जैसे कुछ देशों में भारत की तुलना में पॉजिटिव परीक्षण की दर अधिक है लेकिन उन्होंने बहुत कम परीक्षण किए हैं। नाडा ने कहा कि उसने 2025 में अब तक 7,068 परीक्षण किए हैं जिसमें 110 प्रतिकूल नतीजों के साथ पॉजिटिव परीक्षण की दर 1.5 प्रतिशत रही है।

खेल मंत्री ने बुराई से निबटने के लिए जताई प्रतिबद्धता

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भी बार-बार एथलेटिक्स और भारोत्तोलन जैसे पावर खेलों को पारंपरिक रूप से परेशान करने वाली इस बुराई से निपटने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। नाडा ने कहा कि वह डोपिंग उपायों के बारे में 'खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के बीच अधिक जागरूकता और बेहतर अनुपालन' देख रहा है। मिलावट वाले सप्लीमेंट की समस्या से निपटने के लिए नाडा ने कहा कि वह 'न्यूट्रिशन सप्लीमेंट परीक्षण' को मजबूत करने के लिए भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) और नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर काम कर रहा है।

सिडनी ओलंपिक में पदक चूकना सबसे बड़ा मलाल : रियाज

चेन्नई : सिडनी ओलंपिक में पदक के करीब पहुंचकर चूकने का मलाल मोहम्मद रियाज को दो दशक बाद भी है लेकिन पिछले दो ओलंपिक में भारतीय टीम के कांस्य पदक जीतने से उनका दुख जरूर कम हुआ है। तमिलनाडु के 53 वर्ष के पूर्व मिडफील्डर रियाज 1998 एशियाई खेलों में 32 साल बाद स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थे लेकिन सिडनी ओलंपिक 2000 में उस कामयाबी को नहीं दोहरा सके और क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गए। रियाज ने कहा ओलंपिक खेलना सबसे बड़ी बात है और पदक के इतने करीब पहुंचकर चूक जाना सबसे बड़ा मलाल है । मुझे पूरी जिंदगी यह मलाल रहेगा लेकिन मुझे खुशी है कि भारत ने लगातार दो कांस्य (तोक्यो ओलंपिक 2021 और पेरिस 2024) जीतकर लंबा इंतजार खत्म किया।

6 वर्षों बाद आनंद की वापसी

टाटा स्टील शतरंज

कोलकाता, एजेंसी

यह एक गुरु और उनके शिष्य के बीच एक जबरदस्त मुकाबला होगा जब पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद छह साल बाद प्रतिस्पर्धी मुकाबले में वापसी करेंगे और सात से 11 जनवरी तक यहां सातवें टाटा स्टील शतरंज में मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश और अपने दूसरे पूर्व शिष्यों का सामना करेंगे। पिछली बार 2019 में टूर्नामेंट खेलने वाले आनंद भारतीय सितारों की नई पीढ़ी के खिलाफ वापसी करेंगे जिसमें गुकेश सबसे आगे हैं। आनंद ने गुकेश का हाल के वर्षों में अपनी वेस्टब्रिज आनंद शतरंज अकादमी में करीब से मार्गदर्शन (मेंटर) किया है।

यह पहली बार होगा जब ये दोनों विश्व चैंपियन भारतीय धरती पर किसी व्यक्तिगत टूर्नामेंट में आपस में भिड़ेंगे। टाटा स्टील शतरंज इंडिया 'धोनो धन्यो ऑडिटोरियम'

● मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश से भी होगी भिड़ंत

में आयोजित किया जाएगा जिसमें रैपिड और ब्लिट्ज दोनों प्रारूप में ओपन और महिला दोनों वर्ग होंगे और दोनों वर्ग के लिए समान पुरस्कार राशि होगी। ओपन वर्ग में फिडे विश्व कप उप विजेता वेई यी, पूर्व अमेरिकी चैंपियन वेस्ली सो, हेन्स नीमेन, वोलोडार मुर्जिन और आर प्रज्ञानानंदा तथा अर्जुन एरिगेसी सहित एक मजबूत भारतीय दल भी शामिल होगा। अन्य भारतीयों में विदित गुजराती, अरविंद चिदंबरम, दिव्या देशमुख, वैशाली आर, वंतिका अग्रवाल और रक्षिता रवि शामिल हैं। महिलाओं के वर्ग में विश्व कप विजेता दिव्या के साथ पूर्व विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर एलेक्जेंड्रा गोरियाचकिना, कैटरीना लेग्नो, नेना डजाग्निदजे, डी हरिका और कैरिसा यिप मुख्य आकर्षण होंगी। खिलाड़ी के तौर पर वापसी को लेकर उत्साहित आनंद ने कहा भारत सहित पूरी दुनिया में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के उभरने से शतरंज की दुनिया में बहुत बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''मैं भारत के इस बड़े टूर्नामेंट में युवा दिग्गज शतरंज खिलाड़ियों की चुनौती स्वीकार करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। टाटा स्टील के उपाध्यक्ष (कॉर्पोरेट सर्विसेज) डी बी सुंदर रामम ने कहा कि आनंद की वापसी ने इस प्रतियोगिता में एक खास आयाम जोड़ा है।